फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई-पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें - www.bhedinazar.com

दिल्ली, सोमवार 1 सितंबर 2025

दिल्ली, हरियाणा, चड़ीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

वर्ष : 22 अंक : 141 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. DEL/HIN/2004/13528 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

लखनऊ में पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, बिल्डिंग उड़ी

- फैक्ट्री मालिक-पत्नी समेत 4 की मौत,पड़ोसियों के घर टूटे

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में पटाखा फैक्ट्री में रविवार सुबह धमाका हो गया। हादसे में फैक्ट्री मालिक और उसकी पत्नी समेत 4 की मौत हो गई है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। क्योंकि, धमाके के बाद पूरी बिल्डिंग जमींदोज हो गई। बताया जा रहा है कि कई लोग मलबे के नीचे दबे हैं। डीएम-कमिश्नर मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस टीमें मलबे में दबे लोगों का रेस्क्यू कर रही है। धमाका इतना भीषण था कि आसपास के

2-3 मकान भी टूट गए। इससे करीब 10 लोग घायल हुए हैं। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल है। पुलिस के पहुंचने से पहले ही घायलों को स्थानीय लोग अस्पताल ले गए। बाराबंकी से भी फायर ब्रिगेड की टीमें पहुंच गई हैं। हादसा जिला मुख्यालय से 20 किमी दूर गुडंबा थाना क्षेत्र के बेहटा में हुआ है। फैक्ट्री के पड़ोस में रहने वाले जैद खान ने कहा-वास्तव में हुआ क्या, ये मुझे समझ में नहीं आया। मेरे ऊपर छत का हिस्सा और अलमारी सब गिर गया। मैं उसी में दब गया। मुझे कुछ पता नहीं क्या हो गया था। सीएफओ अंकुश मित्तल ने बताया- फायर स्टेशन इंदिरा नगर को थाना बेहटा क्षेत्र में ब्लास्ट होने की सूचना मिली। सूचना प्राप्त होते ही अग्निशमन अधिकारी हजरतगंज, इंदिरा नगर और प्रभारी अग्निशमन अधिकारी बख्शी का तालाब यूनिट सहित घटनास्थल को रवाना हो गए।

केरल में पहली बार सियासत के सेंटर पॉइंट बन रहे हिंदू

वाम सरकार करा रही अयप्पा सम्मेलन, 20 सितंबर से सबरीमाला मंदिर में आयोजन

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। समय कम है, इसलिए राजनीतिक दलों ने अपने 'सियासी मैदान और चुनावी हथियार' तैयार करने शुरू कर दिए हैं। बड़ी बात है कि इन मैदानों के केंद्र में पहली बार 'हिंदू' ज्यादा नजर आ रहे हैं। केरल में वामदल सीपीआई (एम) की सरकार है, जिसे नास्तिक भी माना जाता है। लेकिन, यही दल इस बार भगवान अय्यपा का 'आह्वान' करने जा रही है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने 20 सितंबर से सबरीमाला की तलहटी में बसे पंपा में तीन दिवसीय ग्लोबल अयप्पा संगमम का आयोजन किया है। इसमें केरल के सभी पंथों के हिंदू संतों, उच्च ब्राह्मणों समेत सभी जाति

वर्गों को आमंत्रित किया जा रहा है। भगवान अयप्पा के नाम पर इतना बड़ा आयोजन इसलिए भी चौंका रहा है, क्योंकि निचली जाति के हिंदू और ओबीसी वोट हमेशा से सीपीआईएम को समर्थन देते हैं, लेकिन इस बार वाम दल की कोशिश उच्च जाति के हिंदुओं को साथ लाने की है। राजनीतिक विश्लेषक इसे 2018 के सबरीमाला संकट के बाद वामपंथी दल द्वारा खोए हुए हिंदू वोटों को वापस पाने की कोशिश मान रहे हैं।

भगवान अयप्पा चुनाव में बहुत अहम

भगवान अयप्पा का न केवल केरल के वोटर्स पर, बल्कि अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों में भी काफी प्रभाव है और सबरीमाला इन्हीं देवता का एकांतवास है। हर साल देश भर के लाखों हिंदू यहां दर्शन को पहुंचते हैं। इसलिए भगवान अयप्पा चुनाव में बहुत अहम हो गए हैं। हालांकि इस सीपीआईएम की इस कोशिश से केरल में मुख्य विपक्षी कांग्रेस नाराज हो गई है। केरल के मंदिर मामलों के विशेषज्ञ टीएस श्यामकुमार का कहना है कि पहली बार सीपीआईएम 'सुधारवादियों' को उकसाए बिना अयप्पा के भक्तों का विश्वास दोबारा जीतना चाहती है। वो अपने अल्पसंख्यक अनुयायियों के समर्थन को खोए बिना अयप्पा पूजा से जुड़ने का प्रयास कर रही है। यानी इस आयोजन के पीछे की मंशा सार्वजनिक है। ऐसे में राज्य की एलडीएफ सरकार के लिए यह जोखिमभरा राजनीतिक कदम भी हो सकता है। पिछले साल तमिलनाडु में डीएमके ने अंतरराष्ट्रीय मुरुगन भक्त सम्मेलन किया था।

मोदी सरकार एचएएल से खरीदेगी 97 नए फाइटर जेट

- वायुसेना को सितंबर में मिल सकते हैं 2 तेजस मार्क-1ए

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा सचिव आरके सिंह ने शनिवार को कहा कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड सितंबर में भारतीय वायुसेना को दो तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान सौंप सकता है। इन विमानों में वेपंस इंटीग्रेशन यानी हथियारों को जोड़ा भी किया गया है। इसके अलावा सिंह ने बताया, सरकार एचएएल के साथ 97 और तेजस खरीदने का नया करार करने जा रही है, जिसकी

अनुमानित कीमत करीब 67,000 करोड़ रुपए होगी। फिलहाल 38 तेजस वायुसेना में शामिल हैं। इससे पहले न्यूज एजेंसी ने रक्षा सूत्रों के हवाले से बताया था कि केंद्र सरकार ने 19 अगस्त को भारतीय वायुसेना के लिए 97 एलसीए मार्क 1ए फाइटर जेट खरीदने के लिए 62 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी। दरअसल, फरवरी 2021 में सरकार ने एचएएल के साथ 83 तेजस मार्क-1ए खरीदने के लिए 48,000 करोड़ का करार किया था, लेकिन एक अमेरिकी इंजन की डिलीवरी में देरी की वजह से अभी तक एक भी एयरक्राफ्ट नहीं सौंप पाया।

पंजाब में 'जल तांडव' 1018 गांवों में बाढ़

हिमाचल में भी जारी है कहर,रोकी गई मणिमहेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के आठ जिलों में भारी बारिश के बाद 1018 गांवों में बाढ़ की स्थिति है। बाढ़-बारिश में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। 3 लोग लापता हैं। 11 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगह शिफ्ट किया गया है। रावी नदी का जलस्तर बढ़ने से गुरदासपुर के घोनेवाले में धुस्सी बांध टूट गया। इसके चलते पानी करीब 15 किलोमीटर दूर अजनाला शहर तक पहुंच गया। बाढ़ की वजह से 80 गांव पानी में डूबे हैं। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बदर गांव में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हुई। मलबे से अब तक 7 शव बरामद किए गए हैं। वहीं, रामबन के राजगढ़ में बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो गई। एक महिला लापता है। कटरा में वैष्णो देवी यात्रा 6 दिन से रुकी है। इधर, हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में मणिमहेश यात्रा रोकी गई है। इसमें अब तक 10 तीर्थयात्रियों की मौत हो चुकी है, 4 अभी भी लापता हैं और 7 अन्य घायल हो गए हैं। उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से 18 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। अब तक 774 मकान बारिश में ढह चुके हैं। बलिया में गंगा किनारे तेजी से कटान हो रहा है। इसके चलते 24 घंटों में चक्की नौरंगा और भगवानपुर क्षेत्र के 24 मकान गंगा में समा गए। फर्रुखाबाद में गंगा नदी उफान पर है। 50 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। भुढ़िया भेड़ा में सड़क बाढ़ में बह गई। इसके बाद ग्रामीण नाव से आवागमन कर रहे थे, लेकिन बहाव के कारण दिक्कतें आ रही थीं।

मनोज जरांगे का भूख हड़ताल तेज करने का ऐलान

- मराठा आरक्षण आंदोलनकारी ने कहा-पानी भी नहीं पिएंगे

मुंबई (एजेंसी)। मराठा आरक्षण के लिए मनोज जरांगे पाटिल ने आक्रामक रुख अपनाया है। वह ओबीसी कोटे से मराठा आरक्षण दिए जाने की मांग पर अड़े हैं। इसके लिए मराठों ने मुंबई के आजाद मैदान में एल्गार का आह्वान किया है। आज

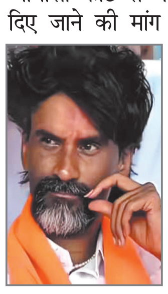

मनोज जरांगे पाटिल इस लड़ाई का नेतृत्व कर रहे हैं और अब और भी आक्रामक हो गए हैं। गुरुवार से भूख हड़ताल शुरू हो गई है। रविवार को भूख हड़ताल का तीसरा दिन है। आज उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर मांगें नहीं मानी गईं तो भूख हड़ताल और भी कड़ा कर दिया जाएगा। जरांगे ने कहा है कि वह कल से पानी भी ग्रहण नहीं करेंगे।

सैनिकों की वापसी से सीमा पर शांति आई: पीएम मोदी

जिनपिंग बोले-ड्रैगन और हाथी साथ आएं यह बेहद जरूरी

बीजिंग (एजेंसी)। सात साल बाद चीन पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। दोनों के बीच 55 मिनट बातचीत हुई। मोदी ने बातचीत के दौरान कहा-पिछले साल कजान में हमारी बहुत उपयोगी चर्चा हुई थी, जिससे हमारे संबंध बेहतर हुए। सीमा पर सैनिकों की वापसी के बाद, शांति और स्थिरता का माहौल बना है। सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों ने समझौता किया है। कैलाश मानसरोवर यात्रा दोबारा शुरू हो गई है और दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें भी फिर से शुरू हो रही हैं। मीटिंग में जिनपिंग ने कहा कि पीएम मोदी से मिलकर खुशी हुई। चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि ड्रैगन (चीन) और हाथी (भारत) को साथ आना चाहिए। वहीं, मोदी ने ये भी कहा कि भारत और चीन के बीच सहयोग से 2.8 अरब लोगों को फायदा होगा और यह पूरी मानवता के कल्याण का रास्ता खोलेगा। उन्होंने आपसी विश्वास, सम्मान के आधार पर रिश्तों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता जताई है।

मोदी बोले-दोनों देशों के 2.8 अरब लोगों को होगा फायदा

इससे पहले पीएम मोदी ने गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार जताते हुए कहा, मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। पिछले वर्ष कजान में हमारी बहुत ही सार्थक चर्चा हुई थी। हमारे संबंधों को एक सकारात्मक दिशा मिली। सीमा पर सैनिकों की वापसी के बाद, शांति और स्थिरता का माहौल बना हुआ है। सीमा मुद्दे पर हमारे विशेष प्रतिनिधियों ने समझौता किया है। कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू हुई है। दोनों देशों के बीच डायरेक्ट फ्लाइट भी फिर से शुरू की जा रही है। पीएम मोदी ने ये भी कहा कि हमारे सहयोग से दोनों देशों के 2.8 अरब लोगों के हित जुड़े हुए हैं।

जिनपिंग बोले- चीन और भारत दुश्मन नहीं, बल्कि दोस्त है

जिनपिंग ने पीएम मोदी के साथ हुई बातचीत में कहा कि चीन और भारत दुश्मन नहीं, बल्कि साझेदार हैं और दोनों देश एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं विकास के लिए अवसर हैं। जिनपिंग ने कहा कि जब तक दोनों देश अपने रिश्तों को सुधारने की दिशा में काम करते रहेंगे तब तक हम विकास करते रहेंगे। शी ने कहा कि चीन और भारत को अच्छे पड़ोसी और एक-दूसरे की सफलता में मदद करने वाले दोस्त बनना चाहिए।

अशोक चौधरी के घर सीएम-अनंत सिंह की मुलाकात

- हाथ में हाथ डाले दिखे नीतिश कुमार के मंत्री और बाहुबली

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार से बाहुबली अनंत सिंह की रविवार को मुलाकात हुई। दरअसल, मुख्यमंत्री, मंत्री अशोक चौधरी के आवास पहुंचे थे, यहां अनंत सिंह पहले से मौजूद थे। जेल से बाहर आने के बाद पूर्व विधायक की सीएम से ये दूसरी मुलाकात है। इस दौरान अशोक चौधरी और अनंत सिंह दोनों हाथ में हाथ डाले दिखे। बता दें कि मंत्री अशोक चौधरी अनंत सिंह के जदयू

से चुनाव लड़ने का समर्थन कर चुके हैं। उन्होंने कहा था, अगर अनंत सिंह मोकामा से लड़े तो पार्टी बिना मेहनत के जीत जाएगी। मोकामा गोलीकांड में 6 अगस्त को रिहाई के बाद से ही अनंत सिंह जदयू की टिकट पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। शनिवार को अनंत सिंह ने केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के साथ बाढ़ से मोकामा तक रोड शो भी किया। जहानाबाद में शनिवार को एक जनसभा के दौरान तेजस्वी के समर्थन में नारे लगाने पर उनके बड़े भाई तेज प्रताप यादव भड़क गए। उन्होंने उस युवक को खरी-खोटी सुना दी। तेज प्रताप यादव जहानाबाद के घोषी विधानसभा क्षेत्र के लखबार हाई स्कूल के मैदान में सभा को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान किसी ने नारा लगाया-अबकी बार तेजस्वी सरकार...। इतना सुनते ही तेज प्रताप ने कहा-यहां फालतू बात मत करो।

पटना में 'गांधी से अंबेडकर' थीम पर निकलेगी यात्रा

- राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा का जारी हुआ रूट मैप

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा रविवार की देर शाम पटना पहुंची। इसके अगले दिन यानी कल सोमवार 1 सितंबर को राहुल गांधी की

वोटर अधिकार यात्रा पटना में पैदल मार्च के रूप में निकाली जाएगी। यह पैदल यात्रा गांधी से अंबेडकर थीम पर निकाली जाएगी। कार्यक्रम का शुभारंभ गांधी मैदान से होगा और समापन बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर पार्क में किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी को ओर से सोमवार को होने वाले मार्च का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया गया है।

अमेरिकी टैरिफ से पंजाब को 30 हजार करोड़ का नुकसान

8,000 करोड़ रुपए तो केवल कपड़ा निर्यात पर होगा नुकसान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ वॉर से पंजाब की इंडस्ट्री को 30 हजार करोड़ का नुकसान होगा। इसका असर भी दिखना शुरू हो गया है। कई इंडस्ट्रियलिस्ट के ऑर्डर रुक गए हैं। टैरिफ के कारण पंजाब के 7 इंडस्ट्रियल सेक्टर का ही अकेले 20 हजार करोड़ रुपए का नुकसान है। इनमें कपड़ा, मशीन टूल्स, फास्टनर्स, ऑटो पार्ट्स, खेल और लेदर, खेती उपकरण इंडस्ट्री शामिल है। इन उद्योगों से जुड़े उद्योगपतियों ने कहा कि अमेरिका के भारत पर बढ़ाए टैरिफ का फायदा पड़ोसी देश

पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन को होगा।

जालंधर की स्पोर्ट्स इंडस्ट्री पर असर, कर्मचारियों की हो सकती छंटनी

पंजाब की सबसे बड़ी खेल इंडस्ट्री एएम इंटरनेशनल के मालिक मुकुल वर्मा के अनुसार,जालंधर भारत की स्पोर्ट्स कैपिटल है। अमेरिका खेल उत्पादों के लिए बड़ा बाजार है। 50 फीसदी टैरिफ से इंडस्ट्री प्रभावित होगी। इससे कर्मचारियों की भी छंटनी होगी और मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स पर असर पड़ेगा।

इंदौर आ रही फ्लाइट लौटी दिल्ली में हुई सेफ लैंडिंग

- एयरलाइन बोली-पायलट को इंजन में फायर इंडीकेशन मिला था; 90 यात्री सवार थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से इंदौर पर जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई 2913 (ए-320 नियो विमान) को दिल्ली लौटा लिया गया। पायलट को दाहिने इंजन में आग लगने की सूचना मिली थी। एअर इंडिया ने कहा- रविवार सुबह 6.15 बजे 90 यात्रियों के साथ प्लेन ने उड़ान भरी थी। करीब आधे घंटे बाद इंजन में फायर इंडिकेशन मिला। स्टैंडर्ड प्रोसेस के तहत पायलट ने इंजन बंद किया। बाद में प्लेन की एयरपोर्ट पर सेफ लैंडिंग हुई। एयरलाइन ने कहा कि प्लेन का ग्राउंड इंस्पेक्शन कराया जाएगा। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को भी घटना की जानकारी दी गई है। 29 अगस्त को भी दिल्ली से श्रीनगर आ रही स्पाइसजेट की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी।

सेक्टर-7डी-ईस्ट आरडब्लूए के प्रधान बने एडवोकेट रकम सिंह मावी

फरीदाबाद (भेदी नजर) रेजीडेंस वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर-7डी-ईस्ट का चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ जिसमें एडवोकेट रकम सिंह मावी 239 वोट प्राप्त करके 160 वोट से अध्यक्ष पद के लिए विजेता घोषित किए गये। इस मौके पर एडवोकेट प्रकाश वीर नागर (सह संयोजक बीजेपी लीगल सेल हरियाणा प्रदेश) ने शांतिपूर्ण चुनाव के लिए सभी का बहुत बहुत धन्यवाद किया। उन्होंने शीर्ष नेतृत्व,जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन और चुनाव अधिकारियों (प्रकाश भाटी, प्रदीप चावला,सीपी गौतम,अरूण वर्मा) और समस्त सेक्टर के निवासियों का सहयोग के लिए बहुत बहुत धन्यवाद किया। इस अवसर पर रकम सिंह मावी ने सभी सदस्यों का धन्यवाद किया और उन्हें विश्वास दिलाया की वह उनकी आशाओं पर पूरी तरह खरा उतरेगें। उन्होनें कहा कि सभी सम्मानित सदस्यों ने उनपर जो आस्था व्यक्त की है उसे कभी टूटने नहीं देगें और सभी पदाधिकारियों की सहमति से फैसले लेगें। इस मोके पर पवन चांदना,धर्मवीर देशवाल, बीके अग्रवाल, , राकेश मल्होत्रा, विजय सचदेवा, सीपी गुप्ता,केपी सिंह,एसके दीक्षित,वाईएल चांदना, कन्हैया लाल, जेके सचदेवा, एसके खुराना,एमएस सोलंकी,इन्द्रजीत वधवा,एमके आहूजा,विजय वर्मा, संदीप गुप्ता, उत्तम सिंह नेगी, जय प्रकाश, बीएम शर्मा, अरुण नेवर,अशोक शर्मा, जीआर शर्मा, दीनबंधु, दिलीप आनंद एवम समस्त महिला कीर्तन मंडली सेक्टर 7 और सभी सेक्टरवासी उपस्थित थे

प्रदेश में बनाई जाएगी 'हरियाणा आपदा राहत बल' की दो बटालियन : मुख्यमंत्री

● जिला जींद में बनने वाले फायर एवं डिजास्टर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का जल्द किया जाएगा शिलान्यास

● फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट की रिन्यूअल एनओसी के लिए आवदेन करते ही ऑटोमैटिक मिलेगी

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में हरियाणा आपदा राहत बल की दो बटालियन बनाई जाएगी, जो राज्य में किसी भी आपात स्थिति से निपटने और लोगों की सहायता के लिए काम करेगी। इसके अलावा, जिला जींद में बनने वाले फायर एवं डिजास्टर ट्रेनिंग इंस्टीटयूट का शिलान्यास जल्द किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज यहां अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे।

फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट की रिन्यूअल एनओसी मिलने के बाद 15 दिन में अधिकारी करेंगे रैन्डम चैक – श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट की रिन्यूअल के लिए एनओसी आवदेन करते ही ऑटोमैटिक मिल जाएगी। लेकिन रिन्यूअल होने के बाद विभाग के अधिकारी 15 दिन में रैन्डम चैक करेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही और समय सीमा तय की जाए। साथ ही फायर एनओसी को सीएम डैशबोर्ड के साथ जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने फायर विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेंडिंग एनओसी रखने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाए।

प्रदेश में अत्याधुनिक तकनीक से लैस अग्रिशमन वाहन खरीदे जाऐंगे – उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नई तकनीक से लैस 101 मीटर वाली अग्रिशमन की दो गाडिया जल्द ही खरीदी जाए। साथ ही हाइड्रोलिक प्लेटफ़ॉर्म की 13 अग्रिशमन वाहन, जो विभिन्न मीटर के होगें तथा 250 अग्रिशमन वाहन भी खरीदे जाऐंगे, जो ब्लॉक लेवल तक होंगे। इसके अलावा, फायर गाडियों में लगे पानी के पाईप की क्षमता को एक हजार मीटर तक बढाया जाए ताकि भीड़भाड वाले क्षेत्रों में आपदा के दौरान यह काम आ सके।

फायर एवं डिजास्टर ट्रेनिंग इंस्टिटयूट में एनडीआरएफ के मानदंडों के तहत होंगे कार्य – श्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला जींद में बनने वाले फायर एवं डिजास्टर ट्रेनिंग इंस्टिटयूट में एनडीआरएफ के मानदंडों के तहत कार्य होगे और भूकम्प, आग, बाढ़ आदि आपदा से सम्बंधित ट्रेनिंग करवाई जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रदेश में जितने भी तैराक है उनका डाटा तैयार कर एक पोर्टल बनाया जाए।

प्रदेश में खोले जाऐंगे 59 नए फायर स्टेशन

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय की गाइडलाइन के अनुसार प्रदेश में फायर स्टेशन खोलने के लिए मैपिंग करवाई गई थी, जिसके तहत प्रदेश में 59 नए फायर स्टेशन खोले जाऐंगे। इसके अलावा अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि 10 आधुनिक फायर फाइट रोबोट भी जल्द खरीदे जाए। इनका पायलट के तौर उपयोग किया जाएगा। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरूण कुमार गुप्ता, अग्निशमन सेवाएँ, हरियाणा के महानिदेशक श्री शेखर विद्यार्थी, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष सचिव श्री राहुल हुड्डा सहित विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना से महिलाएं होंगी सशक्त: खेल मंत्री गौरव गौतम

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता तथा कानून एवं विधायी राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने बताया कि महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा और सम्मान के लिए 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' कारगर साबित होगी। इस योजना का शुभारंभ पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर 25 सितंबर 2025 से किया जाएगा। खेल मंत्री ने बताया कि 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना का लाभ हरियाणा की विवाहित और अविवाहित महिला जिनकी आयु 25 सितंबर 2025 को 23 वर्ष या उससे अधिक को मिलेगा। यदि एक परिवार में 3 पात्र महिलाएं हैं, तो उन तीनों को योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने इस दिशा में महिलाओं को सशक्त एवं मजबूत बनाने के लिए अनेकों योजनाएं क्रियान्वित की हुई हैं। इसी कड़ी में महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा और सम्मान के लिए दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना को लागू करने का निर्णय लिया है। इस योजना से निसंदेह महिलाएं और सशक्त होंगी।

दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना गरीब महिलाओं के लिए बनेगी आर्थिक सहारा: शिक्षा मंत्री

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना% गरीब महिलाओं का बड़ा सहारा बनेगी। मजदूरी करने वाली महिलाओं के छोटे खर्च इस योजना से मिलने वाली राशि से पूरा हो जाएंगे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह %दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना% हरियाणा की बेटियों, बहनों और माताओं के लिए खुशखबरी है। प्रदेश सरकार ने महिलाओं के मान-सम्मान और सुरक्षा को केंद्रित करते हुए यह योजना शुरू की है। इस योजना के तहत 23 साल या उससे अधिक उम्र की हर महिला को, चाहे वह शादीशुदा हो या अविवाहित, हर महीने 2100 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। उन्होंने बताया कि यह योजना 25 सितंबर 2025 से लागू होगी। पहले चरण में वे परिवार शामिल होंगे जिनकी सालाना आय 1 लाख रुपये से कम है। धीरे-धीरे इस योजना का दायरा बढ़ाया जाएगा ताकि ज्यादा परिवार जुड़ सकें' उन्होंने बताया कि बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा द्वारा इससे पहले भी महिलाओं के कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रखी हैं। इसमें वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना, विधवा और निराश्रित महिलाओं को वित्तीय सहायता जैसी योजनाएं शामिल हैं।

2 फीसदी आबादी वाले हरियाणा के खिलाड़ी 60 फीसदी जीतते हैं मैडल-मंत्री डॉ. अरविन्द शर्मा

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ने खिलाड़ियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है, जिसकी बदौलत आज 2 फीसदी आबादी वाला प्रदेश 60 फीसदी मैडल लाने वाले खिलाड़ी तैयार कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में आज हरियाणा अपने खिलाड़ियों को भरपूर मान-सम्मान देते हुए अन्य राज्यों के सामने अपनी खेल नीति को उदाहरण के तौर पर पेश कर रहा है। डॉ शर्मा आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा गुरुग्राम में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया व करोड़ों खिलाड़ियों की प्रेरणा स्त्रोत मेजर ध्यानचंद को याद किया। उन्होंने कहा कि खेल हमें अनुशासन, आत्मविश्वास व टीम भावना सिखाते हैं। मैदान में बहाया गया पसीना हमें जीवन की चुनौतियों को जीतने का साहस देता है। उन्होंने कहा कि जब कोई खिलाड़ी दौड़ता है, कूदता है या खो-खो जैसे पारंपरिक खेल खेलता है, तब वह केवल जीत के लिए नहीं खेलता, बल्कि अपने व्यक्तित्व को निखारता है और अपने राष्ट्र की प्रतिष्ठा बढ़ाता है। मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार के बीते 10 साल के कार्यकाल में 16 हजार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को 641 करोड़ रुपए नकद पुरस्कार के तौर पर वितरित किए जा चुके हैं, जबकि 231 खिलाड़ियों को नौकरी ऑफर की गई, जिसमें से 203 खिलाड़ियों ने नौकरी स्वीकार की। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश के खिलाड़ियों को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर 6 करोड़ रुपए, रजत पदक जीतने पर 4 करोड़ रुपए व कांस्य पदक जीतने पर अढ़ाई करोड़ रुपए देते हुए अन्य राज्यों के सामने उदाहरण पेश किया है। इस अवसर पर एबीपीवी के प्रदेश संगठन मंत्री संजय कस्वां, स्कूल निदेशक भागीरथ राघव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने हिसार के लिए 41 किमी लंबे बाईपास की मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री जताया आभार

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा है कि हिसार के लिए 41 किलोमीटर लंबे बाईपास निर्माण परियोजना से न केवल शहर में बढ़ते यातायात दबाव में कमी आएगी, बल्कि यह परियोजना हिसार के महानगर के रूप में विकसित होने के मार्ग को भी प्रशस्त करेगी। परियोजना की मंजूरी के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है। मंत्री ने कहा कि इस बाईपास का निर्माण हिसार-राजगढ़ रोड (ह्र॥-52) से शुरू होकर हिसार-दिल्ली रोड (ह्र॥-9) को पार करते हुए हिसार-कैथल रोड (ह्र॥-52) तक किया जाएगा। यह आधुनिक तकनीक से तैयार किया जाने वाला बाईपास शहर के विभिन्न इलाकों को सुगमता से जोड़ते हुए क्षेत्रीय यातायात को तेज़ और सुरक्षित बनाएगा। यह परियोजना भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि इस बाईपास के निर्माण से हिसार शहर को जाम की समस्या से काफी हद तक निजात मिलेगी और यात्रियों का समय एवं ईंधन दोनों की बचत होगी। उन्होंने बताया कि यह बाईपास न केवल हिसार बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए भी फायदेमंद साबित होगा, क्योंकि यह औद्योगिक, व्यावसायिक और कृषि गतिविधियों को गति देगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस बाईपास के निर्माण से हिसार का ट्रैफिक सुगम होगा और शहर के विकास की रफ्तार दोगुनी होगी। स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने भी मुख्यमंत्री के इस फैसले का स्वागत किया है। उनका कहना है कि इस परियोजना से हिसार में आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। कैबिनेट मंत्री ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि परियोजना के निर्माण कार्य की सभी औपचारिकताएं जल्द से जल्द पूर्ण की जाए ताकि हिसार शहर को जाम मुक्त करने की यह परियोजना मूर्त रूप ले सके।

बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण: दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया जारी

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारतीय चुनाव आयोग ने बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण- दावे – आपत्तियों की प्रक्रिया जारी की है। हरियाणा निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री ए श्रीनिवास ने जानकारी देते हुए बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 1 अगस्त से 29 अगस्त 2025 तक की प्रारूप निर्वाचक नामावली प्रकाशित की गई है। उन्होंने कहा कि शुद्ध मतदाता सूची लोकतंत्र को मजबूत बनाती है और प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए मतदाता सूची, मतदाता पहचान पत्र कानून के अनुसार सख्ती से तैयार की जाती है। श्री ए श्रीनिवास ने बताया कि बिहार में 24 जून 2025 से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य शुरू हो गया है। बूथ लेवल अफसर और राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट्स द्वारा की गई पूछताछ के दौरान प्राप्त गणना प्रपत्रों के आधार पर, मसौदा सूची 1 अगस्त, 2025 को प्रकाशित की गई है और बिहार के सभी 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ लिंक एक पर साझा की गई है। ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपना नाम देखने के लिए, लिंक 2 पर अपना चुनावी फोटो पहचान पत्र नंबर टाइप करें। यदि कोई पात्र मतदाता छूट गया है तो पीड़ित व्यक्ति 1 सितंबर, 2025 से पहले आधार कार्ड की एक प्रति के साथ फॉर्म 6 में अपना दावा दायर कर सकते हैं।

पंजाब पुलिस ने सुरक्षा एजेंसियों पर संभावित हमले को नाकाम किया ; दो बी.के.आई. कार्यकर्ता हैंड ग्रेनेड और पिस्तौल सहित गिरफ्तार

— बी.के.आई. समर्थित विदेशी कार्यकर्ता गिरफ्तार व्यक्तियों को राज्य में आतंकी गतिविधियां करने के लिए निर्देशित कर रहे थे- डीजीपी गौरव यादव

चंडीगढ़/अमृतसर, 31 अगस्त मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम के दौरान, गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) पठानकोट, सीआई लुधियाना और स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर ने संयुक्त रूप से बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) समर्थित आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया और दो कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर राज्य में होने वाली आतंकी गतिविधियों को नाकाम कर दिया। यह जानकारी आज यहां पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान सरवण कुमार, निवासी गांव मल्लियां (गुरदासपुर) और बलविंदर सिंह, निवासी जकड़िया (गुरदासपुर) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पुलिस टीमों ने इनके कब्जे से आर्गेस हैंड ग्रेनेड और तीन जिंदा कारतूस सहित .30 बोर स्टार मार्क पिस्तौल बरामद किया है।

यह कार्रवाई उस समय की गई जब सीआई पठानकोट ने एक सप्ताह से भी कम समय पहले दो नाबालिगों सहित चार सदस्यों वाले इसी नेटवर्क के एक मॉड्यूल का पर्दाफाश कर टारगेट किलिंग को टाला था और उनके कब्जे से दो .30 बोर स्टार मार्क पिस्तौलें बरामद की थीं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी अपने विदेशी हैंडलरों के निर्देश पर काम कर रहे थे, जिन्हें बब्बर खालसा इंटरनेशनल का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि आरोपियों को एक बिचौलिए के जरिए इन हैंडलरों से मिलवाया गया था।

दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना हरियाणा की महिलाओं के लिए सुखद संदेशा : राजेश नागर

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर ने दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना को एक स्वागत योग्य निर्णय बताया। श्री नागर ने आज यहाँ कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में वीरवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना लागू करने का निर्णय हरियाणा की महिलाओं के लिए एक सुखद संदेशा है और इससे बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना सरकार के %सशक्त नारी ङ्क सशक्त समाज ङ्क सशक्त हरियाणा% का एक मजबूत उदाहरण है। यह योजना नारी शक्ति को नई मजबूती देने वाली है। इससे न केवल घर की आर्थिक स्थिति सुधरेगी बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने का मार्ग भी खुलेगा। श्री नागर ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी का हृदय से आभार, जिनके नेतृत्व में महिलाओं को मजबूत करने की दिशा में ठोस पहल हुई है।

बेसहारा गौवंश के लिए प्रदेश सरकार द्वारा दिया गया 413 करोड़ रुपये का अनुदान: ऊर्जा मंत्री अनिल विज

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गऊशालाओं में रखे जाने वाले बेसहारा गौवंश के लिए वर्ष 2014 से लेकर अब तक प्रदेशभर में 413 करोड़ रुपये की राशि का अनुदान गौशालाओं को प्रदान किया गया है। इसी कड़ी में गौशाला एवं गौसदन विकास परियोजना के तहत आज श्री विज ने रामबाग गऊशाला समिति, अम्बाला छावनी को 20 लाख 77 हजार रुपये व भगवान श्री परशुराम गौशाला खतौली को 3 लाख 11 हजार रुपये की राशि के चैक गऊशालाओं के प्रतिनिधियों को प्रदान किए। मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार समाज के भिन्न-भिन्न वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि लोगों का गऊ माता के प्रति जो मन में सम्मान है, उसी सम्मान के तहत वे अपनी स्वेच्छा से आगे आकर गऊशालाओं की सहायता करें ताकि सड़क पर कोई भी आवारा पशु /गौवंश न हो। सरकार द्वारा समय-समय पर गऊशालाओं के संचालन के लिए सहयोग देने का काम किया जाता है, लेकिन इस कार्य में आमजन का सहयोग भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गऊशालाओं के संचालन के लिए बजट में भी बढोतरी की गई है तथा नई गऊशालाएं भी खोलने का काम भी किया है, जिसका उद्देश्य है कि कोई भी गौवंश आवारा सड़क पर न घूमे। उन्होंने गऊशालाओं के प्रतिनिधियों द्वारा बेसहारा गौवंश के रख-रखाव के लिए किए जा रहे कार्यो की भी सराहना की और कहा कि प्रतिनिधि इस प्रकार के कार्य को इसी सेवाभाव के साथ करते रहें, जिसके लिए उनका सहयोग उन्हें हमेशा मिलेगा। उन्होंने कहा कि जब लोग आगे आकर गऊशालाओं का सहयोग करेंगे तो गऊशालाएं सक्षम बनेंगी और कोई भी बेसहारा गौवंश सड़क पर नहीं होगा। इस दौरान गऊशालाओं के प्रतिनिधियों ने मंत्री अनिल विज व प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया। इस मौके एसडीएम विनेश कुमार, रामबाग गौशाला समिति अम्बाला छावनी से जसवंत जैन व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हरियाणा में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा 'सेवा पखवाड़ा'

पाक्षिक अभियान के दौरान होंगे हर रोज कई कार्यक्रम

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक राज्यव्यापी सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। इस पाक्षिक कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सेवा की भावना को बढ़ावा देना और विकासात्मक पहलों को एक जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना है। हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज इस अभियान की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत प्रदेशभर में प्रतिदिन कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी हर रोज मुख्य कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे, जबकि सभी जिलों में मंत्री इस तरह के कार्यक्रमों की अगुवाई करेंगे।

मुख्य सचिव ने कहा कि सेवा पखवाड़ा सामूहिक जिम्मेदारी और जनसेवा की भावना का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य प्रदेश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थायी सकारात्मक प्रभाव पैदा करना है। साथ ही, राष्ट्रसेवा के प्रति प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के समर्पण का जश्न मनाना है। श्री रस्तोगी ने पूर्व सैनिकों की सक्रिय भागीदारी के साथ प्रदेशभर में प्लास्टिक मुक्त अभियान और व्यापक स्वच्छता अभियान शुरू करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे सही मायने में जन लाभ सुनिश्चित करने के लिए अपने निर्धारित कार्यक्रमों की योजना बनाकर उन्हें क्रियान्वित करें। यह अभियान प्रधानमंत्री के सेवा के दृष्टिकोण को जमीनी स्तर पर अमलीजामा पहनाने के लिए हरियाणा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विनीत गर्ग ने बताया कि शिक्षा विभाग स्कूलों और कॉलेजों में निबंध लेखन, वाद-विवाद, चित्रकला, रंगोली और नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताएँ आयोजित करेगा। छात्र और शिक्षक स्वच्छता और नशामुक्ति की शपथ भी लेंगे। सेवा पखवाड़े के दौरान विभाग एनएसएस स्वयंसेवकों का एक समारोह भी आयोजित करेगा, जिसके दौरान पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजयेंद्र कुमार ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग के परामर्श से, राज्य के 75 स्कूलों का नाम देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले हरियाणा के सैनिकों के नाम पर रखा जाएगा। बैठक के दौरान खेल विभाग के प्रधान सचिव श्री नवदीप विर्क ने बताया कि विभाग ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्रतियोगिताओं और फिटनेस गतिविधियों के आयोजन हेतु कार्यक्रम तैयार करेगा।

'युद्ध नशों विरुद्ध': 182वें दिन, पंजाब पुलिस ने 360 स्थानों पर की छापेमारी; 65 नशा तस्कर काबू

ऑपरेशन के दौरान 53 एफआईआर दर्ज, 1.2 किलोग्राम हेरोइन बरामद

'डी-एडिक्शन' हिस्से के रूप में पंजाब पुलिस ने 53 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने का उपचार कराने के लिए किया तैयार

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा राज्य से नशा समाप्त करने के लिए छेड़ी गई व्यापक मुहिम ÷युद्ध नशों विरुद्ध÷ को लगातार 182वें दिन भी जारी रखते हुए, पंजाब पुलिस ने आज 360 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान राज्यभर में 53 एफआईआर दर्ज कर 65 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही, 182 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 27,663 हो गई है। इस छापेमारी के दौरान गिरफ्तार नशा तस्करों के कब्जे से 1.2 किलोग्राम हेरोइन, 650 ग्राम अफ़ीम, 150 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 600 रुपए ड्रग मनी बरामद की गई। यह ऑपरेशन पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निर्देशों पर राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में एक साथ चलाया गया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए कहा है। पंजाब सरकार ने नशा विरोधी मुहिम की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है। स्पेशल डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने जानकारी दी कि 74 गज़टेड अधिकारियों की निगरानी में 1100 से अधिक पुलिसकर्मियों वाली 120 से ज्यादा पुलिस टीमों ने पूरे राज्य में छापेमारी की। उन्होंने आगे बताया कि दिनभर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 406 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की। स्पेशल डीजीपी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा राज्य से नशा खत्म करने के लिए तीन-पक्षीय रणनीति - एन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रिवेंशन (ई डी पी) - लागू की गई है। इसके अंतर्गत पंजाब पुलिस ने 'डी-एडिक्शन' हिस्से के रूप में आज 53 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार के लिए तैयार किया है।

आबकारी और कराधान विभाग के कर्मचारियों द्वारा बाढ़ पीड़ितों के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में एक दिन का वेतन देने का निर्णय

वित्त मंत्री चीमा ने विभाग की पहल की सराहना की, कहा कि सामूहिक प्रयास ही प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की चाबी

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता प्रकट करते हुए राज्य के आबकारी और कराधान विभाग के कर्मचारियों ने सर्वसम्मति से अपना एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में देने का निर्णय लिया है। इस स्वैच्छिक योगदान का उद्देश्य पूरे राज्य में राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए वित्तीय सहायता और सहयोग प्रदान करना है। यहाँ जारी प्रेस बयान में इस बात का खुलासा करते हुए आबकारी और कराधान विभाग के सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि यह निर्णय विभाग के सभी स्तरों के कर्मचारियों द्वारा विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद करने की सामूहिक प्रतिबद्धता के तहत लिया गया है। उन्होंने बताया कि यह राशि सीधे मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा की जाएगी, जिसका उपयोग बाढ़ प्रभावित परिवारों को भोजन, चिकित्सीय सहायता और अन्य आवश्यक मदद उपलब्ध कराने के लिए किया जा रहा है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि हमारे साथियों ने संकट की इस घड़ी में अपने सहनागरिकों की मदद करने के लिए गहरी जिम्मेदारी महसूस की है। उन्होंने कहा कि यह योगदान पंजाब सरकार के चल रहे प्रयासों का समर्थन करने और पंजाब की जनता को यह संदेश देने के लिए एक छोटा किंतु दिल से किया गया कदम है कि हम उनके साथ खड़े हैं। आबकारी और कराधान विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यह पहल अन्य सरकारी विभागों और संगठनों को भी आगे आकर राहत कोष में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगी।

पंजाब में राहत कार्य जोरो पर: पिछले 24 घंटों में 4711 बाढ़ पीड़ित सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाए गए

● बाढ़ प्रभावित इलाकों से अब तक कुल 11330 व्यक्तियों को निकाला गया ● बाढ़ प्रभावित इलाकों में बनाए गए 77 राहत शिविरों में 4729 लोगों को मिला आश्रय

● एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पंजाब पुलिस और सेना की सक्रिय भागीदारी ● सर्वाधिक प्रभावित 7 ज़िलों में राहत सामग्री का सुचारू वितरण

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब सरकार की मुस्तैदी और सक्रिय भूमिका के चलते बाढ़ प्रभावित इलाकों से पिछले 24 घंटों के दौरान कुल 4711 लोगों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है। इनमें फिरोज़पुर के 812, गुरदासपुर के 2571, मोगा के 4, तरन तारन के 60, बरनाला के 25 और फाज़िल्का के 1239 निवासी शामिल हैं। विभिन्न ज़िलों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार 9 बाढ़ प्रभावित ज़िलों से अब तक 11330 लोगों को बाढ़ के पानी से बचाया गया है। इनमें फिरोज़पुर के 2819, होशियारपुर के 1052, कपूरथला के 240, गुरदासपुर के 4771, मोगा के 24, पठानकोट के 1100, तरन तारन के 60, बरनाला के 25 और फाज़िल्का के 1239 लोग शामिल हैं।

बाढ़ प्रभावित ज़िलों में बनाए गए कुल 87 राहत शिविरों में से इस समय 77 पूरी तरह संचालित हैं। इनमें कुल 4729 लोग रह रहे हैं। प्रशासन इन सभी लोगों की हर प्रकार से देखभाल कर रहा है। कपूरथला में बनाए गए 4 राहत शिविरों में 110 लोग, फिरोज़पुर के 8 शिविरों में 3450 और होशियारपुर के 20 शिविरों में 478 लोग ठहरे हुए हैं। गुरदासपुर के 22 राहत शिविरों में से 12 चालू हैं, जहाँ 255 लोग रह रहे हैं। पठानकोट के 14 शिविरों में 411 और बरनाला के 1 शिविर में 25 बाढ़ प्रभावित लोग रह रहे हैं। फाज़िल्का में 11, मोगा में 5 और अमृतसर में 2 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं।

एक प्रवक्ता ने बताया कि कपूरथला में प्रशासन की ओर से 15, 27, 28 और 29 अगस्त को राहत सामग्री का वितरण किया गया है और आवश्यकता अनुसार यह आगे भी जारी रहेगा। इसी तरह फिरोज़पुर, गुरदासपुर, मोगा, पठानकोट, फाज़िल्का और बरनाला में भी बाढ़ पीड़ितों को लगातार राहत सामग्री वितरित की जा रही है।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्थानीय लोगों के सहयोग से एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पंजाब पुलिस और सेना सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। गुरदासपुर में एनडीआरएफ की 7 टीमें, फाज़िल्का व फिरोज़पुर में 1-1 टीम और पठानकोट में 2 टीमें काम कर रही हैं। इसी तरह कपूरथला में एसडीआरएफ की 2 टीमें सक्रिय हैं। कपूरथला, गुरदासपुर, फिरोज़पुर और पठानकोट में सेना, बीएसएफ और एयरफोर्स ने भी मोर्चा संभाला हुआ है। सभी बाढ़ प्रभावित इलाकों में सिविल प्रशासन के साथ-साथ पुलिस भी लोगों की भरपूर मदद कर रही है। बाढ़ के कारण पंजाब में अब तक कुल 1018 गाँव प्रभावित हुए हैं। इनमें पठानकोट के 81, फाज़िल्का के 52, तरन तारन के 45, श्री मुक्तसर साहिब के 64, संगरूर के 22, फिरोज़पुर के 101, कपूरथला के 107, गुरदासपुर के 323, होशियारपुर के 85 और मोगा के 35 गाँव शामिल हैं।

बाढ़ के कारण पंजाब को भारी आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ा है। फसलें बर्बाद हुई हैं और पशुधन को भी नुकसान पहुँचा है। ज़िला मुख्यालयों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार फाज़िल्का ज़िले में 16632 हेक्टेयर (41099 एकड़) भूमि बाढ़ की चपेट में आई है। इसके अलावा फिरोज़पुर में 10806 हेक्टेयर, कपूरथला में 11620, पठानकोट में 7000, तरन तारन में 9928 और होशियारपुर में 5287 हेक्टेयर में फसलों को नुकसान पहुँचा है।

ट्रंप टैरिफ से कोविड स्टाइल में निपटेगी मोदी सरकार, फिर लागू हो सकती हैं लॉकडाउन वाली योजनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी।
डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी का टैरिफ लागू कर दिया है। इस टैरिफ का सीधा असर भारतीय निर्यातकों और कामगारों पर पड़ने वाला है। वहीं टैरिफ से लाखों नौकरियों पर भी खतरा मंडरा रहा है। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ बम से बचने का रास्ता मोदी सरकार ने निकाल लिया है। कोविड लॉकडाउन के दौरान जिस तरह की योजनाएं लागू की गई थीं, कुछ उसी स्टाइल में सरकार लोगों को राहत देने की योजना बना रही है। इसके अलावा अमेरिका से अलग बाजार तलाशने और ग्लोबल सप्लाई चेन के एकीकरण के लिए लंबी अवधि की रणनीतियों पर काम किया जा रहा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक दो सीनियर अधिकारियों ने बताया कि सरकार सबसे पहले नकदी की समस्या का समाधान निकालने पर विचार कर रही है। वहीं निर्यात और रोजगार बचाने के लिए सरकार कोविड स्टाइल में योनजाएं चलाना चाहती है। ट्रंप के टैरिफ की वजह से कई तरह के दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। जैसे कि भुगतान में देरी, देर से सामान का पहुंचना, ऑर्डर रद्द होना। वहीं निर्यात को बरकरार रखने के लिए नई मार्केट की जरूरत है। जब तक नई मार्केट नहीं मिलती, निर्यातकों को ऑपरेशन जारी रखने के लिए राहत देना जरूरी है।

सरकार कर सकती है राहत पैकेज का ऐलान: अधिकारियों के मुताबिक सरकार ने कोरोना लॉकडाउन के दौरान जिस तरह के राहत पैकेज का ऐलान किया था, उसी तरह के राहत पैकेज का एक बार फिर ऐलान हो सकता है। उद्योगों में नकदी की समस्या, खास तौर पर लघु और मध्यम उद्योगों के लिए इस तरह की योजनाएं जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इमर्जेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (श्वष्टरुत्रस्) जैसी योजनाओं पर फोकस करना चाहती है जो कि 100 फीसदी गारंटी के साथ बिना जमानत के लोन उपलब्ध करवा सकें। इससे लाखों छोटे और मध्यम उद्योग दीवालिया होने से बच जाएंगे। लॉकडाउन के दौरान जब 68 दिनों के लिए औद्योगिक गतिविधियां ठप हो गई थीं, तब इसी योजना ने उद्योगों को बचा लिया था।

अधिकारियों का कहना है कि मौजूदा समस्या और उसके समाधान को देखते हुए इन योजनाओं में बदलाव किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि तत्काल राहत के साथ सरकार चरणबद्ध तरीके से भी योजानाएं लागू करेगी जिससे लंबी अवधि की रणणनीति तैयार हो सके। नकदी उपलब्ध करवाने के साथ ही मौजूदा व्यापार समझौतों को मजबूत करने और नई मार्केट में अवसरों की तलाश का काम भी तेज होगा।

अधिकारियों ने कहा कि टैक्स से जुड़ी भी कई राहत देने पर सरकार विचार कर रही है। इसमें जीएसटी रिफॉर्म भी शामिल है। अगले सप्ताह होने वाली जीएसटी काउंसिल की बैठक में टैक्स घटाने से संबंधित कई फैसले हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर मजबूती की वजह से भारत की अर्थव्यवस्था को खतरा नहीं है। टैरिफ जैसे बाहरी फैक्टर भारत की अर्थव्यवस्था को ज्यादा प्रभावित नहीं कर पाएंगे। अधिकारियों ने कहा कि घरेलू उपभोग की वजह से अर्थव्यवस्ता लचीली है। निर्यात अर्थव्यवस्ता के लिए महत्वपूर्ण है लेकिन यह भारत की जीडीपी 4.12 ट्रिलियन डॉलर का छोटा हिस्सा है। निर्यात का जीडीपी में योगदान केवल 10 फीसदी यानी 438 मिलियन डॉलर का ही है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मनाया ओणम, बोलीं- हर घर में शांति

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर ओणम पर्व मनाया। इस बीच सीएम ने ओणम मनाते हुए महिलाओं के एक समूह के साथ नृत्य भी किया। ओणम दस दिनों का एक भव्य उत्सव है जो राजा महाबली की पौराणिक वापसी और केरल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव कहा जाता है। इस वर्ष यह पर्व मंगलवार 26 अगस्त से शुक्रवार 5 सितंबर तक मनाया जाएगा। उन्होंने इस संबंध में अपने इंटरनेट मीडिया के एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा, %ओणम सौहार्द, समृद्धि और कृतज्ञता का शाश्वत पर्व है। एक ऐसा अवसर जो हृदय को आनंद और एकता के बंधन में जोड़ता है। आज मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में ओणम उत्सव की उल्लासपूर्ण झलक देखने को मिली। सभी को ओणम की हार्दिक शुभकामनाएँ। यह पर्व हर घर में शांति, समृद्धि और सुख लेकर आए।% इस दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने केरल की सांस्कृतिक वेष-भूषा में आए कलाकारों का स्वागत करते हुए उनके साथ खुशियां बाटीं। साथ ही, मुख्यमंत्री के साथ पर्व मनाते हुए कलाकारों ने भी खुशी जाहिर की। इस दौरान पर्व की प्रमुखता के अनुसार, फूलों से सजे पुष्पकम बनाए गए थे। केरल की पारंपरिक वेशभूषा में बच्चों के साथ नृत्य प्रदर्शन का आनंद लिया। अपने संबोधन में, रेखा गुप्ता ने कहा, %ओणम एकता और समृद्धि का प्रतीक है। दिल्ली में सभी संस्कृतियों का सम्मान हमारी ताकत है।% उन्होंने दिल्लीवासियों को ओणम की शुभकामनाएं दीं और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ की बड़ी कार्रवाई, दो गिरफ्तार, 2 करोड़ की स्मैक जब्त

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नशा मुक्त दिल्ली के लिए जीरो टॉलरेंस नीति के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। 19 अगस्त को इंस्पेक्टर संदीप स्वामी की अगुवाई में एनआर-द्वितीय टीम ने बुरारी निवासी सौरव उर्फ आर्यन (29 वर्ष) को गिरफ्तार किया। उसके पास से 446 ग्राम स्मैक एवं हेरोइन बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये है। इसके बाद 21 अगस्त को इस ड्रग सिंडिकेट की सरगना सुरेखा उर्फ शन्नो (40 वर्ष) को उत्तम नगर से गिरफ्तार किया गया। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। दोनों पर पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि 19 अगस्त को सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर इंस्पेक्टर संदीप की अगुवाई में पुलिस टीम ने छापेमारी कर आर्यन को गिरफ्तार किया। इस ऑपरेशन को डीसीपी हर्ष इंडोरा के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। वहीं, आर्यन से मिली जानकारी के आधार पर 21 अगस्त को क्राइम ब्रांच ने ड्रग सिंडिकेट के सरगना सुरेखा उर्फ शन्नो (52 वर्ष) को उत्तम नगर के हस्तल रोड स्थित जेजे कॉलोनी के मकान संख्या ए-616 से गिरफ्तार किया। वह स्मैक की मेन सप्लायर थी। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आर्यन पहले भी मंगोलपुरी में छिनैती और सागरपुर-किरारी में अवैध शराब व्यापार में शामिल था। उस पर आठ मुकदमे दर्ज हैं। शादी के बाद वह ऑटो-रिक्शा चालक बना और शन्नो के संपर्क में आने के बाद ड्रग तस्करी करने लगा। शन्नो का भी अपराध का लंबा इतिहास है। उस पर अवैध शराब, गांजा और चरस बेचने के 16 मामले दर्ज हैं। वर्ष 2022 में जेल से रिहा होने के बाद उसने अपने बेटे आकाश के साथ मिलकर स्मैक तस्करी शुरू की। दोनों आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है।

दिल्ली में नंदू गैंग के बदमाशों का एनकाउंटर, दो शूटर के पैर में लगी गोली

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें दो शूटरों के पैर में गोली लगी है। दिल्ली पुलिस की विशेष सेल के अनुसार, जाफरपुर कलां इलाके में एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद कपिल सांगवान उर्फ ??नंदू गिरोह के दो शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों अपराधी पैर में गोली लगने के बाद घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये बदमाश छावला इलाके में एक व्यवसायी के घर पर जबरन वसूली के लिए गोलीबारी करने के मामले में वांछित थे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले, दिल्ली समेत चार राज्यों में कई आपराधिक मामले में वांछित मेवात के कुख्यात बदमाश पप्पी उर्फ पप्पू को दक्षिण-पूर्वी जिला के एसटीएफ ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था। उसके दाहिने पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और केरल पुलिस को इसकी तलाश थी। वह न केवल उत्तर भारत में सक्रिय था बल्कि दक्षिण भारत में भी अपना गिरोह फैलाना शुरू कर दिया था। इसके पास से एक पिस्टल, चार कारतूस और एक चोरी की बाइक बरामद की गई है। इसपर 65 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिसमें हत्या का प्रयास, लूट, अपहरण, झपटमारी, अप्राकृतिक यौनाचार, एनडीपीएस अधिनियम, आबकारी अधिनियम, शस्त्र अधिनियम, पुलिस टीम पर गोलीबारी, एटीएम तोड़ने, वाहन चोरी आदि शामिल हैं।

दिल्ली वालों को खूंखार कुत्तों से मिलेगी राहत, द्वारका और बिजवासन में बनेगा डॉग शेल्टर सेंटर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सड़कों से खूंखार कुत्तों को हटाकर शेल्टर होम में रखने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद से एमसीडी ने इस दिशा में प्रयास शुरू कर दिया है। उसने खूंखार कुत्तों को रखने की मौजूदा क्षमता को कुछ माह में बढ़ाकर दोगुनी करनी की तैयारी की है। अभी एमसीडी के शेल्टर होम में कुत्तों को रखने की मौजूदा क्षमता 4,000 है, जिसे कुछ माह में 8,000 तक किया जाएगा। सेक्टर 29 द्वारका व बिजवासन में डॉग शेल्टर सेंटर बनाया जाएगा। इसकी तैयारियों के मद्देनजर स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने मसूदपुर , बिजवासन और द्वारका में पांच पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) सेंटरों का निरीक्षण किया।

मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा पर महापंचायत, 350 रुपये टोल टैक्स के विरोध में जुटीं दर्जनों ग्राम पंचायतें

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा पर 350 रुपए टोल टैक्स से ग्रामीण परेशान हैं। बीते कई दिनों से इस टैक्स के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन जारी है। कई ग्राम पंचायतों ने इस टोल टैक्स के विरोध में धरना देने की चेतावनी दी थी। इसी क्रम में रविवार को सुबह से ही टोल प्लाजा पर लोगों की भीड़ जुटने लगी। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों श्वक्र2 का उद्घाटन होने के बाद से ही ग्रामीण लगातार समाधान की मांग कर रहे हैं। मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा रविवार को महापंचायत की जा रही है। इस बीच टोल प्लाजा पर दो दर्जन से अधिक गांव के ग्रामीण एकत्र हुए। इस बीच किसी भी प्रकार की अनहोनी को रोकने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। वहीं, पुलिस ने जब महापंचायत को रोकने का प्रयास किया तो ग्रामीणों ने एक सुर में इसका विरोध किया। विरोध बढ़ता देख, पुलिस को पीछे हटना पड़ा। फिलहाल, शांतिपूर्वक टोल प्लाजा पर महापंचायत की जा रही है। मुंडका-बक्करवाला टोल फ्री संघर्ष समिति के बैनर तले आज सुबह से यूइआर 2 स्थित टोल प्लाजा पर महापंचायत जारी है। पंचायत में बाहरी दिल्ली समेत दिल्ली देहात से काफी संख्या में ग्रामीण शामिल हैं। हर गांव से आए प्रतिनिधि अपनी बातें रख रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है उन्हें यह टोल किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है। हम ग्रामीणों की जमीन से गुजर रही यूईआर 2 से निकलने के लिए हम ग्रामीणों से ही टोल वसूला जा रहा है। यह हमारे साथ अन्याय है। यह टोल प्लाजा नहीं, यह लूट प्लाजा है। हम ग्रामीणों का टोल फ्री कराने तक संघर्ष जारी रहेगा। ग्रामीणों ने कहा कि टोल के आसपास गांव में हम सभी लोगों का रोजाना सगे संबंधियों के यहां आना जाना लगा रहता है। क्या एक गांव से दूसरे गांव जाने केलिए भी हमसे टोल लेंगे। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि हम किसान अलग अलग गांव में खेती करने जाते हैं। जिसमें ट्रैक्टर भी लेकर जाना होता है। लेकिन इस रोड से ट्रैक्टर के निकलने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया हुआ है। हम मांग करते हैं कि इस रोड के दिनों तरफ से सर्विस रोड का निर्माण हो, ताकि हम खेतों तक ट्रैक्टर लेकर जा सकें।

धनखड़ को अभी तक नहीं मिला सरकारी बंगला

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ इस्तीफा देने के बाद अभी भी उपराष्ट्रपति के आधिकारिक आवास में ही रह रहे हैं। उन्हें अभी तक नया सरकारी बंगला नहीं मिला है। इसकी प्रक्रिया अभी भी जारी है। इस बीच खबर आ रही है कि वह जल्द ही दक्षिण दिल्ली के छतरपुर एनक्लेव स्थित निजी आवास में शिफ्ट हो सकते हैं। आपको बता दें कि धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दिया था। 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति पद का चुनाव होना है और उससे पहले उन्हें संसद भवन परिसर के पास चर्च रोड स्थित उपराष्ट्रपति आवास खाली करना होगा।

धनखड़ पिछले वर्ष अप्रैल से उपराष्ट्रपति आवास में रह रहे थे। लेकिन अब तक उन्हें सरकारी आवास आवंटित नहीं किया गया है। नियमों के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को टाइप-8 बंगला दिया जाता है। इसका प्रबंधन आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय (डायरेक्टरेट ऑफ एस्टेट्स) करता है। सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय के अधिकारी धनखड़ से मिले थे, लेकिन अगले आवास को लेकर चर्चा आगे नहीं बढ़ पाई। ऐसे में धनखड़ ने अंतरिम व्यवस्था के रूप में छतरपुर एनक्लेव का निजी मकान चुना है।

सरकारी आवास की प्रक्रिया में वक्त लगेगा

धनखड़ के दफ्तर ने मंत्रालय को औपचारिक अनुरोध भेज दिया है। इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी एक रिपोर्ट में एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा, जब अनुरोध प्राप्त होता है तो उपलब्ध विकल्प पूर्व उपराष्ट्रपति को दिखाए जाते हैं। चयन के बाद सीपीडब्ल्यूडी जरूरी मरम्मत और संशोधन का काम शुरू करती है। इस पूरी प्रक्रिया में आमतौर पर कम से कम तीन महीने लग जाते हैं।

पेंशन की प्रक्रिया शुरू

इस बीच, धनखड़ ने राजस्थान विधानसभा सचिवालय में पूर्व विधायक पेंशन के लिए भी आवेदन किया है। वह 1993 से 1998 तक किशनगढ़ से विधायक रहे थे। सूत्रों के अनुसार, सचिवालय ने उनकी फाइल पर प्रक्रिया शुरू कर दी है। धनखड़ को पहले बतौर विधायक 35,000 रुपये मासिक पेंशन मिलती थी। नियमों के मुताबिक 70 वर्ष से अधिक आयु होने पर पेंशन में 20% की वृद्धि की जाती है। इस तरह अब उन्हें लगभग 42,000 रुपये मासिक पेंशन मिलेगी।

कई पदों से पेंशनः पूर्व उपराष्ट्रपति के तौर पर उन्हें लगभग 2 लाख रुपये मासिक पेंशन मिलेगी। इसके अलावा, झुंझुनू से सांसद (1989-91) रहने के नाते उन्हें 45,000 रुपये मासिक पेंशन भी मिलेगी। यानी विधायक पेंशन के साथ धनखड़ को तीनों पेंशन और अन्य सुविधाएं प्राप्त होंगी।

दिल्ली में खतरे के निशान से ऊपर बह रही यमुना, बाढ़ की चेतावनी के बीच 5 सितंबर तक बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश में बारिश होने और हथनी कुंड से अधिक मात्रा में पानी छोड़े जाने से दिल्ली में पिछले कई दिनों से बाढ़ का खतरा बना हुआ है। इस मानसून में यमुना तीसरी बार खतरे के निशान 205.33 मीटर के ऊपर पहुंच गई है। इससे प्रशानस की चिंता बढ़ गई है। निचले इलाके में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी जा रही है। पिछले कई दिनों से हरियाणा के हथनी कुंड से बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। शुक्रवार को प्रतिघंटे 60 हजार से 80 हजार क्यूसेक तक पानी यमुना में छोड़ा जा रहा था। हरियाणा की तरफ से अधिक पानी आने के कारण दिल्ली के वजीराबाद बैजार से भी पहले की तुलना में अधिक पानी छोड़ा जा रहा है। इससे लोहा पुल के पास नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। शुक्रवार दोपहर 12 बजे पानी 205.33 के स्तर पर पहुंच गया। शाम पांच बजे यह 205.5 मीटर के करीब पहुंच गया। इससे यमुना बाजार सहित अन्य निचले स्थानों पर लोगों के घरों में पानी भरने का खतरा बढ़ गया है। लोहा पुल के पास से शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन मार्ग पर, मयूर विहार सहित अन्य स्थानों पर राहत शिविर लगाए गए हैं। लोगों को राहत शिविर में जाने की सलाह दी जा रही है। इस मानसून में पहली बार 19 अगस्त को और उसके बाद 27 अगस्त की रात भी यमुना का पानी खतरे के निशानसे ऊपर पहुंच गया था। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है। 206 मीटर पर निचले क्षेत्र को पूरी तरह से खाली करा दिया जाता है। 14 स्थानों पर नाव से बचाव दल को तैनात किया गया है। उल्लेखनीय है कि राजधानी में में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। इस बीच, मौसम विभाग दो सितंबर तक मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। साथ ही 3 सितंबर के लिए आंधी-तूफान के साथ बारिश अनुमान जताया है।

दिल्ली के लाजपत नगर में आवारा कुत्ते पर पत्थर उठाना पड़ा भारी, डॉग लवर ने हंगामा कर दंपती को पीटा

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी जिला के लाजपत नगर में आवारा कुत्ते पर पत्थर उठाना एक दंपती के लिए भारी साबित हो गया। आरोप है कि पत्थर उठाए देखकर पड़ोस के डॉग लवर ने दंपती के साथ मारपीट कर दी। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो डॉग लवर ने जमकर हंगामा किया। इस मामले में पीड़ित पक्ष ने पुलिस को शिकायत दी है। लाजपत नगर निवासी व्यक्ति ने ने बताया कि उनका भांजा अपनी पत्नी के साथ पास में रहता है। वह दोनों शुक्रवार रात को मेरे घर आए थे। वह दोनों गली में आइसक्रीम खाने जा रहे थे। कुछ दूर जाने पर आवारा कुत्ते ने उन्हें घेर लिया। इस पर भांजे ने कुत्ते को डराने के लिए पत्थर उठाया। आरोप है कि पत्थर उठाते ही इलाके में रहने वाले डॉग लवर ने भड़क गए। वह कुत्ते को मारने की बात कह कर दंपती से मारपीट करने लगे। मामला को बढ़ता देख पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने अपने स्तर पर मामले की जांच शुरू कर दी है। उधर, आवारा कुत्तों की समस्या पर नई दिल्ली व दक्षिणी दिल्ली के आरडब्ल्यूए संगठनों ने कनॉट प्लेस के राजीव चौक सेंट्रल पार्क में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने ÷आवारा कुत्तों को हटाओ, देश बचाओ÷ जैसे नारे लगाए और सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने कहा कि 'आवारा कुत्ते सड़कों पर नहीं' नीति होनी चाहिए। ÷सुप्रीम कोर्ट का निर्णय है कि नसबंदी और टीकाकरण के बाद आवारा कुत्तों को वहीं छोड़ दिया जाए, लेकिन नसबंदी के बाद भी कुत्तों की काटने की क्षमता कम नहीं होती। आज दिल्ली की सड़कों पर लगभग 10 लाख आवारा कुत्ते हैं और रोजाना 2,000 से अधिक काटने की घटनाएं हो रही हैं। इसका जिम्मा सुप्रीम कोर्ट लेगा या वे 'कुत्ता प्रेमी' जो अपने समर्थकों को सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के खिलाफ उकसा रहे हैं। लाजपत नगर से गीता कालरा ने कहा कि उनके इलाके में कुत्तों की संख्या बहुत बढ़ गई है और रोज काटने की घटनाएं होती हैं। जब हम लोगों को खाना डालने से मना करते हैं, तो कुछ महिलाएं जो खुद को 'कुत्ता प्रेमी' कहती हैं, झगड़ा करने आ जाती हैं। लोधी गार्डन समिति के चेयरमैन टोनी ने बताया कि पहले लोधी गार्डन में केवल 10 कुत्ते थे।

दिल्ली में यूईआर-2 पर टोल के विरोध में पंचायत, आंदोलन की बनेगी रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी।
यूईआर-2 पर बने दिल्ली के पहले टोल प्लाजा (मुंडका-बक्करवाला) को लेकर खाप व सामाजिक संगठनों की ओर से रविवार को आहूत पंचायत की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा के पास होने वाली इस पंचायत में बाहरी दिल्ली के गांवों, खाप, आरडब्ल्यूए समेत विभिन्न संगठनों के नुमाइंदे टोल हटाने को लेकर प्रस्तावित आंदोलन की रणनीति को अंतिम रूप देंगे। खाप नेताओं के अलावा युवा संगठन 360 दिल्ली-एनसीआर के नेता-कार्यकर्ता दिनभर क्षेत्र में सक्रिय रहे और ग्रामीणों को कल होने वाली पंचायत का निमंत्रण दिया। मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा के विरोध आसपास के ग्रामीणों ने 27 अगस्त को विरोध-प्रदर्शन किया था और कुछ समय के लिए टोल को फ्री कर दिया गया था। ग्रामीणों का कहना था कि दिल्ली के भीतर कहीं टोल नहीं है। यही नहीं, इस टोल पर लिया जाने वाला टैक्स सर्वाधिक है। आसपास के गांव के लोगों से टोल नहीं लिया जाना चाहिए। मुंडका के विधायक गजेंद्र दराल ने प्रदर्शनकारियों से बात की और आसपास के गांव के लोगों से टोल वसूली के मसले पर मंत्री व एनएचएआइ के अधिकारियों से बात करने का आश्वासन दिया था। ग्रामीणों ने 30 अगस्त तक समय दिया था और अगले दिन पंचायत के आयोजन की बात कही थी। शनिवार को प्रस्तावित पंचायत को लेकर खाप नेता, युवा संगठन 360 दिल्ली-एनसीआर के नेता-कार्यकर्ता, आरडब्ल्यूए व अन्य संगठनों ने लोगों ने जन संपर्क किया। खाप नेता राम कुमार सोलंकी ने बताया कि सुरहेडा-18, ढासा-12, कराला-17, टीकरी-5 आदि तपों के माध्यम से लोगों से संपर्क किया गया है। इस कार्य में कई सामाजिक संगठन, आरडब्लयूए भी लगे हैं। युवा संगठन 360 से जुड़े नेता विजय मान ने बताया कि कल की पंचायत का मंच पूरी तरह से सामाजिक होगा, अगर गांव के लोगों के समर्थन में कोई राजनीतिक व्यक्ति आना चाहता है तो आ सकता है। लेकिन, इस मंच पर राजनीतिक बातें करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। मा.जगबीर सिंह ने कहा कि दिल्ली में जितने भी बने हैं वे सीमा पर हैं। यह दिल्ली की सीमा के भीतर बनाया गया है। आसपास के गांव के लोगों से टोल वसूली गलत है। यहां के लोगों ने यूईआर-2 के लिए अपनी जमीन दी हैं। यूईआर के लिए सरकार ने हमारी जमीन कौड़ियों के भाव ली है। अब हमसे ही भारी-भरकम टोल टैक्स वसूला जा रहा है। यह सरासर गलत है और गांव के लोगों के लिए टोल फ्री होना ही चाहिए। दिल्ली की सीमा के भीतर टोल नहीं लिया जाना चाहिए। हमारे यहां से बक्करवाल केवल चार-पांच किलोमीटर दूर है। हमें शादी और रिश्तेदारी के लिए बक्करवाला भी जाना पड़ता है, नज़फगढ़ भी जाना पड़ता है। हर दूसरे-तीसरे दिन आना-जाना रहता है, हम लोग कितनी बार टोल देंगे। दिल्ली में कहीं भी टोल टैक्स नहीं है और यह पहला टोल टैक्स है, जिसे यहां नहीं होना चाहिए। अगर है, तो हमारे दस से पंद्रह किलोमीटर की सीमा के सभी गांवों का टोल फ्री होना चाहिए। जैसा कि अन्य राज्यों में आसपास के गांवों को छूट दी जाती है। दिल्ली में टोल होना ही नहीं चाहिए। आसपास के रोड खराब है और मजबूरन यूईआर-2 से नजफगढ़ की ओर जाना पड़ता है तो टोल देना पड़ेगा। जबकि हमारा गांव टोल से चार से पांच किलोमीटर के दायरे में है। हमें उम्मीद थी कि जब यह हाइवे बनेगा और हमें सुविधा मिलेगी। लेकिन सरकार ने भारी-भरकम टोल लगा दिया। हमारी जमीन इतनी सस्ती ली और अब हमसे ही मोटा टोल टैक्स लिया जा रहा है। यह टोल टैक्स खत्म होना चाहिए। मैं मुंडका गांव का निवासी हूं और मेरे गांव से करीबन एक से दो किलोमीटर की दूरी पर टोल प्लाजा है। मैं कैब ड्राइवर हूं और मुझे बक्करवाला और बापरौला की ओर जाना होता है। ऐसे में मुझे हर बार टैक्स देना पड़ता है। मेरा इतना वेतन नहीं है कि रोजाना इतना टोल दे सकूं। इसलिए यह टोल माफ होना चाहिए।

संपादकीय

पहले से हो तैयारी

हिमालय क्षेत्र इस समय भयानक तबाही के दौर से गुजर रहा है। उत्तराखंड से लेकर जम्मू-कश्मीर तक, नदियां उफान पर हैं, पहाड़ दरक रहे हैं और जिंदगियां दांव पर लगी हैं। ये आपदाएं और जानमाल का नुकसान गंभीर चेतावनी है।

जम्मू में वैष्णो देवी धाम के पास हुए लैंडस्लाइड में मृतकों की संख्या 32 तक जा पहुंची है। यात्रा रोकनी पड़ी है और फंसे हुए यात्रियों को निकाल कर सुरक्षित घर पहुंचाने की कोशिश जारी है। जम्मू ने केवल 20 घंटों में ही 10 साल की सबसे ज्यादा बारिश देख ली। राज्य के कई हिस्सों में कमोबेश ऐसे ही हालात हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ङ्ग पर बताया कि भारी बारिश से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है।

इस मॉनसून सीजन में यह सीन बार-बार दिख रहा है। इसी महीने की शुरुआत में उत्तराखंड के धराली में बादल फटने के बाद आए फ्लैश फ्लड ने पूरे कस्बे को तबाह कर दिया। फिर चमोली के थराली में आफत बरसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में एक बार पहले भी, इसी 14 तारीख को बादल फटने से भारी तबाही मची थी। मचैल माता यात्रा के रास्ते पर आई प्राकृतिक आपदा की वजह से जन-धन की हानि हुई थी।

इन घटनाओं पर गौर करें तो आपदाओं में जान गंवाने वालों में बड़ी तादाद पर्यटकों की रही। धराली, उत्तराखंड के चार धाम में से एक, गंगोत्री के रूट पर पड़ता है। इसी तरह वैष्णो देवी के दर्शन के लिए सालभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। ये हादसे सबक हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में मौजूद भीड़भाड़ वाले पर्यटन और धार्मिक क्षेत्रों में ऐसे इंतजाम करने की जरूरत है, जिससे किसी अनहोनी की सूरत में लोगों को तुरंत निकाला जा सके।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। इसके लिए अर्ली वॉर्निंग सिस्टम को बेहतर करने की जरूरत है। बाढ़ और भूस्खलन के खतरे वाले इलाकों में लगातार निगरानी से खतरों की पूर्व सूचना मिल सकती है। मॉनसून के सीजन में पहाड़ों की यात्रा वैसे भी मुश्किल भरी हो जाती है, तो इस मौसम में यात्रियों की संख्या सीमित करने पर विचार किया जा सकता है।

मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट दिया है। दूसरे राज्यों के पर्यटक और श्रद्धालु अब भी विभिन्न जगहों पर फंसे हुए हैं। अभी इन सभी की सुरक्षित घर वापसी और राहत-बचाव पर फोकस होना चाहिए। साथ में, ऐसी नीतियों की जरूरत है, जिसमें पहाड़ों की संवेदनशीलता का ख्याल रखा गया हो।

संवैधानिक कसौटी और समानता का सवालः संविधान के अनुच्छेद 14 सभी को समानता का अधिकार देते हैं, अनुच्छेद 15(3) महिलाओं और बच्चों को विशेष संरक्षण प्रदान करता है और अनुच्छेद 21 हर नागरिक को गरिमा और जीवन का अधिकार सुनिश्चित करता है। ये अधिकार धर्म या परंपरा पर निर्भर नहीं हैं। जब हिंदू, सिख, ईसाई, बौद्ध या पारसी बच्चियों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष है, लेकिन मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत इसे 15 या 16 वर्ष में वैध ठहराया जाता है, तो यह नागरिकता की समानता के सिद्धांत पर सीधा आघात है।

बच्चियों की सुरक्षा, न्यायालय और पर्सनल लॉ : जरूरी है समान नागरिकता

डॉ. निवेदिता शर्मा

भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के सामने इस समय सबसे गंभीर सवाल यह है कि क्या देश की बच्चियों और बच्चों की सुरक्षा उनकी धार्मिक पहचान और पर्सनल लॉ से तय होगी या फिर संविधान और संसद द्वारा बनाए गए कानून सभी पर समान रूप से लागू होंगे। यह सवाल केवल कानूनी तकनीक या न्यायिक व्याख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के भविष्य और राष्ट्र की दिशा तय करने वाला है। हाल के वर्षों में विभिन्न उच्च न्यायालयों ने मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला देते हुए यह कहा कि यदि कोई मुस्लिम लड़की यौवन प्राप्त कर चुकी है तो उसका विवाह, भले ही वह 18 वर्ष से कम उम्र की हो, वैध माना जाएगा। इन निर्णयों के पीछे तर्क दिया गया कि शरीयत के अनुसार यौवन विवाह की क्षमता प्रदान करता है। परंतु यह व्याख्या बच्चों के अधिकारों, संसद द्वारा बनाए गए पॉक्सो कानून और संविधान के मूलभूत सिद्धांतों को सीधी चुनौती देती है।

संसद ने 2012 में बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए पॉक्सो अधिनियम पारित किया। इसमें साफ-साफ परिभाषा दी गई कि 18 वर्ष से कम उम्र का हर व्यक्ति बच्चा है और उसके साथ किसी भी प्रकार का यौन संबंध अपराध है, चाहे वह विवाह के नाम पर ही क्यों न हो। जब अदालतें पर्सनल लॉ के आधार पर इस प्रावधान को दरकिनार करती हैं, तो केवल कानून का उल्लंघन नहीं होता, बल्कि यह एक ऐसी दोहरी व्यवस्था पैदा करता है, जो संविधान की समानता की गारंटी को कमजोर करती है।

संवैधानिक कसौटी और समानता का सवालः संविधान के अनुच्छेद 14 सभी को समानता का अधिकार देते हैं, अनुच्छेद 15(3) महिलाओं और बच्चों को विशेष संरक्षण प्रदान करता है और अनुच्छेद 21 हर नागरिक को गरिमा और जीवन का अधिकार सुनिश्चित करता है। ये अधिकार धर्म या परंपरा पर निर्भर नहीं हैं। जब हिंदू, सिख, ईसाई, बौद्ध या पारसी बच्चियों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष है, लेकिन मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत इसे 15 या 16 वर्ष में वैध ठहराया जाता है, तो यह नागरिकता की समानता के सिद्धांत पर सीधा आघात है। राष्ट तभी ÷एक कानून, एक सुरक्षा÷ की दिशा में आगे बढ़ सकता है, जब सभी बच्चियों को उनकी धार्मिक पहचान से परे समान सुरक्षा मिले। अन्यथा भारत दोहरी व्यवस्था वाला देश बन जाता है, जहाँ एक समुदाय की बेटी को राज्य का संरक्षण मिलता है और दूसरी बेटी उसी उम्र में ÷वैवाहिक बंधन÷ के नाम पर असुरक्षित छोड़ दी जाती है।

विधिक ढांचा और न्यायालयों की व्याख्याः देश में बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 और पॉक्सो अधिनियम, 2012 दोनों स्पष्ट रूप से 18 वर्ष की आयु से पहले विवाह और यौन संबंधों को अपराध घोषित करते हैं। इतना ही नहीं, उच्चतम न्यायालय ने 2017 में इंडिपेंडेंट थॉट बनाम यूनियन ऑफ इंडिया के ऐतिहासिक फैसले में कहा कि यदि पत्नी की आयु 18 वर्ष से कम है तो उसके साथ यौन संबंध बलात्कार के समान अपराध होगा। इस फैसले ने परंपरा को बच्चों की सुरक्षा से ऊपर रखने से इनकार किया और संविधान की सर्वोच्चता को स्थापित किया। बावजूद इसके, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय जैसे कुछ न्यायालयों ने मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला देकर नाबालिग विवाह को मान्यता दी। वहीं, दिल्ली और केरल उच्च न्यायालय ने साफ कहा कि पॉक्सो सभी व्यक्तिगत कानूनों से ऊपर है। यह विरोधाभास अपने आप में इस आवश्यकता को रेखांकित करता है कि अब सर्वोच्च न्यायालय को संविधान पीठ गठित कर स्पष्ट और सर्वमान्य निर्णय देना चाहिए।

एनसीपीसीआर और न्यायपालिका का रुखः बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए संसद ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) बनाया। यही संस्था जब सुप्रीम कोर्ट में पहुंची तो उसकी याचिका को यह कहकर खारिज कर दिया गया कि वह ÷अजनबी÷ है और मामले में उसकी लोकस स्टैंडी नहीं है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। अगर बच्चों की वैधानिक संरक्षक संस्था को ही न्यायपालिका सुनने को तैयार न हो, तो फिर बच्चियों की आवाज कौन उठाएगा? संसद को चाहिए कि वह एनसीपीसीआर को यह अधिकार स्पष्ट रूप से प्रदान करे कि वह सीधे सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में बच्चों के अधिकारों से जुड़े मामलों में हस्तक्षेप कर सके।

बाल विवाह आज भी सामाजिक चुनौतीः यह प्रश्न अक्सर मुस्लिम पर्सनल लॉ तक सीमित कर दिया जाता है, लेकिन सचाई यह है कि बाल विवाह पूरे देश में एक व्यापक सामाजिक समस्या है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के अनुसार भारत में 23 प्रतिशत लड़कियां 18 वर्ष से पहले विवाह कर लेती हैं। ग्रामीण इलाकों में यह दर और अधिक है। पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और असम जैसे राज्यों में बाल विवाह की दर 30 प्रतिशत से ऊपर है। इन आँकड़ों से साफ है कि समस्या किसी एक धर्म या समुदाय की नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना और पिछड़ेपन से जुड़ी है। लेकिन जब न्यायालय पर्सनल लॉ के आधार पर बाल विवाह को वैध ठहराते हैं, तो यह सामाजिक समस्या और गहरी हो जाती है।

अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य और भारत की प्रतिबद्धताः भारत ने संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार संधि (यूएनसीआरसी) पर 1992 में हस्ताक्षर किए। इस संधि के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु का हर व्यक्ति बच्चा है और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य का दायित्व है। भारत ने सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी-5.3) के तहत 2030 तक बाल विवाह समाप्त करने का संकल्प भी लिया है। महत्वपूर्ण यह है कि कई मुस्लिम-बहुल देशों जैसे इंडोनेशिया, मलेशिया और बांग्लादेश ने विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तय की है। बांग्लादेश ने 2017 में बाल विवाह निषेध अधिनियम लाकर नाबालिग विवाह को अपराध घोषित किया। यह स्पष्ट करता है कि यह धर्म का नहीं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा और सामाजिक सुधार का वैश्विक एजेंडा है।

मुस्लिम समाज के भीतर सुधार की आवाजः मुस्लिम समाज के भीतर भी बड़ी संख्या में लोग बाल विवाह का विरोध कर रहे हैं। अनेक मुस्लिम महिला संगठन और सामाजिक कार्यकर्ता इस बात पर जोर देते हैं कि इस्लाम बाल विवाह को बढ़ावा नहीं देता। पैगंबर मोहम्मद की शिक्षाओं में विवाह परिपक्वता और सहमति पर आधारित बताया गया है, न कि केवल शारीरिक यौवन पर। इसलिए सुधार की मांग बाहर से थोपी हुई नहीं, बल्कि समुदाय के भीतर से भी आ रही है। कम उम्र में विवाह केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि इसके सामाजिक और स्वास्थ्य पर दूरगामी दुष्परिणाम होते हैं। किशोरावस्था में गर्भधारण से मातृ मृत्यु दर कई गुना बढ़ जाती है। जल्दी विवाह से बच्चियों की शिक्षा अधूरी रह जाती है और आत्मनिर्भर बनने का सपना टूट जाता है। नाबालिग मातृत्व से जनसंख्या वृद्धि की गति तेज होती है, जिससे संसाधनों पर बोझ बढ़ता है। खेल, शिक्षा, कला और विज्ञान में संभावित प्रतिभाएँ असमय विवाह के कारण घर की चारदीवारी तक सीमित हो जाती हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर पड़ता है। जल्दी विवाह करने वाली बच्चियों में अवसाद और आत्महत्या की प्रवृत्ति अधिक पाई जाती है।

उच्चतम न्यायालय का हस्तक्षेप आवश्यकः पॉक्सो अधिनियम में 2019 के संशोधन द्वारा कठोर दंड प्रावधान किए गए, जिनमें नाबालिगों के साथ बलात्कार पर मृत्युदंड तक का प्रावधान है। यह संकेत है कि संसद और सरकार दोनों बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर हैं। लेकिन यदि अदालतें पर्सनल लॉ का हवाला देकर इन प्रावधानों को निष्प्रभावी बना दें, तो यह सख्ती केवल कागज पर रह जाएगी। अब समय आ गया है कि उच्चतम न्यायालय संविधान पीठ गठित कर यह स्पष्ट करे कि पॉक्सो और बाल विवाह निषेध अधिनियम सभी व्यक्तिगत कानूनों से ऊपर हैं। संसद को भी चाहिए कि पॉक्सो अधिनियम में एक स्पष्ट प्रावधान जोड़ा जाए, जो बच्चों की सुरक्षा को सभी पर्सनल लॉ से ऊपर रखे। साथ ही, एनसीपीसीआर जैसी संस्थाओं को न्यायपालिका में सीधे जाने का अधिकार दिया जाए। भारत को यह संदेश स्पष्ट रूप से देना होगा कि बच्चियों की सुरक्षा, शिक्षा और गरिमा ही असली राष्ट्र धर्म है। कोई भी परंपरा, पर्सनल लॉ या सामाजिक प्रथा बच्चियों के अधिकारों से ऊपर नहीं हो सकती।

कम उम्र में विवाह केवल एक लड़की का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का भविष्य बर्बाद करता है। वह बच्ची, जो कल वैज्ञानिक, चिकित्सक, नेता या शिक्षक बन सकती थी, असमय विवाह के कारण अपने सपनों और प्रतिभा से वंचित हो जाती है। यदि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है तो हर बच्ची को 18 वर्ष तक सुरक्षित, शिक्षित और स्वतंत्र भविष्य गढ़ने का अवसर देना होगा। यही संविधान की आत्मा है, यही सभ्यता का मर्म है और यही राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मार्ग भी है।

बिहार की कानून व्यवस्था और 243 सीटों को लेकर चिराग पासवान के बोल- सिर्फ बयान या भविष्य की राजनीति का संकेत ?

संतोष कुमार पाठक

चिराग पासवान के विरोधाभासी बयानों ने बिहार की राजनीति को उलझा दिया है। जरा उनके और उनके बहनोई एवं लोकसभा सांसद अरुण भारती के कुछ बयानों पर नजर डालिए। एक तरफ जहां चिराग कह रहे हैं कि बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं है तो दूसरी तरफ वह खुद विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं।

बिहार में राजद नेता तेजस्वी यादव से लेकर विपक्षी गठबंधन में शामिल तमाम राजनीतिक दल राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर नीतीश कुमार की सरकार पर जमकर निशाना साध रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बिहार की जनता को लालू यादव-राबड़ी देवी के जंगलराज की लगातार याद दिला रहे जेडीयू और भाजपा के नेता सरकार के पक्ष में तर्क दे रहे हैं।

लेकिन एनडीए गठबंधन में शामिल और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री चिराग पासवान के बयान ने एनडीए गठबंधन में खासकर जेडीयू नेताओं में खलबली मचा दी है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मुखिया एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार की राजधानी पटना के पॉश इलाके में एक बड़े कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या को लेकर अपनी ही गठबंधन सरकार पर जमकर निशाना साधा है। चिराग पासवान ने बहुत ही तल्ख अंदाज में इस हत्या को चिंताजनक बताते हुए कहा कि यह हत्याकांड इस बात का संकेत है कि बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। चिराग की पार्टी ने उनके बयान के वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर भी किया। चिराग ने नीतीश सरकार पर सीधा-सीधा हमला बोलते हुए कहा, ÷ जिस तरह से बिहार में अपराध बढ़ा है और कानून-व्यवस्था जिस तरह से ध्वस्त हुई है, यह चिंता का विषय है। मैं केवल एक व्यापारी की हत्या को लेकर नहीं कह रहा हूं हालांकि यह भी चिंता का विषय है क्योंकि ऐसी जगह पर यह घटना घटी है जो पटना का एक पॉश इलाका है। 100 मीटर की दूरी पर जहां थाना है और अधिकारियों के घर हैं। यदि यहां पर ऐसी घटना घट रही है तो सोचिए गांव-देहात में क्या हो रहा होगा? अगर बिहार में एक भी हत्या होती है तो सरकार और प्रशासन के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। कहां चूक हुई है, इसे हमें सुधारना होगा और कड़ी से कड़ी कार्रवाई करके हमें एक उदाहरण देना होगा ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं ना घटे।÷ चिराग पासवान का यह बयान विपक्षी नेताओं के बयानों को और ज्यादा मजबूती देता हुआ नजर आता है कि लालू-राबड़ी के जंगलराज की बात करने वाले नीतीश कुमार बिहार की कानून व्यवस्था को नहीं संभाल पा रहे हैं,अपराधी बेखौफ हो चुके हैं और सुशासन पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल तो यही खड़ा हो रहा है कि आखिर केंद्र सरकार में मंत्री चिराग पासवान के बयान के मायने क्या है? वह चाहते क्या हैं? यह कोई पहला मौका नहीं है जब चिराग पासवान ने अपने बयान से बिहार की नीतीश सरकार के लिए असहज स्थिति पैदा की हो। इससे पहले भी वो लगातार कई मौकों पर बिहार की कानून व्यवस्था को ध्वस्त बता चुके हैं।

बिहार में इसी वर्ष अक्टूबर-नवंबर में होने वाले संभावित विधानसभा चुनाव को लेकर भी चिराग पासवान ने एनडीए गठबंधन के सामने दुविधा की स्थिति पैदा कर रखी है। एक तरफ वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आधिकारिक आवास पर सीट बंटवारे को लेकर हुई बैठक में शामिल होते हैं, लगातार एनडीए गठबंधन को चुनाव में विजयी बनाने की बात करते हैं, बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं होने की बात कहते हैं तो वहीं दूसरी तरफ बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा करते हैं।

चिराग पासवान के विरोधाभासी बयानों ने बिहार की राजनीति को उलझा दिया है। जरा उनके और उनके बहनोई एवं लोकसभा सांसद अरुण भारती के कुछ बयानों पर नजर डालिए। एक तरफ जहां चिराग कह रहे हैं कि बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं है तो दूसरी तरफ वह खुद विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। इतना ही नहीं वह बिहार को विकसित बिहार बनाने के लिए बिहार जाने की बात कर रहे हैं। छपरा में एक बार फिर उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने की बात को दोहराते हुए कहा कि, ÷आज सारण की इस पावन धरती से, आप सबके सामने मैं यह कहकर जा रहा हूं कि हां, मैं चुनाव लड़ूंगा। मैं चुनाव लड़ूंगा बिहारियों के लिए, अपने भाइयों के लिए, अपनी माताओं के लिए, अपनी बहनों के लिए और बिहार में एक ऐसी व्यवस्था तैयार करेंगे, एक ऐसा बिहार बनाएंगे जो सही मायनों में प्रदेश को विकास की राह पर आगे ले जाएगा।÷ इससे पहले उनके बहनोई एवं लोकसभा सांसद अरुण भारती एक वीडियो जारी कर चिराग पासवान के शाहाबाद क्षेत्र से चुनाव लड़ने का संकेत दे चुके हैं। अरुण भारती को चिराग पासवान ने पार्टी का चीफ व्हिप भी बनाया हुआ है और वह लगातार यह भी बयान दे रहे हैं कि बिहार चिराग पासवान को बुला रहा है। ऐसे में सवाल यह खड़ा हो रहा है कि अगर बिहार एनडीए गठबंधन में शामिल चिराग पासवान को बुला रहा है (बकौल लोजपा नेता) तो फिर नीतीश कुमार कहां जाएंगे ? और अगर बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं है (जैसा कि चिराग पासवान ने स्वयं कई बार कहा है) तो क्या वह केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री का पद और सांसदी सिर्फ एक विधायक बनने के लिए छोड़ेंगे ? उनकी पार्टी को एनडीए गठबंधन में किसी भी सूरत में 30 से ज्यादा सीटें नहीं मिलने वाली है, यह जानने के बावजूद एक तरफ जहां चिराग पासवान बिहार की सभी 243 सीटों पर लड़ने का दावा कर रहे हैं तो साथ ही एनडीए गठबंधन को जीत दिलाने की भी बात कह रहे हैं।

साफ जाहिर हो रहा है कि चिराग पासवान बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर या तो स्वयं कंफ्यूज हैं या फिर अंतिम समय तक बीजेपी और जेडीयू को दुविधा में रखना चाहते हैं। क्योंकि अगर गठबंधन में सिर्फ ज्यादा से ज्यादा सीटें हासिल करने के लिए वह इस तरह का विरोधाभासी बयान दे रहे हैं तो फिर लॉन्ग टर्म में इसका खामियाजा उन्हें ही उठाना पड़ सकता है। लेकिन चिराग ने अपने बयानों से बिहार में ऐसे हालात जरूर पैदा कर दिए हैं कि उनके सहयोगी उन्हें शंका और विरोधी उम्मीद की नजरों से देख रहे हैं।

कोई माने या ना माने, कांग्रेस का दिल तो मुसलमानों के लिए धड़कता है !

अरशद मदनी ने यह बयान किसी सामान्य मौके पर नहीं, बल्कि एक सभा में दिया। उनका यह दावा केवल अतीत का किस्सा नहीं बल्कि वर्तमान की राजनीति पर भी तीखा प्रहार है। भाजपा ने इसे हाथोंहाथ लिया और कांग्रेस पर एक बार फिर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाया है। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस बयान का जवाब उसी तेवर में दिया, जिसके लिए वे जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पहले ही उन्हें धमकी दे चुके थे और अब मदनी ने चेतावनी दी है। 'जितनी ज्यादा धमकी दोगे, उतना ही ज्यादा असम के लोग उठ खड़े होंगे और मुकाबला करेंगे।'

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

असम की राजनीति में अचानक एक 'लेटर बम' फूटा है। जमीयत-उलेमा-ए-हिंद (ए) के प्रमुख अरशद मदनी ने दावा किया कि उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को एक चिट्ठी लिखी थी। उस चिट्ठी में उन्होंने साफ आग्रह किया था कि हिमंता बिस्वा सरमा को कांग्रेस से टिकट न दिया जाए, क्योंकि वे ÷आरएसएस मानसिकता वाले÷ हैं और असम में आग लगाने का काम कर सकते हैं। वस्तुतः अब इस बयान को सुनते ही राजनीति गरमा उठी है। दरअसल, मदनी के इस कथन ने सीधे-सीधे कांग्रेस की टिकट वितरण प्रक्रिया पर सवाल खड़ा कर दिया। क्या कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल का टिकट इस तरह धार्मिक संगठनों या मौलवियों की सिफारिशों पर निर्भर करता है? और अगर ऐसा है तो कांग्रेस में मेहनत कर रहे हिंदू कार्यकर्ताओं की स्थिति क्या होगी? ये प्रश्न अचानक पूरे देश की बहस का हिस्सा बन गया है।

अरशद मदनी ने यह बयान किसी सामान्य मौके पर नहीं, बल्कि एक सभा में दिया। उनका यह दावा केवल अतीत का किस्सा नहीं बल्कि वर्तमान की राजनीति पर भी तीखा प्रहार है। भाजपा ने इसे हाथोंहाथ लिया और कांग्रेस पर एक बार फिर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाया है। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस बयान का जवाब उसी तेवर में दिया, जिसके लिए वे जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पहले ही उन्हें धमकी दे चुके थे और अब मदनी ने चेतावनी दी है। ÷जितनी ज्यादा धमकी दोगे, उतना ही ज्यादा असम के लोग उठ खड़े होंगे और मुकाबला करेंगे।÷ सरमा ने साफ कहा कि वे अवैध रूप से बसे लोगों को बेदखल करना जारी रखेंगे और मूल निवासियों के भूमि अधिकार सुरक्षित करेंगे। उन्होंने मदनी और राहुल गांधी दोनों को असम के लोगों से लड़ने की चुनौती दी और ऐलान किया कि ÷हम उन्हें हरा देंगे।÷

असल में मदनी का यह बयान उस पृष्ठभूमि में आया है जब असम में बेदखली अभियानों पर जमीयत और भाजपा सरकार आमने-सामने हैं। पिछले कुछ महीनों में गोलपाड़ा, धुबरी और नलबाड़ी जिलों में हजारों परिवारों को बेदखल किया गया है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक लगभग 8,000 से ज्यादा परिवार प्रभावित हुए हैं। जमीयत का दावा है कि 50,000 से ज्यादा लोग बेघर हो गए। जमीयत ने राष्ट्रपति और उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तक को पत्र लिखकर इस अभियान को रोकने की मांग की है। यहां तक कि जमीयत ने प्रभावित परिवारों के लिए अस्थायी आश्रय भी लगाए और राहत सामग्री भी बांटी।

असम सरकार का तर्क है कि ये अभियान अवैध कब्जों को हटाने और मूल निवासियों के अधिकार सुरक्षित करने के लिए हैं। मुख्यमंत्री सरमा का कहना है कि बांग्लादेश से आए अवैध घुसपैठिये जमीन पर कब्जा कर रहे हैं और असम की अस्मिता के लिए यह खतरा है। यही कारण है कि वे इसे किसी भी कीमत पर रोकने के पक्ष में नहीं हैं। जमीयत और सरमा सरकार की यह भिड़ंत केवल बेदखली तक सीमित नहीं रही। अरशद मदनी ने जब बेदखली अभियानों की तुलना गाजा से की, तो भाजपा ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी तक की मांग कर डाली। भाजपा का कहना था कि इस तरह का बयान असमिया जनता की भावनाओं को आहत करता है। सरमा ने भी मदनी और उनके गुटों को "irrelevant" करार देते हुए कहा कि असम की राजनीति इन्हीं पुराने मजहबी संगठनों की दया पर नहीं चल सकती।

यही नहीं, असम की जमीन और पहचान पर हाल में कई विवादास्पद बयान आए। महिला अधिकार कार्यकर्ता और पूर्व योजना आयोग सदस्य सैयदा हामीद ने कहा कि ÷सारी जमीन अल्लाह की है।÷ इस पर सरमा ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई और इसे राष्ट्रविरोधी मानसिकता बताया। उन्होंने कहा कि यह अवैध प्रवासियों को वैध ठहराने की कोशिश है। उधर, ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) ने भी अवैध प्रवास और सीएए-एनआरसी जैसे मुद्दों को लेकर बड़ा आंदोलन खड़ा करने की घोषणा की है। उन्होंने भूख हड़ताल, मशाल जुलूस और मानव श्रृंखला जैसे कार्यक्रमों की घोषणा की है। यह संकेत है कि असम में जमीन, पहचान और नागरिकता का सवाल चुनावी राजनीति से कहीं ज्यादा गहराई से समाज की नसों में बैठा हुआ है।

इस पूरे प्रकरण का एक बड़ा राजनीतिक अर्थ यह है कि कांग्रेस की छवि एक बार फिर ÷मुस्लिम तुष्टिकरण÷ वाली पार्टी के रूप में सामने आई है। मदनी ने जो बोला है उससे तो आज यही समझ आता है कि कांग्रेस का टिकट वितरण मौलवियों और मजहबी नेताओं की इच्छा पर निर्भर है। निश्चित ही यह कांग्रेस के लिए ही नहीं स्वस्थ लोकतंत्र के लिए भी खतरे की घंटी है। यदि कांग्रेस सचमुच किसी मौलाना के दबाव में टिकट देती है, तो यह पार्टी के भीतर लोकतंत्र पर उठता बड़ा सवाल है। कांग्रेस के हिंदू कार्यकर्ताओं को यह संदेश जाता है कि उनकी वर्षों की मेहनत, संघर्ष और निष्ठा का कोई महत्व नहीं, क्योंकि अंततः टिकट का फैसला किसी बाहरी मजहबी संगठन की सिफारिश से तय होता है। यहां यह याद रखना जरूरी है कि हिमंता बिस्वा सरमा खुद कभी कांग्रेस में थे। 2014 में उन्होंने तरुण गोगोई से मतभेदों के चलते पार्टी छोड़ी और 2015 में भाजपा में शामिल हुए। 2016 में वे फिर से विधानसभा पहुंचे और सर्बानंद सोनोवाल की सरकार में मंत्री बने। 2021 में वे असम के मुख्यमंत्री बने। यानी कांग्रेस ने एक ऐसे नेता को गंवा दिया, जो आज भाजपा की राजनीति का सबसे ताकतवर चेहरा है। अगर मदनी की चिट्ठी और दबाव ने वाकई सरमा की टिकट पर असर डाला था, तो कांग्रेस का नुकसान कितना बड़ा हुआ, यह आज साफ दिखता है। इस परिदृश्य का निचोड़ यही है कि अरशद मदनी का बयान कांग्रेस के लिए केवल एक विवादित वक्तव्य नहीं, बल्कि पार्टी की कार्यप्रणाली पर गहरी चोट है। यह सवाल खड़ा करता है कि क्या कांग्रेस के टिकट वास्तव में लोकतांत्रिक प्रक्रिया से तय होते हैं या फिर बाहरी धार्मिक संगठनों की पसंद-नापसंद से? अगर कांग्रेस इस पर स्पष्ट और ठोस जवाब नहीं देती, तो यह स्पष्ट है कि कांग्रेस पर लगने वाले तमाम तुष्टीकरण के आरोप सच ही हैं। असम जैसे संवेदनशील राज्य में, जहां अवैध प्रवास, नागरिकता और भूमि का मुद्दा दशकों से राजनीति का केंद्र रहा है, वहां कांग्रेस का यह कमजोर पड़ता रुख बता रहा है कि आज यहां जो इस तरह की समस्याएं हैं, इन सभी का जिम्मेदार यदि कोई है तो वह कांग्रेस ही है। फिलहाल तो यही समझ आ रहा है कि अरशद मदनी के 'लेटर बम' ने कांग्रेस की असल सच्चाई सामने लाकर रख दी है। बहुसंख्यक हिन्दू समाज के दम पर सत्ता में आने वाली कांग्रेस का दिल मुसलमानों के लिए धड़कता है, कहना होगा कि एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कहीं से भी यह अच्छी स्थिति नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

गोपेश्वर जिला अस्पताल में प्रसव के दौरान महिला की मौत, वेंटिलेटर पर नवजात, परिजनों का हंगामा

गोपेश्वर (चमोली) , एजेंसी। गोपेश्वर के जिला अस्पताल में एक महिला को प्रसव के लिए लाया गया, लेकिन इस दौरान महिला की जान चली गई। गोपेश्वर जिला अस्पताल में प्रसव के दौरान एक महिला की मौत हो गई। जबकि नवजात को वेंटिलेटर पर रखा गया है। घटना की सूचना मिलने पर क्षेत्र के लोग अस्पताल में पहुंचे और उन्होंने इसे अस्पताल प्रशासन की लापरवाही बताकर हंगामा शुरू कर दिया। बता दें कि बछेर गांव की मीना देवी (30) पत्नी प्रदीप सिंह को शनिवार को प्रसव पीड़ा के दौरान जिला अस्पताल लाया गया। चिकित्सकों ने रात को ही प्रसव की तैयारियां शुरू कर दी थी। महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. अमृता ने बताया कि तड़के करीब साढ़े तीन बजे मीना देवी का प्रसव के दौरान ब्लड प्रेशर बढ़ गया था और उसे दौरे पड़ने लगे। बीपी कंट्रोल नहीं हो पा रहा था। प्रसव होने के करीब आधा घंटे बाद मीना देवी की मौत हो गई थी। उसे बचाने की बहुत कोशिश की गई, लेकिन बचाया नहीं जा सका। मौके पर पहुंचे सीएमओ डॉ. अभिषेक गुप्ता और डीएसपी अमित सैनी ने लोगों को मामले की जांच करने का आश्वासन दिया। साथ ही पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी करने का आश्वासन दिया। जिसके बाद लोग शांत हुए।

पति और सास, देवर पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

बहादराबाद, एजेंसी। थाना क्षेत्र की एक विवाहिता के साथ दहेज की मांग को लेकर मारपीट और जान से मारने की कोशिश का मामला सामने आया है। आरोप है कि पति और ससुराल पक्ष के लोगों ने विवाहिता से पांच लाख लाने की मांग की और मना करने पर बेरहमी से पीटा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पूजा शर्मा निवासी रोहालकी किशनपुर ने तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी 29 अप्रैल 2018 को मनीष शर्मा निवासी जट बहादरपुर के साथ हुई थी। कुछ समय तक पति और ससुराल वाले ठीक रहे, लेकिन फिर इसके बाद उनके व्यवहार में परिवर्तन आ गया। आरोप लगाया कि पति और ससुराल वालों ने उस पर मायके से पांच लाख रुपये लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। आरोप है कि रुपये न लाने पर उसके पति मनीष, सास अनीता और देवर दुर्गेश ने उसे गालियां दीं और डंडों से पीटा। फोन करने के बाद मायके वालों ने किसी तरह जान बचाकर उसे वहां से निकाला। एसएसआई प्रदीप राठौर ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

फर्जी दस्तावेज बनाकर 2.56 करोड़ की जमीन 39 लाख में बेच दी

हरिद्वार, एजेंसी। फर्जी दस्तावेज बनाकर 2.56 करोड़ की जमीन को 39 लाख रुपये में दूसरे व्यक्ति को बेच देने का मामला सामने आया है। एसएसपी के निर्देश पर ज्वालापुर पुलिस ने एक महंत सहित चार आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, विनोद कुमार गोस्वामी निवासी सिकरी खुर्द, मोदीनगर गाजियाबाद ने एसएसपी को दी शिकायत में बताया कि मुकेश गौड़ निवासी खारी कुआं हापुड़ उत्तर प्रदेश से ज्वालापुर क्षेत्र की 0.8760 हेक्टेयर भूमि 2.56 करोड़ 50 हजार रुपये में खरीदी थी। उस जमीन का स्वामित्व और कब्जा उसी समय से उसके पास है। आरोप लगाया कि कुछ दिन पहले उन्हें जानकारी मिली कि उसी जमीन को 16 जनवरी 2025 को मुकेश गौड़ ने साजिश कर कूटरचित रजिस्ट्री व दस्तावेज बनाकर धोखाधड़ी करते हुए महंत वेदानंद सरस्वती निवासी खारी कुआं हापुड़ यूपी 39 लाख तीन हजार में बेच दी। आरोप है कि जमीन खरीद में वेदानंद का पुत्र सचिन कुमार और नीरज गिरी निवासी कैलाश गली भूपतवाला गवाह हैं।

पहले मानसून में बादलों ने बरपाया कहर, अब सर्दी भी ढाएगी सितम, होगी भारी बर्फबारी

नैनीताल, एजेंसी। ला नीना के सक्रिय होने के पूर्वानुमान ने इस बार की सर्दियों में बर्फबारी की उम्मीदें जगा दी हैं। एनओएए ने सितंबर से इसके सक्रिय होने का पूर्वानुमान जताया है। जिसके चलते इस बार भारत समेत उत्तरी गोलार्ध की सर्दियां कड़ाके की ठंड के साथ गुजरने वाली है।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के वरिष्ठ वायुमंडलीय विज्ञानी डा नरेंद्र सिंह ने बताया कि दुनिया के मौसम को प्रभावित करने वाला मौसमी चक्र ला नीना के सक्रिय होने का पूर्वानुमान अमेरिका की नेशनल ओसिएनिक एंड एटमॉस्फियरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) ने जता दिया है, जो सितंबर में सक्रिय होने जा रहा है।

झइसका असर जनवरी तक जारी रहने का अनुमान है। इस बीच भारत में सर्दियों का मौसम रहता है और ला नीना का असर प्रभावी रहा तो सर्दियों में दो हजार मीटर तक की ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में हिमपात की प्रबल संभावना रहेगी। उत्तरी गोलार्ध में सितंबर से तापमान ने कमी आनी शुरू हो जाती है और दिसंबर आते आते बेतहाशा ठंड पड़नी शुरू हो जाती है।

इस दौरान ला नीना प्रभावी रहा तो हिमपात के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन जाएगी। साथ ही बर्फबारी के लिए पश्चिमी विक्षोभ का सक्रिय होना भी जरूरी है। बहरहाल इस बार मानसून देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक पानी बरसा रहा है। जिस कारण नमी की मात्रा में खासी बढ़ोतरी हुई है, जो शीतकालीन वर्षा और हिमपात के लिए अनुकूल होती हैं। जिसके चलते संभावना जताई जा सकती है कि इस बार का शीतकाल अत्यधिक ठंड के साथ हिमपात में बढ़ोतरी लाएगा।

नैनीताल- पर्यावरण विज्ञानी डा नरेंद्र सिंह ने बताया कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव मध्य हिमालय क्षेत्र में आने वाले नैनीताल व मुक्तेश्वर सरीखे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में देखा गया है। इन क्षेत्रों में तापमान सामान्य से अधिक बढ़ गया है। जिसका बड़ा असर यहां होने वाली बर्फबारी पर भी पड़ा हैं। पिछले कुछ वर्षों से इन क्षेत्रों में होने वाले हिमपात में भारी कमी आई है। इस बार ला नीना के कारण इन क्षेत्रों में हिमपात की संभावना बनी रहेगी।

नैनीताल- अल नीनो और ला नीना दुनिया के मौसम को प्रभावित करता है। यह दोनों प्राकृतिक जलवायु में असर डालने वाले दो कारण है। इनकी सक्रियता से मौसम के गर्म अथवा ठंडा रहने पर अनुमान लगाना आसान हो जाता है।

अल नीनो पैटर्न एक गर्म चरण है, जिसमें प्रशांत महासागर की सतह का पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है, जो गर्मी बढ़ाने में सहायक होता है। इसके विपरीत ला नीना एक ठंडा चरण है, जिसमें समुद्र के पानी का तापमान असामान्य रूप से गिरने लगता है। जिस कारण वैश्विक स्तर पर तापमान में कमी आने से ठंड बढ़ जाती है।

पहली बार क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड की सचिव बनेगी महिला

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में क्रिकेट की सबसे बड़ी संस्था क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड सीएयू में आज नॉमिनेशन की प्रक्रिया संपन्न हुई। 29 अगस्त से शुरू हुई नॉमिनेशन की प्रक्रिया 30 अगस्त शाम 7 बजे पूरी हुई। नामांकन प्रक्रिया के तहत सीएयू के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष, काउंसलर के पद पर एक और मेंबर ऑफ गवर्निंग काउंसिल के दो पदों पर निर्वाचन होना है, जिसके लिए नॉमिनेशन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

अध्यक्ष पद पर दीपक मेहरा, उपाध्यक्ष पद पर अजय पांडे, सचिव पद पर किरण रौतेला वर्मा, कोषाध्यक्ष पद पर मानस बंगवाल, काउंसलर पद पर मनोज नौटियाल और गवर्निंग काउंसिल के दो सदस्यों के रूप में सुनील कुमार जोशी और अरुण तिवारी द्वारा सिंगल नॉमिनेशन किया गया है। वहीं इसके अलावा जॉइंट सेक्रेटरी के पद पर आर्यन गोयल और नूर आलम दो लोगों ने नॉमिनेशन किया। अब स्क्रूटनी के बाद नाम वापसी की प्रक्रिया बाकी है। उसके बाद आधिकारिक रूप से पदाधिकारियों की निर्वाचन प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद नव निर्वाचित पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की जाएगी।

पहली बार सीएयू में बनेगी महिला सचिव- उत्तराखंड में महिलाओं की भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है। जहां अब तक प्रदेश वासियों ने मुख्य सचिव और विधानसभा अध्यक्ष के रूप में महिलाओं को जिम्मेदारी निभाते हुए देखा तो वहीं अब प्रदेश में क्रिकेट के क्षेत्र में भी पहाड़ की एक महिला आने वाले समय में महत्वपूर्ण पद पर नजर आएगी। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के पदाधिकारी के निर्वाचन के तहत नॉमिनेशन प्रक्रिया संपन्न हो गई है।

बदहाल स्वास्थ्य सेवा की भेंट चढ़े महिला व नवजात, मौत के बाद लोगों में आक्रोश

देहरादून, एजेंसी। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं किसी से छिपी नहीं हैं। प्रदेश सरकार भले ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लाख दावे कर ले, लेकिन हालात कुछ और ही बयां कर रहे हैं। सूबे की ग्रीष्मकालीन राजधानी कही जाने वाले गैरसैंण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की अगर बात करें तो यह मात्र रेफर सेंटर बनकर रह गया है। आये दिन मरीजों को परेशानियों का समाना करना पड़ रहा है, जहां प्रदेश की लचर स्वास्थ्य सेवाओं ने दो जानें ले लीं।

सरकार भले ही गैरसैंण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उपजिला चिकित्सालय का दर्जा दे कर अपनी पीठ थपथपा रही हो, लेकिन विशेषज्ञ डॉक्टरों व संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। अस्पताल केवल कागजों में ही सिमट कर रह गया है। आये दिन गर्भवती महिलाएं स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में दम तोड़ रहीं हैं। गैरसैंण विकास खंड के दूरस्थ गांव फुल ढुंगी तल्ला गांव (घंडियाल) निवासी सुशीला देवी उम्र लगभग 25 वर्ष को प्रसव पीड़ा के बाद उसके परिजन सुरक्षित प्रसव के लिए गैरसैंण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे थे। लेकिन बेहतर स्वास्थ्य सुविधा की आस लिए परिजनों को क्या पता था कि जहां वो लोग अपनी आस लेकर आये हैं, वहीं उन्हें अपना सब कुछ खोना पड़ेगा।

जानकारी के अनुसार गर्भवती महिला के परिजन प्रसव के लिए गैरसैंण अस्पताल पहुंचे थे जहां डॉक्टरों द्वारा सुशीला देवी का प्रसव कराया गया। महिला ने एक नवजात शिशु को जन्म दिया, लेकिन डॉक्टर ने बताया कि बच्चा मृत पैदा हुआ था। वहीं प्रसव के कुछ देर बाद ये खबर सुनकर महिला की भी हालत बिगड़ गई। आनन फानन में डॉक्टरों ने महिला की हालत बिगड़ती देख उसे प्राथमिक उपचार दिया, जिसके बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। लेकिन आधे रास्ते में ही महिला ने भी दम तोड़ दिया।

जिससे पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। बताया जा रहा है कि मृतक महिला के पति सेना में सेवारत हैं और इस समय कारगिल में तैनात हैं। घबर सुनने के बाद मृतका की सास का भी रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं इस घटना को लेकर पूरे क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है।

वहीं इस पूरे मामले को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ। अर्जुन रावत ने बताया कि महिला का प्रसव डॉक्टरों की टीम द्वारा करा दिया गया था, लेकिन नवजात मृत पैदा हुआ था। महिला बिल्कुल सही थी व परिजनों से बात कर रही थी। लगभग 1 घंटे बाद मृत बच्चा पैदा होने की खबर सुनने के बाद महिला को गहरा सदमा लग गया। महिला की तबीयत खराब हो गई और बेहोश हो गई, जिसके बाद महिला को प्राथमिक उपचार दिया गया। जिसके बाद महिला के स्वास्थ्य में कुछ सुधार हो गया था। लेकिन दोबारा से महिला की तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद महिला को हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया था।

बीकेटीसी करेगी केदारनाथ ध्यान गुफा का संचालन जीएमएनवी ने शुरू की कागजी कार्रवाई

देहरादून, एजेंसी। केदारनाथ धाम स्थित ध्यान गुफाओं में अब आसानी से बुकिंग हो सकेंगी। इसको लेकर जीएमवीएन से गुफाओं का संचालन बीकेटीसी को सौंपने की तैयारी है। जल्द ही यह कार्रवाई पूरी होने के बाद तीर्थ यात्रियों को काफी सहूलियत मिलेगी।

बता दें कि केदारनाथ मंदिर से डेढ़ किमी की दूरी पर स्थित ध्यान गुफा तब अधिक प्रसिद्ध हुई, जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मई 2019 में अपनी केदारनाथ धाम दर्शन भ्रमण यात्रा के दौरान ध्यान गुफा में साधना की थी। इस गुफा को रूद्र ध्यान गुफा भी कहा जाता है। पर्यटन विभाग ने 2018 में यहां पर मौजूद प्राकृतिक गुफा को नया स्वरूप देकर इसका नाम ध्यान गुफा रखा।

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि केदारनाथ धाम स्थित प्रसिद्ध ध्यान गुफा का संचालन अब बीकेटीसी करेगी। अब तक गढ़वाल मंडल विकास निगम (जीएमवीएन) द्वारा रूद्र ध्यान गुफा का प्रबंधन किया जा रहा था। ध्यान गुफा को बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति को हस्तांतरण किए जाने को लेकर जीएमवीएन ने बीते शुक्रवार 29 अगस्त को अनापत्ति दे दी है। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद ने इस संबंध में बीकेटीसी को अवगत कराया है।

महाप्रबंधक (पर्यटन) गढ़वाल मंडल विकास निगम ने बताया केदारनाथ धाम स्थित ध्यान गुफा का संचालन वर्तमान में जीएमवीएन के माध्यम से किया जा रहा है। उक्त गुफा का संचालन बीकेटीसी को दिए जाने पर जीएमवीएन को कोई आपत्ति नहीं है। वहीं गुफा के बीकेटीसी को हस्तांतरित किए जाने पर माह सितंबर 2025 से अक्टूबर 2025 तक 15 पर्यटकों द्वारा ध्यान गुफा के लिए ऑनलाइन एडवांस बुकिंग की है, जोकि पूर्व की भांति बना रहेगा और शीघ्र जीएमवीएन ध्यान गुफा बीकेटीसी को हस्तांतरित करेगा।

सितंबर माह से सुचारू रूप से चलेगी चारधाम यात्रा- मॉनसून के थमते ही सितंबर माह से चारधाम यात्रा सुचारू रूप से चलने लगेगी और बदरीनाथ और केदारनाथ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि होगी। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि कपाट खुलने से अब तक बदरीनाथ धाम में 12 लाख 85 हजार 296 और केदारनाथ धाम में 14 लाख 72 हजार 385 तीर्थयात्रियों ने दर्शन कर लिए हैं। इस तरह दोनों धामों में 27 लाख 57 हजार 681 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए हैं।

दीवार तोड़कर घुसा बेकाबू ट्रक, एक की मौत ; ग्रामीणों का हंगामा और धरना

देहरादून, एजेंसी। झबरेड़ा में तेज रफ्तार ट्रक ने मंदिर का गेट तोड़कर 17 वर्षीय किशोर कार्तिक की जान ले ली। दो युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस घटना से बाद ग्रामीणों ने धरना शुरू कर दिया। वहीं पुलिस चालक की तलाश कर रही है।

तेज रफ्तार बेकाबू ट्रक ने शुक्रवार की रात करीब 10।30 बजे दूसरी साइड पर जाकर मंदिर का गेट और दीवार ध्वस्त कर दिया और यहां खड़े एक किशोर और दो युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। एक घायल की हालत बिगड़ने से उसको हायर सेंटर रेफर किया गया है।

शनिवार की सुबह ग्रामीणों ने सड़क किनारे दरी बिछाकर धरना शुरू कर दिया। इस दौरान लोगों को आवागमन में दिक्कतें झेलनी पड़ी। पुलिस ने चालक की तलाश कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार झबरेड़ा थाना क्षेत्र के भगतोवाली निवासी किशोर और युवक शुक्रवार की रात को मंदिर के गेट पर बैठे बातें कर रहे थे। उसी दौरान झबरेड़ा से सहारनपुर की ओर एक ट्रक आ रहा था। मंदिर के नजदीक आते ही ट्रक अचानक बेकाबू होकर मंदिर के गेट व दीवार से जा टकराया।

मंदिर गेट पर बैठे तीनों युवक ट्रक की चपेट में आ गए। जिससे 17 वर्षीय किशोर कार्तिक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि आयुष व सौरभ गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की रुड़की अस्पताल में भर्ती करवाया गया लेकिन आयुष की हालत बिगड़ते देख उसको चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। उधर ट्रक चालक मौका पाकर भाग निकला। ग्रामीणों ने घटनास्थल के पास सड़क किनारे दरी बिछाकर धरना शुरू कर दिया। जिससे झबरेड़ा सहारनपुर मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रही।

पुलिस ने मौके पर आकर ग्रामीणों को समझाबुझाकर बमुश्किल शांत किया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया है कि ट्रक में सीमेंट लेकर सहारनपुर जा रहा था। शनिवार को घटना स्थल पर पहुंचे दर्जाधारी मंत्री देशराज कर्णवाल, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ गौरव चौधरी व राजपाल सिंह आदि ने घटना स्थल पर जाकर पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। झबरेड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक अजय सिंह ने बताया है कि तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

शिविर में 103 लोगों का स्वास्थ्य जांचा

ऋषिकेश, एजेंसी। नगर पंचायत स्वर्गाश्रम जौंक अंतर्गत संत सेवा आश्रम परिसर में निकाय सभासदों की ओर से एक दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नेत्र, हड्डी और कार्डियोलॉजिस्ट के चिकित्सकों ने मरीजों की स्वास्थ्य जांच की। शिविर में लोगों का रैंडम ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, ईसीजी और वीएमडी की भी जांच की गई। शिविर में करीब 103 लोगों का स्वास्थ्य जांचा गया। शिविर में सभासद रेणुका भंडारी, सुरुचि अवस्थी, जितेंद्र धाकड़, विकास भंडारी, संत सेवा आश्रम की अध्यक्षा अनिता देवी, महंत कन्हैया दास, विधायक प्रतिनिधि विरेंद्र बिष्ट, भाजपा स्वर्गाश्रम मंडल अध्यक्ष त्रिवेंद्र नेगी और महंत कृष्ण मुरारी दास आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड में आपदाओं ने बीच तनाव से जूझ रहे कर्मचारी, विभाग ने निकाला गजब का तोड़

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते तमाम क्षेत्रों में आपदा आई हुई है। जिसके चलते आपदा प्रबंधन विभाग के कर्मचारी इन दिनों काफी तनाव में हैं। ऐसे में उत्तराखंड आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कर्मचारियों का तनाव दूर करने के लिए प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के दौरान कर्मचारियों को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए योग, प्राणायाम और सही दिनचर्या की जानकारी दी गई। जिन क्षेत्रों में आपदा आई है और जहां ग्राउंड जीरो पर कर्मचारी काम कर रहे ऐसे कर्मचारियों को प्राकृतिक चिकित्सा शिविर की ज्यादा जरूरत है।

उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशासन आनंद स्वरूप ने कहा कि आजकल की व्यस्त जीवनशैली और बढ़ते तनाव के कारण कर्मचारियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में आयुर्वेदिक चिकित्सा और प्राकृतिक उपचार स्वस्थ रहने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जिसके चलते उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में मासिक प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

एसीईओ स्वरूप ने कहा प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों के जरिए कर्मचारी न सिर्फ विपरीत परिस्थितियों में तनाव मुक्त रहते हुए प्रेशर को अच्छे से हैंडल कर सकते हैं बल्कि स्वस्थ जीवन की ओर भी अग्रसर हो सकते हैं। शिविर में कर्मचारियों को योग, प्राणायाम और सही दिनचर्या की जानकारी दी गई। साथ ही कहा कि यूएसडीएमए और आपदा प्रबंधन विभाग के कर्मचारी हर समय एलर्ट मोड पर रहते हैं। दिन-हो या रात, जरूरत पड़ने पर तत्काल ही कार्यालय पहुंचकर कार्य करते हैं।

भारी बारिश का यलो अलर्ट, बाढ़ के खतरे का पूर्वानुमान, जिलाधिकारियों को भेजा पत्र

देहरादून, एजेंसी। मौसम विज्ञान विभाग के हाइड्रोमेट डिवीजन ने आगामी 24 घंटे में भारी बारिश के कारण जलभराव और बाढ़ के खतरे का पूर्वानुमान का जिक्र करते हुए आवश्यक सावधानियां बरतने को कहा गया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने शुक्रवार को सभी जिलाधिकारियों को एक पत्र भेजा है। इसमें दो सितंबर तक मौसम विभाग के भारी बारिश के मद्देनजर यलो अलर्ट का जिक्र करते हुए आवश्यक सावधानी बरतने को कहा गया है। इसके साथ ही बाढ़ की चेतावनी को लेकर अल्मोड़ा, देहरादून, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, पौड़ी गढ़वाल, नैनीताल, टिहरी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग व पिथौरागढ़ के जिलाधिकारियों को भी पत्र भेजा गया है। इसमें मौसम विज्ञान विभाग के हाइड्रोमेट डिवीजन ने आगामी 24 घंटे में भारी बारिश के कारण जलभराव और बाढ़ के खतरे का पूर्वानुमान का जिक्र करते हुए आवश्यक सावधानियां बरतने को कहा गया है। बारिश के कारण नदियों के जल स्तर में बढ़ोतरी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ में पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोट, सात लोगों की मौत की खबर, पांच घायल ; सीएम योगी ने लिया घटना का संज्ञान

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी में पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोट से सात लोगों के मरने की आशंका है। जबकि पांच लोग घायल बताए जा रहे हैं। फिल्मी स्टाइल में भवन उड़ा। देखकर लोगों के दिल दहल गए। राजधानी लखनऊ में रविवार को पटाखा फैक्टरी में अचानक विस्फोट हो गया। जोरदार धमाके से पूरा इलाका दहल उठा। आवाज सुनकर लोग घरों से निकलकर मौके की तरफ भागे। स्थानीय लोगों ने अंदर फंसे लोगों को बचाने का प्रयास शुरू किया। घटना गुडंबा थाना क्षेत्र के बेहटा इलाके की है। उधर, पुलिस और एंबुलेंस को भी सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस, एंबुलेंस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायल लोगों को अस्पताल भेजा। घटना में करीब सात लोगों के मरने की आशंका जताई जा रही है। करीब पांच लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। राहत बचाव कार्य जारी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पटाखा फैक्टरी में हुए हादसे का संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए।

नाबालिग भाई-बहन पर साइबर ठगी का आरोप, परिवार सदमे मेंजपिता बोले- सीएम और पीएम तक लगाऊंगा गुहार

कानपुर, एजेंसी। महाराजपुर के अशोक गंगापुत्र के नाबालिग बेटे-बेटी पर साइबर ठगी का मुकदमा दर्ज होने से परिवार सदमे में है। पीड़ित ने पहले ही एक करोड़ रुपये खाते में आने की शिकायत पुलिस को दी थी, लेकिन कार्रवाई न होने पर अब न्याय की गुहार मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री से लगाने की बात कही है। कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के पुरवामीर गांव में रहने वाले अशोक गंगापुत्र के दो नाबालिग बच्चे प्रकाश और पूनम साइबर ठगी के मामले में फंस गए हैं। शुक्रवार को नौबस्ता थाना पुलिस ने दोनों पर साढ़े तीन लाख रुपए की साइबर ठगी का मुकदमा दर्ज होने की जानकारी दी और बयान दर्ज करने के लिए बुलाया। अशोक, जो मजदूरी कर परिवार चलाते हैं, ने बताया कि बच्चों के खाते केवल छात्रवृत्ति के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा में खोले गए थे और उनमें कभी लेन-देन नहीं हुआ। 13 अगस्त को बैंक कर्मियों ने घर आकर सूचना दी कि प्रकाश के खाते में एक करोड़ रुपये आए हैं। उन्होंने कई कागजों पर साइन भी करवा लिए।

थाना प्रभारी बोले- मामले की जांच चल रही है : अशोक का कहना है कि उसी दिन उन्होंने महाराजपुर थाने में लिखित शिकायत दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अचानक मुकदमा दर्ज होने की खबर से पूरा परिवार सदमे में है। उन्होंने बताया कि न्याय के लिए अब वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक गुहार लगाएंगे। वहीं, नौबस्ता थाना प्रभारी निरीक्षक नदीम अहमद ने कहा कि मामले की जांच चल रही है और इसी क्रम में बयान दर्ज करने के लिए परिवार को बुलाया गया है।

रामघाट कल्याण मार्ग टेंडर में गड़बड़ी, सीएम योगी ने लिया एक्शन, पीडब्ल्यूडी मुख्य अभियंता हटाए, एसई निलंबित

अलीगढ़, एजेंसी। क्वार्सी चौराहा से बुलंदशहर के नरौरा तक इस मार्ग के चौड़ीकरण को लोक निर्माण विभाग ने टैंडर प्रक्रिया पिछले दिनों पूरी की। जिसमें से 219.52 करोड़ रुपये के टैंडर को लेकर पूर्व सांसद राजवीर सिंह राजू व सांसद सतीश गौतम द्वारा अलग-अलग शिकायतें की गई। जिसमें अनियमितता का आरोप लगाया गया। अलीगढ़ जिले में सड़कों की दुर्दशा व रामघाट कल्याण मार्ग के 219.52 करोड़ रुपये के टेंडर में गड़बड़ी पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने बड़ा एक्शन लिया है। पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता संजय कुमार गौतम को निलंबित करते हुए एक्सईएन योगेश कुमार पर जांच नियत कर दी गई है। वहीं मुख्य अभियंता सौरभ बैराठी को अलीगढ़ से हटाते हुए मुख्यालय से संबद्ध कर स्पष्टीकरण मांगा है। एक साथ इतनी तगड़ी कार्रवाई से महकमे में खलबली मच गई है। माना जा रहा है कि यह अभी शुरुआत है। आगे कुछ अन्य अफसरों पर भी गाज गिर सकती है।

क्वार्सी चौराहा से बुलंदशहर के नरौरा तक इस मार्ग के चौड़ीकरण को लोक निर्माण विभाग ने टैंडर प्रक्रिया पिछले दिनों पूरी की। जिसमें से 219.52 करोड़ रुपये के टैंडर को लेकर पूर्व सांसद राजवीर सिंह राजू व सांसद सतीश गौतम द्वारा अलग-अलग शिकायतें की गई। जिसमें अनियमितता का आरोप लगाया गया। जिस पर शासन के निर्देश पर कमिश्नर ने नगर आयुक्त की अध्यक्षता में जांच समिति बनाई। जिसमें मुख्य विकास अधिकारी, वरिष्ठ कोषाधिकारी व सेतु निगम के उप परियोजना प्रबंधक को शामिल किया गया है। एक सप्ताह में इस समिति ने रिपोर्ट बनाकर कमिश्नर के जरिये शासन को भेजी। जांच रिपोर्ट में पाया गया कि औद्योगिक-लॉजिस्टिक पार्क के लिए अलीगढ़-रामघाट कल्याण सिंह मार्ग को दो अलग-अलग पैकेज में फोरलेन करने के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई थीं। इनकी लागत क्रमशः 136.60 करोड़ और 82.92 करोड़ रुपये है। कामों की स्वीकृति से पहले ही निविदाएं आमंत्रित की गईं और शुद्धि पत्र के माध्यम से एक दिन की अवधि बढ़ाई गई। जिसमें औसतन 24 प्रतिशत कम दरों की निविदाएं प्राप्त हुईं, जबकि इन दोनों कामों की निविदाएं क्रमशः 6.05 और 6.81 प्रतिशत कम दरों पर प्राप्त हुईं। इन दोनों कामों में प्रतिस्पर्धा कम हुई, जिससे सरकारी धन का नुकसान हुआ। इसी आधार पर अलीगढ़ लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता संजय कुमार गौतम को शासन ने निलंबित कर दिया है। वे निलंबन काल में प्रमुख अभियंता कार्यालय, लखनऊ से संबद्ध रहेंगे। उनके मामले में आगे की जांच सहारनपुर के मुख्य अभियंता करेंगे।

मुख्यमंत्री के अलीगढ़ मंडल की समीक्षा के समय शहर की सड़कों का मुद्दा जोर शोर से उठा था। उससे पहले दिशा की मीटिंग में सांसद व अन्य जनप्रतिनिधियों ने सूतमिल से नादा पुल व सूतमिल से भांकरी तक की सडक़ के निर्माण में अनियमितताओं के आरोप लगाए थे। यह मुद्दा समीक्षा में सीएम के समक्ष रखा गया था। उसी का संज्ञान लेते हुए यहां के मुख्य अभियंता सौरभ बैराठी को हटाया गया है। साथ में यह भी कहा गया है कि वे अपना लिखित स्पष्टीकरण 15 दिन के भीतर शासन को उपलब्ध कराएं। अन्यथा उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर अंतिम निर्णय ले लिया जाएगा। उनके स्थान पर इंडो-नेपाल बॉर्डर के मुख्य अभियंता विजय सिंह को अलीगढ़ का मुख्य अभियंता बनाया गया है।

छह घंटे में किए पोते के छह टुकड़े...

सिर और धड़ मिला पर हाथ-पैर नहीं, इस शख्स के कहने पर दादा ने किया कत्ल

प्रयागराज, एजेंसी। प्रयागराज में 11वीं के छात्र की हत्या के बाद शव के टुकड़े करने के मामले में आरोपी तांत्रिक की तलाश जारी है। पुलिस की एक टीम ने कौशाम्बी के सरायअकिल में भी तांत्रिक के घर दबिश दी, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। प्रयागराज के करेली में 11वीं के छात्र पीयूष उर्फ यश की हत्या के मामले में फरार चल रहे तांत्रिक को लेकर अहम खुलासा हुआ है। पता चला है कि मूलरूप से कौशांबी के सरायअकिल थाना इलाके निवासी तांत्रिक कुछ माह पहले से करेली में किराए के मकान पर रहता था। उसकी तलाश में दबिश दी जारी है।

पुलिस की एक टीम ने तांत्रिक के कौशाम्बी स्थित घर में दबिश दी लेकिन वह पहले ही गायब हो गया। जांच में यह भी सामने आया है कि वह मजदूरी का भी काम करता है। उसे दबोचने के लिए दो टीमों को गठन किया गया है। मोबाइल लोकेशन के आधार पर उसकी गिरफ्तारी में पुलिस जुटी हुई है।

वहीं, दूसरी तरफ यश के कटे हाथ-पैर बरामद नहीं हो सके हैं। आरोपी सरन सिंह ने पुलिस को बताया था कि यश के हाथ-पैर रसूलपुर कछार में फेंके थे। डीसीपी सिटी अभिषेक भारती ने बताया कि टीम लगातार दबिश दे रही है। तांत्रिक को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार को 11वीं के छात्र पीयूष उर्फ यश का सिर और हाथ-पैर काटकर शव फेंकने के मामले में पुलिस ने करेली सदियापुर निवासी आरोपी दादा सरन सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि यश के शरीर के छह टुकड़े कर छह घंटे में शव का ठिकाना लगा दिया। पुलिस लाइन सभागार में डीसीपी नगर अभिषेक भारती व डीसीपी यमुनानगर विवेकचंद्र यादव ने बताया कि सदियापुर निवासी सरन सिंह की बेटी ने 2023 और बेटे ने 2024 में यमुना पुल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। दोनों बच्चों की मौत से सरन सिंह परेशान हो गया। इस बीच वह कौशाम्बी के रहने वाले एक तांत्रिक के संपर्क में आया। शक था कि यश की दादी ने उसके परिवार पर जादू-टोना किया है। तांत्रिक के कहने पर ही सरन ने यश को मंगलवार सुबह 8:30 बजे स्कूल जाते वक्त किसी काम का बहाना बनाकर अपने साथ कल्याणी देवी स्थित मकान में ले गया और फिर आरी व चापड़ से शरीर के छह टुकड़े कर मौत के घाट उतार दिया।

यूपी में आठ आईपीएस अफसरों के हुए तबादले, तीन जिलों के एसपी बदले

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में रविवार को आठ आईपीएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। इनमें तीन जिलों के पुलिस अधीक्षक भी शामिल हैं। शामली के पुलिस अधीक्षक राम सेवक गौतम को पुलिस अधीक्षक, पीटीएस, मुरादाबाद की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं कानपुर देहात के पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्र को पुलिस अधीक्षक, ईओडब्ल्यू, उप्र बनाया गया है। इसी तरह श्रावस्ती के पुलिस अधीक्षक घनश्याम को पुलिस अधीक्षक, सतर्कता अधिष्ठान, उप्र बनाया गया है। श्रद्धा नरेंद्र पांडेय को सेनानायक 38वीं वाहिनी पीएसी, अलीगढ़ से पुलिस अधीक्षक, कानपुर देहात की जिम्मेदारी मिली है। राहुल भाटी को पुलिस अधीक्षक, एसएसएफ, लखनऊ से पुलिस अधीक्षक, श्रावस्ती बनाया गया है। पुलिस कमिश्नरेट, गौतमबुद्धनगर में तैनात पुलिस उपायुक्त लाखन सिंह यादव को सेनानायक, 38वीं वाहिनी पीएसी, अलीगढ़ भेजा गया है। नरेंद्र प्रताप सिंह को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, बागपत से पुलिस अधीक्षक, शामली के रूप में जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में पुलिस उपायुक्त /अपर पुलिस उपायुक्त के रूप में तैनात डॉ प्रवीण रंजन सिंह को पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट, गौतमबुद्धनगर बनाया गया है।

दीपावली बाद होगा सनातन संघ सम्मेलन, कई राज्यों के सीएम व राज्यपाल होंगे शामिल; योगी करेंगे अगुवाई

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दीपावली के बाद सनातनी समाज का संघ सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। दीपावली के बाद राजधानी में सनातनी समाज का भव्य संघ सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। जिसमें राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री व राज्यपाल समेत मथुरा व काशी पीठ के महामंडलेश्वर शिरकत करेंगे। यह ऐलान शनिवार को राजधानी के गोमती होटल में आयोजित राष्ट्रीय सनातन संघ की विचार गोष्ठी में किया गया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि लखनऊ उत्तरी के विधायक डा. नीरज बोरा और भाजपा प्रवक्ता नवीन श्रीवास्तव थे। नीरज बोरा ने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि आज सनातन को क्षीण करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके लिए कोई और नहीं हम दोषी है। जब बच्चा छोटा होता है तो हम शिवाजी की वीर गाथा या राणा प्रताप की कहानियां नहीं सुनातें बल्कि उसे ट्विंकल-ट्विंकल लिटिल स्टार सुनकर खुश होते हैं। हमें जरूरत है कि हम हर बच्चे में सनातन के गुण पैदा करें। डा. बोरा ने कहा कि आज दुनिया के किसी भी देश में चले जाइये, या भारत के किसी भी प्रांत में जाइये हिंदुओं की संख्या घट रही है। नवीन श्रीवास्तव ने कहा कि आज सनातन को मजबूत करने की जरूरत है। उसके लिए हमें सभी हिंदुओं को एकजुट होना पड़ेगा। जातियों में नहीं बंटना होगा, अगड़ों-पिछड़ों को बांटकर सनातन को कमजोर किया जा रहा है।

प्रदेश के 26 जिलों में आज भारी बारिश की चेतावनी, पश्चिम यूपी और बुंदेलखंड के इन इलाकों के लिए अलर्ट जारी

लखनऊ, एजेंसी। यूपी मेंकई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी हुआ है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार यूपी से सटे हुए कई राज्यों में भी अच्छी बरसात होगी। पश्चिमी यूपी और तराई के इलाकों में रविवार से एक बार फिर से अच्छी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने 26 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही बुंदेलखंड में भी जमकर बारिश होने का अनुमान है।

रविवार को सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तराखंड और हिमाचल में अभी बना है खतरा : उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और पहाड़ दरकने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। उत्तराखंड के धारचूला में भारी बारिश के बाद चीन सीमा से जोड़ने वाले तवाघाट-लिपुलेख मार्ग पर ऐलागाड़ और कुलागाड़ के पास पहाड़ी दरक गई। इसकी वजह से दारमा, चौदास और व्यास तीनों घाटियों का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है। जम्मू संभाग में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश और भूस्खलन ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

दो सितंबर तक बारिश का अलर्ट : मौसम विभाग ने पंजाब, राजस्थान, यूपी समेत सात राज्यों में 2 सितंबर तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड और पूर्वी राजस्थान के कई इलाकों में अगले सात दिनों तक भारी बारिश जारी रहने के आसार है। धारचूला में तवाघाट-लिपुलेख के साथ सोबला सड़क पहाड़ी दरकने के कारण बंद हो गई है। लगातार मलबा और बोल्डर गिरने से आवाजाही ठप बनी हुई है।

कहा था ना बदला लूंगा, ये बोलकर युवक को मार दी गोली, इस सपा विधायक का रिश्तेदार है आरोपी

बिजनौर, एजेंसी। गांव बेगावाला निवासी नितिन चौधरी मेला देखने गया था। वहीं उसे गोली मार दी गई। गंभीर हालत में नितिन को मेरठ रेफर किया गया है। वहीं पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। दोस्तों के संग नवमी का मेला देखने गए युवक को गांव गनौरा में गोली मार दी गई। गंभीर हालत में घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां से उसे मेरठ के लिए रेफर कर दिया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शनिवार देर रात शाम थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव बेगावाला निवासी नितिन चौधरी (27) पुत्र बलबीर सिंह अपने दोस्तों के साथ मेला देखने गांव गनौरा गया था। वहां पर गांव के ही सूरज सैनी ने नितिन चौधरी को गोली मार दी। गंभीर हालत में युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से उसे मेरठ के लिए रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच करीब 2 साल से रंजिश चल रही थी। गोली मारने वाला आरोपी सूरत सैनी नूरपुर से सपा विधायक राम अवतार सैनी के चचेरे भाई का बेटा है। सूरत सैनी के पिता का गांव में शांति निकेतन के नाम से स्कूल है। गोलीकांड के बाद पुलिस उक्त स्कूल में भी छानबीन के लिए पहुंची। वहीं युवक की हालत नाजुक बताई जा रही है। इस संबंध में पुलिस उपाधीक्षक नगीना का कहना है कि आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

यूपी प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी भर्ती परीक्षा की संशोधित उत्तर कुंजी हुई जारी, 3,446 पदों पर होगा चयन

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग ने प्राविधिक सहायक ग्रुप-ष्ट भर्ती परीक्षा 2024 की संशोधित उत्तर कुंजी जारी कर दी है। इस भर्ती में कुल 3,446 पदों पर चयन किया जाएगा। उत्तर प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग ने प्राविधिक सहायक ग्रुप-ष्ट (कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश) की मुख्य परीक्षा 13 जुलाई 2025 को आयोजित की थी। परीक्षा के बाद आयोग ने 14 जुलाई 2025 को अनंतिम उत्तर कुंजी अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित की थी। उम्मीदवारों को आपत्तियां दर्ज कराने का मौका 16 जुलाई 2025 से दिया गया।

अब आयोग ने प्राप्त आपत्तियों का निपटान करने के बाद संशोधित उत्तर कुंजी (विवरणात्मक) अपलोड कर दी है, जिसे उम्मीदवार ह्वह्वह्वह्व.द्श1.द्ध्ठ पर देख सकते हैं।

श्रेणीवार रिक्ति विवरण : इस भर्ती अभियान के तहत कृषि विभाग में प्राविधिक सहायक ग्रुप-ष्ट के कुल 3,446 पद भरे जाएंगे।

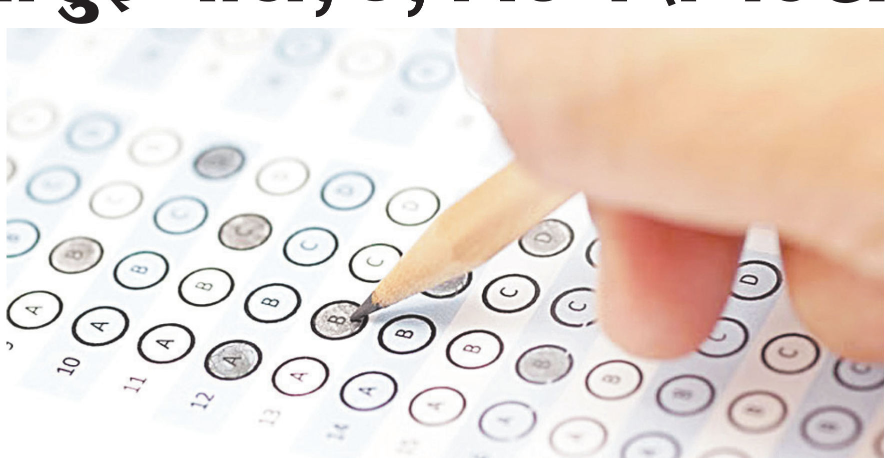

श्रेणीवार रिक्तियां इस प्रकार हैं: अनारक्षित - 1,813, अन्य पिछड़ा वर्ग - 629, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग - 344, अनुसूचित जाति - 509, अनुसूचित जनजाति - 151। उम्मीदवार इन रिक्तियों के अनुसार आवेदन कर सकते हैं और आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

परीक्षा पैटर्न : टेक्निकल असिस्टेंट ग्रुप-सी मुख्य परीक्षा में 100 प्रश्न थे, जिन्हें छात्रों को 120 मिनट में हल करना था। उम्मीदवारों को प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक दिया गया था। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए, प्रश्न के लिए निर्धारित अंकों में से 25% अंक काटे गए थे।

कैसे होता है चयन? : उम्मीदवारों का चयन में तीन मुख्य चरणों के आधार पर किया जाता है। पहले चरण में लिखित परीक्षा के माध्यम से उम्मीदवारों के ज्ञान और कौशल का मूल्यांकन किया जाता है। इसके बाद, शारीरिक दक्षता परीक्षाके जरिए उनके शारीरिक मानकों और क्षमता का परीक्षण किया जाता है। अंतिम चरण में, दोनों परीक्षा में सफल उम्मीदवारों के दस्तावेज सत्यापन द्वारा उनकी शैक्षणिक योग्यता, पहचान और अन्य आवश्यक प्रमाण पत्रों की पुष्टि की जाती है। इस पूरी प्रक्रिया के पूरा होने के बाद ही उम्मीदवारों को चयनित माना जाता है।

दौसा में डॉक्टर और उसके पिता को लाठी-डंडों से पीटा:घर के बाहर बरामदे में सो रहे थे, पिटाई के बाद फायरिंग कर भागे

दौसा। दौसा में देर रात बदमाशों ने डॉक्टर और उसके पिता की बुरी तरह से पिटाई कर दी। इस दौरान दोनों को बुरी तरह से लाठी-डंडों से पीटा। इसके बाद बदमाशों ने फायरिंग भी की और फरार हो गए। घटना देर रात 2 बजे मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र के आंतरहेड़ा गांव की है। इस हमले में डॉक्टर चेताराम और उनके पिता श्योजीराम बुरी तरह से घायल हो गए। जमीन विवाद को लेकर हुई हमलामानपुर डिप्टी एसपी दीपक मीणा ने बताया कि चेताराम कालोता गांव में आयुर्वेदिक डॉक्टर है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कुछ समय पहले बालाहेड़ी थाना के गगवाना गांव में जमीन खरीदी थी। इस जमीन पर कब्जे को लेकर गांव के एक दूसरे पक्ष से इनका विवाद चल रहा था। इसे लेकर पहले भी इनके बीच विवाद हो चुका है। इसी जमीन विवाद में इन लोगो ने हमला किया। डॉक्टर का कहना है कि बदमाशों ने फायरिंग भी की है। घर में गोली का खोल भी मिला है। डॉक्टर का कहना है कि बदमाशों ने फायरिंग भी की है। घर में गोली का खोल भी मिला है।

घर के बाहर सो रहे थे पिता-पुत्र, 6 से ज्यादा बदमाशों ने किया हमलाडॉक्टर चेताराम ने बताया कि वे और उनके पिता घर के बाहर बरामदे में सो रहे थे। बाकी परिवार अंदर था। रात करीब 2 बजे अचानक 6 से ज्यादा बदमाशों ने हमला कर दिया।इस दौरान बदमाशों ने लाठी-डंडों से बुरी तरह से पिटाई की। बदमाशों ने उनके बुजुर्ग पिता पर भी हमला कर घायल कर दिया। इस हमले के दौरान जब दोनों पिता-पुत्र चिल्लाने लगे तो घर वाले जाग गए। इसके बाद बदमाशों ने फायरिंग की और वहां से फरार हो गए। डिप्टी एसपी दीपक मीणा ने बताया कि देर रात ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। डॉक्टर ने फायरिंग की बात की है। एक गोली का निशान मकान के छज्जे पर दिखाया है। जिसकी जांच की जा रही है।शनिवार को अपने घर आए थे, किडनैप का प्रयास भी हो चुकाडिप्टी एसपी ने बताया कि डॉक्टर अपने परिवार के साथ दौसा में रहते है। शनिवार को अपने गांव आया था। जहां ये हमला हुआ। उन्होंने बताया कि इससे पहले जुलाई में भी जमीनी विवाद को लेकर दूसरे पक्ष ने डॉक्टर के अपहरण का प्रयास किया था। जिसे लेकर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इसी जमीन विवाद में गगवाना, महुवा और भुसावर के रहने वाले 9 लोगों के खिलाफ जानलेवा हमला कर फायरिंग करने की रिपोर्ट दी है।

केंद्रीय मंत्री बोले-

कोर्ट ने -भर्ती का फैसला सरकार पर छोड़ा:कुछ लोगों ने पाप किया, दंड दूसरों को मिले, ये बात उचित नहीं

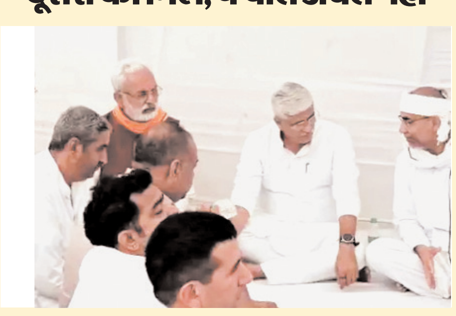

जैसलमेर। जैसलमेर में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एसआई भर्ती-2021 परीक्षा को रद्द करने के कोर्ट के फैसले पर अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा- मैंने फैसले को पढ़ा नहीं है, लेकिन जितने अंश देखें हैं, उससे समझ में आया है कि कोर्ट ने ये निर्णय राज्य सरकार पर छोड़ा है। उन्होंने कहा- कुछ लोगों ने पाप किया और दूसरे उसका दंड भरे, ये बात उचित नहीं है। इस दृष्टिकोण से राज्य सरकार इस विषय पर विचार कर रही है। मुझे लगता है विस्तार से एक बार फैसले की समीक्षा करने की आवश्यकता है। आदेश की समीक्षा होकर सबके सामने क्लियरिटी हो जाएगी। शेखावत ने कहा- राज्य सरकार की मंशा एसआई भर्ती को रद्द करने के बजाय, जो लोग दोषी थे, उन सबको दंडित करने की है। इस तरह का दृष्टिकोण प्रारंभ से अपनाया है। क्योंकि सैकड़ों लोग ऐसे हैं, जो नौकरियों को छोड़कर, अपनी जिंदगी को दांव पर लगाकर यहां आए हैं। ट्रेनिंग की है, 3-4 साल नौकरी कर ली है।

पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम को दी श्रद्धांजलि

केंद्रीय मंत्री शेखावत रविवार को जैसलमेर के मोहनगढ़ कस्बे पहुंचे, जहां कर्नल सोनाराम के पैतृक निवास पहुंचकर उनको परिवार को सांत्वना दी और कर्नल सोनाराम को श्रद्धांजलि दी। इससे पहले शनिवार को उन्होंने परिवार के साथ रामदेवरा में बाबा रामदेव की समाधि के दर्शन किए और पूजा अर्चना की।

दौसा में मानसून फिर हुआ सक्रिय, महुआ में सबसे ज्यादा 5 इंच बारिश, झिलमिली बांध छलका, ग्रामीणों में खुशी की लहर

दौसा। जिले में एक बार फिर एक्टिव हुए मानसून के कारण शनिवार रात को भी व्यापक वर्षा हुई है। पिछले 24 घंटे में सर्वाधिक 5 इंच बारिश महुआ में दर्ज की गई है। बारिश से बांधों में पानी की आवक बढी है। साढे 15 फुट क्षमता का झिलमिली बांध भी झलक उठा है। इस पर 2 इंच की चादर चल गई है। झिलमिली बांध पर चादर चलने से ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई है। 30 फीट भराव क्षमता के मोरेल बांध पर 9 इंच की चादर चल रही है। इसी तरह 13 फुट के सूरजपुरा बांध पर 6 इंच, 8 फुट के नामोलाव बांध पर 5 इंच, 12 फुट के डिवांचली बांध पर 2 इंच की चादर चल रही है। 9 फुट 6 इंच के महेश्वर बांध पर एक इंच चादर चल रही है।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की मेजबानी से राजस्थान की प्रतिभाओं को मिलेगी नई पहचान: भजनलाल शर्मा

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 125वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देशवासियों से वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहन देते हुए आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लक्ष्य की ओर प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आने वाले त्योहारी सीजन में आमजन उपहार, पहनावे, सजावट और रोशनी में स्वदेशी को गर्व से अपनाएं। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया का ध्यान भारत की तरफ है। भारत में छिपी संभावनाओं पर दुनिया-भर की नजर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति की विश्व के सभी हिस्सों में प्रभाव बढ़ा है और

रामायण और महाभारत के प्रति प्रेम और श्रद्धा में वृद्धि हुई है।

राजस्थान में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए उठाएं महत्वपूर्ण कदमः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का संबोधन आमजन में नई ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। साथ ही, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान पहली बार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की मेजबानी करने जा रहा है। इस खेल आयोजन से प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का अवसर मिलेगा तथा यह आयोजन खेल के क्षेत्र में राजस्थान को नई पहचान भी दिलाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की एकता और विकास के लिए 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना बहुत जरूरी है और खेल इसमें बड़ी भूमिका निभाते हैं। जो खेलता है, वहीं खिलता है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में युवाओं की खेलों के प्रति बढ़ती रूचि के बारे में जानकारी देते हुए पुलवामा स्टेडियम में पहली बार आयोजित हुए डे-नाइट क्रिकेट मैच और डल झील पर पहले खेलों इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल का जिक्र किया, जिनमें सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया।

मोदी ने कहा कि सौर ऊर्जा से किसानों की जिंदगी बदल रही है। वही खेत, वही मेहनत, वही किसान, लेकिन मेहनत का फल कहीं ज्यादा मिल रहा है। किसानों की आय में वृद्धि हो रही है। उन्होंने बिहार की सोलर दीदी देवकी का जिक्र करते हुए कहा कि श्रीमती देवकी ने सोलर पंप की स्थापना की, जिसके माध्यम से 40 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में पानी पहुंचाया जा रहा है। जबकि पहले कुछ ही एकड़ में खेती हो पाती थी। उनकी मेहनत और दूरदर्शिता ने दिखा दिया है कि सौर ऊर्जा सिर्फ बिजली का साधन नहीं है, बल्कि ये गांव-गांव में नई रोशनी लाने वाली एक नई शक्ति भी है। उन्होंने सूरत में कार्यरत सिक्योरिटी गार्ड जितेन्द्र सिंह राठौड़ की अद्भुत पहल का जिक्र किया, जो हर देशभक्त के लिए प्रेरणादायी है। पिछले कुछ वर्षों से वो उन सभी जवानों के बारे में जानकारियां जुटा रहे हैं, जिन्होंने भारत माता की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर किए हैं। साथ ही, उनके पास ढ़ाई हजार से ज्यादा शहीद जवानों के माता-पिता के चरणों की मिट्टी भी है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने प्रतिभा सेतु पोर्टल का जिक्र किया, जिसके अंतर्गत प्रतियोगी परीक्षाएं के उन उम्मीदवारों का डाटा संग्रहित किया जाता है जिन्होंने परीक्षा के कई चरण पास किए लेकिन अंतिम सूची में चयनित नहीं हो पाए। इस पोर्टल के माध्यम से निजी कंपनियों द्वारा सैकड़ों उम्मीदवारों को नियुक्तियां दी जा रही हैं।

अमेरिकी टैरिफ से राजस्थान के हैंडीक्राफ्ट निर्यातकों की बढ़ी चिंता: अशोक गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक बयान जारी कर अमेरिकी टैरिफ के असर को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी टैरिफ के विभिन्न उत्पादों और क्षेत्रों पर पड़ने वाले असर से सभी चिंतित हैं। निर्यात में गिरावट की आशंका के कारण जयपुर, जोधपुर सहित पूरे राजस्थान के हैंडीक्राफ्ट निर्यातक भी परेशान हैं। इसका सीधा असर प्रदेश की अर्थव्यवस्था एवं इन यूनिट्स में काम करने वाले कारीगरों एवं श्रमिकों के रोजगार पर भी पड़ेगा जो कि एक अप्रिय स्थिति होगी।

केंद्र सरकार को इस चुनौती से निपटने के लिए जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने होंगे तथा निर्यातकों को भरोसा दिलाना होगा कि सरकार उनके साथ हर स्थिति में खड़ी है ताकि उनका मनोबल प्रभावित न हो एवं सभी की आजीविका चलती रहे। राज्य सरकार को इस टैरिफ से प्रभावित व्यापारों को विशेष पैकेज के बारे में भी तैयारी करनी चाहिए।

भारत को डेड इकोनॉमी कहने वालों के लिए नए आंकड़े उनके चेहरे पर तमाचा है: गौरव बल्लभ

जयपुर। भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर लगातार आलोचना के बाद भाजपा कार्यकर्ता और अर्थशास्त्री गौरव बल्लभ ने ताजा आर्थिक आंकड़ों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पहले क्वार्टर 1 फाइनेंशियल ईयर 26 में भारत की जीडीपी ग्रोथ को लेकर कहा, 7.1 प्रतिशत की दर से विकास कर रही अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी कहना पूरी तरह से नासमझी है। गौरव बल्लभ ने आईएएनएस से कहा, जो लोग भारत में रहकर भारत की इकोनॉमी को डेड बोल रहे थे, उनके लिए ये ग्रोथ एक करारा जवाब है। ये आंकड़े उन सभी चेहरों पर तमाचा हैं, जो देश की आर्थिक सेहत को लेकर गलत बयानबाजी कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि आज की तारीख में जब दुनिया की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाएं मंदी की मार झेल रही हैं, उस वक्त भारत अकेला ऐसा देश है जो 6.5 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत तक की ग्रोथ दर

बनाए हुए है।उन्होंने कहा, यह भारत की असली ताकत है, और इसका श्रेय देश की नीति, युवाओं की मेहनत और उद्योग जगत को जाता है। इसके साथ ही गौरव बल्लभ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरे को लेकर भी बयान दिया।

उन्होंने कहा, पीएम मोदी अभी शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) की बैठक में भाग लेने चीन गए हैं। पीएम मोदी ने पूरी दुनिया को तीन बड़ी बातें साफ-साफ कही हैं। पहली, भारत अपने किसानों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। दूसरी, भारत की आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। और तीसरी, भारत अपने निर्णय अपनी शर्तों पर लेगा। गौरव बल्लभ ने कहा कि यह नया भारत है जो दुनिया को साफ संदेश देता है कि वह विकास की राह पर किसी के दबाव में नहीं चलेगा। उन्होंने पाकिस्तान को लेकर कहा, भारत को दुनिया के किसी भी देश से कोई समस्या नहीं है, सिवाय पाकिस्तान जैसे देशों के जो आतंकवाद को पनाह देते हैं।उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भारत की विकास यात्रा और भी रफ्तार पकड़ेगी और नए लोग, नए निवेशक, और नए उद्योग इस यात्रा से जुड़ते जाएंगे। गौरव बल्लभ ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की यह ग्रोथ स्टोरी और मजबूती से आगे बढ़ेगी।

121 किलो पंचामृत से हुआ राधा-रानी का अभिषेकञ्गोविंददेवजी में राधाष्टमी पर विशेष अलंकार श्रृंगार, छप्पन भोग की झांकी सजाई

जयपुर। जयपुर के आराध्य श्री गोविंददेवजी मंदिर में रविवार को राधाष्टमी महोत्सव मनाया जा रहा है। भाद्रपद शुक्ल अष्टमी के अवसर पर आयोजित इस महोत्सव में हजारों श्रद्धालु सुबह से ही ठाकुरजी और राधारानी के विशेष दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे। सुबह ब्रह्म मुहूर्त में ठाकुर श्रीजी की मंगला झांकी के दर्शन खोले गए। इसके बाद 4ञ्45 बजे ठाकुरानी श्री प्रिया जी (राधारानी) का पंचामृत अभिषेक किया गया। महंत अंजन कुमार गोस्वामी ने तिथि पूजन किया और पांच वेदपाठी ब्राह्मणों द्वारा वेदपाठ किया गया। राधारानी जी का दूध, दही, घी, बूरा और शहद से अभिषेक किया गया, जिसके बाद महाआरती के दर्शन हुए और मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं को पंचामृत का निशुल्क वितरण किया गया। ठिकाना मंदिर के साथ श्री गोविंद धाम के

अधीनस्थ मंदिरों में भी धूमधाम से राधाष्टमी उत्सव मनाया गया। यहां कुल 121 किलो पंचामृत से अभिषेक हुआ, जिसमें 80 किलो दूध, 25 किलो दही, 10 किलो बूरा, 3 किलो घी और 3 किलो शहद शामिल था। सुबह 7:45 बजे धूप झांकी खोली गई। धूप आरती से पहले ठाकुरजी का अधिवास पूजन महंत गोस्वामी महाराज द्वारा किया गया। इस अवसर पर ठाकुर श्रीजी को नवीन पीतवर्णी (पीले रंग की) पोशाक और विशेष अलंकार श्रृंगार धारण कराया गया। भोग में पंजीरी, लड्डू और मावा की बर्फी अर्पित की गई, साथ ही छप्पन भोग की झांकी सजाई गई।

सुबह 9:30 बजे श्रृंगार झांकी के दर्शन हुए, जिसमें श्रृंगार आरती के बाद भानु उत्सव और बधाई उछाल का आयोजन किया गयासुबह 9:30 बजे श्रृंगार झांकी के दर्शन हुए, जिसमें श्रृंगार आरती के बाद भानु उत्सव और बधाई उछाल का आयोजन किया गयाश्रृंगार और फूल बंगला झांकी का रहा आकर्षण

सुबह 9:30 बजे श्रृंगार झांकी के दर्शन हुए, जिसमें श्रृंगार आरती के बाद भानु उत्सव और बधाई उछाल का आयोजन किया गया। वहीं शाम को ठाकुर श्रीजी की विशेष फूल बंगला झांकी सजाई जाएगी। यह विशेष उत्सव दर्शन झांकी शाम 7 बजे से रात 8:30 बजे तक खुलेगी, जिसमें भक्तों को ठाकुरजी का अनुपम श्रृंगार दर्शन करने का अवसर मिलेगा।121 किलो पंचामृत से राधारानी का जन्माभिषेक किया गया।121 किलो पंचामृत से राधारानी का जन्माभिषेक किया गया।मंदिर में सुबह से भजन संकीर्तन के कार्यक्रमराधाष्टमी महोत्सव की श्रृंखला में सुबह अष्टप्रहर नाम संकीर्तन का आयोजन बंगाली महिला मंडली द्वारा किया गया। वहीं संध्या समय श्री गौर गोविंद महिला मंडल संकीर्तन करेगी।

बारां में समुदाय विशेष ने रोका ञ्ज्ररू का पथ संचलन हिंदू संगठनों में आक्रोश, कलेक्टर-एसपी सहित पुलिस बल की मौजूदगी में निकाला

बारां, एजेंसी। बारां के डोल मेला ग्राउंड क्षेत्र में आरएसएस की ओर से निकाले जा रहे पथ संचालन के रास्ते को लेकर विवाद हो गया। समुदाय विशेष के लोगों ने प्यारेरामजी मंदिर के पास अंजुमन के सामने पथ संचलन को रोक दिया। पथ संचलन रोकने को लेकर हिंदू संगठनों में आक्रोश बढ़ गया। इस दौरान दोनों पक्षों में तनाव की स्थिति बन गई। स्थिति को देखते हुए बड़ी संख्या में मौके पर पुलिस बन तैनात किया गया है।समुदाय विशेष के लोगों ने रोकारविवार को आरएसएस की ओर से प्यारेरामजी मंदिर से सुबह साढ़े 11 बजे पथ संचलन निकाला जा रहा था। जो कौसर कॉलोनी से होते हुए मांगरोल दरवाजा से डोल मेला ग्राउंड तक निकाला जाना था। रवाना होने के 5 मिनट बाद अंजुमन के सामने समुदाय विशेष के लोग पथ संचलन के रास्ते को लेकर आपत्ति जताने लगे। इस दौरान मौके पर बड़ी संख्या में भीड़ एकत्रित हो गए। इसको लेकर हिंदू संगठनों में भी आक्रोश बना हुआ है।प्रशासन कर रहा समझाइशस्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने मोर्चा संभाला।

स्वस्थ राजस्थान, विकसित भारत

उदयपुर साइक्लोथोन 2025 बना युवाओं की प्रेरणा:राज्यवर्धन राठौड़

उदयपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में खेल एवं युवा मामले मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 29 से 31 अगस्त तक पूरे देश में खेल और फिटनेस से जुड़ी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इसी श्रृंखला में 31 अगस्त को उदयपुर के मोती मगरी बोटिंग प्वाइंट पर ष्ट4ष्द्यशह्लद्धशठ्ठ 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 7 बजे हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं, खिलाड़ियों, नागरिकों और फिटनेस प्रेमियों ने भाग लिया। राजस्थान सरकार के खेल एवं युवा मामले मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए सभी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने प्रतिभागियों से संवाद करते हुए कहा-ष्ट4ष्द्यशह्लद्धशठ्ठ 2025 - स्वस्थ राजस्थान और मजबूत, विकसित भारत की ओर एक अहम कदम है। खेल शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक सोच भी सिखाते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे खेल और फिटनेस को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं और इसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाएं। इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने उदयपुर में नागरिकों के साथ बोटिंग का अनुभव भी साझा किया और कहा कि फिटनेस के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

फर्जी दस्तावेज़ से जमीन हड़पने का आरोप

भाजपा जिलाध्यक्ष और पूर्व एडीसीपी पर सवालों की बौछार

जोधपुर। चौखा गांव के किसान मोहनराम द्वारा दायर एक परिवाद ने जोधपुर की राजनीति और पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। किसान का आरोप है कि भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल, एक प्रॉपर्टी डीलर और उनके साथियों ने मिलकर फर्जी दस्तावेज़ों के जरिए उसकी कृषि भूमि हड़पने की साज़िश रची। और सबसे चौंकाने वाली बात-इस पूरे प्रकरण में तत्कालीन एडीसीपी निशांत भारद्वाज पर भी मिलीभगत का आरोप लगाया गया है।

मोहनराम के अनुसार उसकी 23 बीघा 10 बिस्वा कृषि भूमि चौखा में स्थित है। इसी भूमि को हथियाने के लिए 1998 का एक फर्जी बेचान एग्रीमेंट बनाया गया। दस्तावेज़ में उनके बड़े पिता नारायणराम के हस्ताक्षर और अंगूठा निशान दिखाए गए, जबकि नारायणराम का निधन 1996 में ही हो चुका था। इतना ही नहीं, जिस एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर

बताए गए, उसमें कंप्यूटर लिपि (फॉन्ट) का उपयोग हुआ, जबकि 1998 में ग्रामीण स्तर पर ऐसे तकनीकी संसाधन आम तौर पर उपलब्ध ही नहीं थे। यह गंभीर विसंगति होने के बावजूद पुलिस ने न तो दस्तावेज़ की एफएसएल जांच करवाई और न ही इसकी प्रामाणिकता पर सवाल उठाए। उल्टा, इसी संदिग्ध कागज़ के आधार पर किसान और उसके परिवार के खिलाफ चार्जशीट पेश कर दी गई। किसान का आरोप है कि उस समय मामले की जांच तत्कालीन एडीसीपी निशांत भारद्वाज ने की। उन्होंने भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल और अन्य आरोपियों के पक्ष में काम किया। यही कारण है कि अदालत ने अब सीधे आरोपी नंबर 10 के तौर पर पूर्व एडीसीपी भारद्वाज से ही रिपोर्ट तलब की है।

अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 6 ने पहले ही इस मामले की जांच उदयमंदिर थाने को सौंप दी थी। अब अदालत ने एडीजे के आदेशों का अवलोकन करते हुए पूर्व एडीसीपी से घटनाक्रम पर विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 9 तारीख को निर्धारित की गई है।

वर्ष 2023 की तुलना में इस बार हुआ कहीं अधिक नुकसान: मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री ने चम्बा और कांगड़ा जिलों के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण ● अधिकारियों को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शनिवार को जिला चम्बा के भरमौर, मणिमहेश और अन्य आपदा प्रभावित क्षेत्रों के साथ-साथ कांगड़ा जिले में पौंग बांध से छोड़े गए पानी के कारण बाढ़ प्रभावित फतेहपुर और इंदौरा के मंड क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया। मुख्यमंत्री पठानकोट एयरफोर्स स्टेशन से भरमौर के लिए रवाना हुए, लेकिन खराब मौसम के कारण उनका हेलीकॉप्टर वहां उतर नहीं सका।

चम्बा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार द्वारा समय पर उठाए गए एहतियाती कदमों के कारण जन जीवन की हानि वर्ष 2023 की तुलना में कम हुई है, लेकिन इस बार विनाश का पैमाना कहीं अधिक है। सड़क, बिजली, पानी आपूर्ति और संचार सेवाएं 2023 की तुलना में अधिक प्रभावित हुई हैं। राज्य सरकार के समक्ष लोगों के पुनर्वास की एक बड़ी चुनौती है, जिसे हम प्रदेशवासियों के सहयोग से पार करेंगे। उन्होंने कहा कि आपदा से प्रभावित प्रत्येक परिवार के पुनर्वास के लिए प्रदेश सरकार विशेष राहत पैकेज प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी और लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह लगातार जमीनी स्तर पर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। सरकार आपदा प्रभावितों को हर संभव राहत पहुंचाने और चंबा भरमौर मार्ग में संपर्क सुविधा बाधित होने के कारण विभिन्न स्थानों पर फंसे लोगों को सुरक्षित घर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी चम्बा से पैदल ही भरमौर के लिए रवाना हुए हैं। यह दर्शाता है कि राज्य सरकार मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए संवेदनशीलता के साथ इस संकट का सामना कर रही है।

श्री सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार सड़क संपर्क बहाल करने के लिए तेजी से काम कर रही है। इसके लिए पोकलेन, जेसीबी और अन्य भारी मशीनरी तैनात की गई है। जिला प्रशासन को यथाशीघ्र सड़क संपर्क बहाल करने के निर्देश दिए गए हैं, हालांकि खराब मौसम राहत और पुनर्स्थापन कार्यों में बाधा उत्पन्न कर रहा है। भरमौर क्षेत्र में फंसे लोगों की सकुशल वापसी के लिए प्रदेश सरकार ने हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं जो मौसम की अनुकूल परिस्थिति होने पर लोगों को एयरलिफ्ट करेंगे।

भाजपा नेताओं की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे प्रभावित लोगों की मदद करने के बजाय अफवाहें फैला रहे हैं। भाजपा विधानसभा का मानसून सत्र स्थगित करने की मांग कर रही है, जबकि 2023 में यही पार्टी विधानसभा सत्र बढ़ाने की मांग कर रही थी। मणिमहेश यात्रा स्थगित करने का निर्णय मौजूदा मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया है, लेकिन कुछ लोग इस पर भी राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश देवभूमि है। हमें अपनी देव यात्राओं और मणिमहेश यात्रा पर पूर्ण आस्था है, लेकिन भाजपा नेताओं का इस पर राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रभावित लोगों के साथ खड़ी है और राहत एवं बचाव कार्यों को गति दे रही है। उन्होंने राज्य में बार-बार हो रही बादल फटने की घटनाओं के कारणों का अध्ययन करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री के साथ हुई बैठक में उन्होंने केंद्र सरकार से इस विषय पर अध्ययन करने के लिए विशेषज्ञ समिति गठित करने का आग्रह किया है। वैश्विक ऊष्मीकरण और जलवायु परिवर्तन बड़ी चुनौती बन रहे हैं और व्यापक तबाही मचा रहे हैं, इसलिए इस समस्या का गहन समाधान तलाशना जरूरी है ताकि अनमोल जीवन को बचाया जा सके। श्री सुक्खू ने चम्बा के करियां स्थित एनएचपीसी भवन में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक कर आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने फंसे हुए लोगों के लिए भोजन, पानी, आश्रय और अन्य आवश्यक सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था करने के लिए कहा। साथ ही जिला प्रशासन को क्षतिग्रस्त सड़कों को प्राथमिकता पर खोलने, विशेषकर चम्बादृभरमौर एनएच-154ए को बहाल करने और बिजली व पेयजल आपूर्ति योजनाओं को अस्थायी तौर पर बहाल करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कलसुंई क्षेत्र का दौरा भी किया और श्रद्धालुओं से बातचीत की। कलसुंई से श्रद्धालुओं को नूरपुर और पठानकोट भेजने के लिए बसों की व्यवस्था की गई हैं।

एचपीएनएलयू शिमला ने विभिन्न खेलों में उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया

शिमला । हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचपीएनएलयू), शिमला ने माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रीती सक्सेना के नेतृत्व में 29 अगस्त 2025 को राष्ट्रीय खेल दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया। एचपीएनएलयू खेल समिति द्वारा आयोजित इस समारोह में क्रिकेट, पुरुष वॉलीबॉल, महिला वॉलीबॉल, फुटसल, बैडमिंटन और टेबल टेनिस जैसे कई रोमांचक प्रदर्शन मैच खेले गए। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी छात्रों ने सक्रिय और ऊर्जावान भागीदारी की, जिससे टीम वर्क, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा मिला। इस अवसर पर, माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रीती सक्सेना ने छात्रों और संकाय सदस्यों को फिट इंडिया शपथ भी दिलाई, जिससे परिसर में फिटनेस, कल्याण और स्वस्थ जीवन की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई। राष्ट्रीय खेल दिवस प्रतिवर्ष 29 अगस्त को महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिन्हें भारत के महानतम खेल दिग्गजों में से एक माना जाता है। यह दिवस एक स्वस्थ और अधिक सुसंगठित समाज के निर्माण में खेल और शारीरिक गतिविधियों के महत्व को उजागर करता है। प्रदर्शनी मैचों ने न केवल छात्रों के खेल कौशल का प्रदर्शन किया, बल्कि समग्र शिक्षा के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को भी पुष्ट किया।

कुपोषण मुक्त समाज निर्माण के लिए सभी विभाग करें समन्वित प्रयास: अतिरिक्त उपायुक्त

12 सितम्बर से 11 अक्तूबर तक मनाया जाएगा पोषण माह, एडीसी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

धर्मशाला । पोषण माह के अंतर्गत जिला कांगड़ा में विविध गतिविधियों को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने के लिए आज अतिरिक्त उपायुक्त कांगड़ा विनय कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। डीसी कार्यालय के एनआईसी कक्ष में आयोजित इस बैठक में 12 सितम्बर से 11 अक्तूबर तक चलने वाले पोषण माह को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। एडीसी विनय कुमार ने कहा कि समाज और देश के बेहतर भविष्य के लिए हम सबको कुपोषण को जड़ से मिटाने के लिए काम करना होगा। उन्होंने कहा कि कुपोषण मुक्त समाज के निर्माण के लिये आवश्यक है कि सभी विभाग अपने स्तर पर समन्वित प्रयास करें।

उन्होंने सभी विभागों को इसके लिए साथ मिलकर काम करने के निर्देश दिए, और पोषण के बारे में आम समाज के बीच जागरूकता फैलाना पर भी जोर दिया। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि पोषण अभियान तभी सफल होगा जब समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अन्य विभागों के सहयोग से इस दौरान पोषण को लेकर विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को इस दौरान छः वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं तथा किशोर लड़कियों में कुपोषण और एनीमिया से निपटने के लिए व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए। पोषण पखवाड़े में होने वाली गतिविधियों की जानकारी लेते हुए उन्होंने इसके व्यापक प्रचार प्रसार करने को भी कहा ताकि सभी लोग पोषण पखवाड़े में बढ़ चढ़कर भाग ले सकें। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि गर्भधारण के बाद से पहले हजार दिनों तक गर्भवतीधात्री महिला और शिशु का आहार पोषण के भरपूर होना चाहिए। यदि हम पहले हजार दिन में पोषण को लेकर सजग रहे तो आगे की यात्रा आसान हो जाएगी क्योंकि जब नींव मजबूत होती है तो आगे के विकास की चिंता करने की अधिक आवश्यकता नहीं होती है और बढ़ती उमर में बच्चों के विकास में कोई रूकावट नहीं आती।

उन्होंने कहा कि पोषण माह के दौरान उच्च शिक्षा संस्थानों में वाद-विवाद एवं मैराथन जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनका मुख्य विषय पोषण रहेगा। साथ ही पोषण क्विज एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रारम्भिक शिक्षा संस्थानों में पोषण भी-पढ़ाई भी की तर्ज पर नई शिक्षा नीति के तहत नवचेतना एवं आधारशिला कार्यक्रम लागू किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त पोषण क्विज एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। विद्यालयों में बच्चों को कृमिनाशक दवाओं का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस दौरान लोगों को खाद्य लेबल पढ़ने, मिलावट से बचने तथा जंक फूड के नुकसान के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसके साथ ही खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों का नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा और पीडीएस के माध्यम से आयरन, फोलिक एसिड एवं विटामिन बी-12 युक्त फोर्टिफाइड चावल का वितरण बढ़ावा दिया जाएगा।

इसके अलावा उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण वाटिका विकसित करने के लिए उद्यान एवं आयुष विभाग व महिला एवं बाल विकास विभाग को साथ काम करने के निर्देश दिए ताकि बच्चों में प्रकृति प्रेम के साथ ही पेड़-पौधों के प्रति जागरूकता उत्पन्न हो। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) अशोक कुमार शर्मा, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. सूद, जिला समन्वयक (पोषण अभियान) अखिल वर्मा सहित जिले से समस्त सीडीपीओ और महिला एवं बाल विकास विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

विधायक केवल पठानिया ने केटलू और खरीडी में हालात का लिया जायजा

● आपदा प्रभावितों को हर संभव सहायता दिलाई जाएगी : केवल सिंह पठानिया ● राहत कार्यों में तेजी और अवैध खनन पर सख्ती के निर्देश ● पूर्व सैनिक लीग ने आपदा राहत कोष में 1.51 लाख का योगदान किया

शाहपुर । शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने आज विधानसभा क्षेत्र के बरसात से प्रभावित क्षेत्रों केटलू, कैंटनाला तथा धारकण्डी के खरीडी का दौरा कर नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। केटलू में भारी वर्षा से गज खड्ड का पानी सड़क पर आने से ग्रामीणों में भय का माहौल रहा। लोगों ने अवैध खनन को जिम्मेदार ठहराया। इस पर विधायक ने लोक निर्माण विभाग को एक माह के भीतर डंगा निर्माण का प्राकलन तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीणों से अवैध खनन पर नजर रखने और सूचना देने का आह्वान किया।

धारकण्डी के खरीडी में उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर हर संभव सहायता देने के निर्देश दिए। यहां सड़क धंसने से जीवन कुमार के घर, दुकान और गौशाला को नुकसान हुआ है। विधायक ने खरीडी-छतरेल सड़क की मरम्मत हेतु निरीक्षण और आवश्यक कदम उठाने के आदेश भी दिए। इससे पूर्व रैत कांग्रेस कार्यालय में पूर्व सैनिक लीग शाहपुर ने मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष के लिए 1,51,000 रुपए का चेक विधायक को भेंट किया। केवल पठानिया ने पूर्व सैनिक लीग को कंप्यूटर खरीदने हेतु 51,000 का चेक प्रदान किया। रैत में उन्होंने लोगों की समस्याएं भी सुनीं और अधिकांश का मौके पर समाधान किया। शेष मामलों को त्वरित कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों को भेज दिया।

इस अवसर पर एसडीएम शाहपुर करतार चंद, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण अंकज सूद, अधिशासी अभियंता जलशक्ति अमित डोगरा, अधिशासी अभियंता विद्युत अमित शर्मा, सहायक अभियंता जलशक्ति रज्जाक मोहम्मद, उपमुख्य सचेतक के सलाहकार विनय, जेई करनैल, जेई राजीव शर्मा, एसएचओ शाहपुर करतार सिंह, कांग्रेस नेता ओंकार राणा, जिप सदस्य रितिका शर्मा, धारकण्डी कांग्रेस प्रधान शशी शर्मा, इकबाल मिनटा, पूर्व बीडीसी सदस्य अक्षय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शिमला अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का 11वां संस्करण - फ़ारसी फ़िल्म इलेक्ट्रान होगी उद्घाटन फ़िल्म

● पद्मश्री डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी और चर्चित अभिनेत्री छाया कदम होंगे विशेष अतिथि ● 43 देशों और 23 भारतीय राज्यों की भागीदारी, तीन दिनों में दिखाई जाएँगी 163 फ़िल्में

शिमला। बहुप्रतीक्षित 11वां अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, शिमला (IFFS) आगामी 5 से 7 सितंबर 2025 तक आयोजित होने जा रहा है। इस महोत्सव का शुभारंभ ईरान के प्रसिद्ध निर्देशक मेहरान रंजबर द्वारा निर्देशित फ़ारसी फ़िल्म ÷इलेक्ट्रान÷ के प्रदर्शन से होगा। इस वर्ष महोत्सव में सुप्रसिद्ध निर्माता-लेखक पद्मश्री डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी और चर्चित अभिनेत्री छाया कदम विशेष अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। उनकी उपस्थिति से महोत्सव का सांस्कृतिक वैभव और रचनात्मक ऊर्जा और भी समृद्ध होगी। इस बार महोत्सव में 43 देशों और 23 भारतीय राज्यों से फिल्मकार अपनी प्रतिभा लेकर शिमला पहुँचेंगे। तीन दिनों तक चलने वाले इस भव्य आयोजन में 163 फिल्मों का प्रदर्शन किया खास बात यह है कि इन फिल्मों के निर्देशक भी मौजूद रहेंगे और दर्शकों के साथ सीधे बातचीत करेंगे। इससे शिमला में पहली बार विश्व सिनेमा, भारतीय कहानियों और दमदार डॉक्यूमेंट्रीज़ का ऐसा अनुभव मिलेगा, जो दर्शकों के लिए यादगार साबित होगा। स्क्रीनिंग के लिए इस बार पाँच स्थलों का चयन किया गया है। गेयटी थिएटर, शिमला में तीन स्क्रीन लगाई जाएँगी, जबकि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, समरहिल में छात्रों हेतु विशेष प्रदर्शन होंगे। इसी तरह मॉडल सेंट्रल जेल, कंडा (शिमला), मॉडल सेंट्रल जेल, नाहन (सिरमौर) और किशोर गृह, शिमला में कैदियों के लिए भी विशेष स्क्रीनिंग होगी। इसके अलावा गेयटी थिएटर के एक हॉल में ÷बचपन÷ श्रेणी के तहत विशेष स्क्रीनिंग आयोजित होगी। इसमें स्कूली बच्चों के साथ-साथ ढली स्थित विशेष रूप से सक्षम बच्चों के विद्यालय के विद्यार्थियों को भी आमंत्रित किया गया है, ताकि वे सिनेमा का यह अनूठा अनुभव साझा कर सकें। महोत्सव का आयोजन हिमालयन वेलोसिटी द्वारा किया जा रहा है, जिसमें भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथा हिमाचल प्रदेश सरकार के भाषा एवं संस्कृति विभाग का सहयोग है। बीते वर्षों में इस आयोजन ने लोकप्रियता के नए आयाम स्थापित किए हैं।

इस बार महोत्सव में अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय श्रेणियों में प्रतियोगिताएँ होंगी। इसके अतिरिक्त फिल्म संस्थानों के विशेषज्ञों, समीक्षकों और उद्योग से जुड़े दिग्गजों के साथ संगोष्ठी एवं कार्यशाला सत्र भी आयोजित किए जाएँगे। लगभग 60 स्वतंत्र निर्देशक, जिनकी फ़िल्में चयनित हुई हैं, भी तीन दिवसीय इस आयोजन में शिरकत करेंगे। अंतरराष्ट्रीय श्रेणी में चीन, नीदरलैंड, स्पेन, लेबनान, ऑस्ट्रेलिया, इटली, रूस, कोरिया गणराज्य, अमेरिका, ताइवान, मैक्सिको, यूएई, ईरान, ब्रिटेन, कनाडा, मोरक्को, जॉर्जिया, वेनेज़ुएला, क्यूबा, बांग्लादेश, पोलैंड, स्विट्ज़रलैंड, फ़िनलैंड, पुर्तगाल, यूक्रेन, नेपाल, ट्यूनीशिया, घाना, सेनेगल, टोगो, गिनी-बिसाउ, लातविया, ग्रीस, माली, फ़िलिस्तीन, थाईलैंड, बोस्निया एंड हर्ज़ेगोविना, क्रोएशिया, हंगरी, साइप्रस, न्यूज़ीलैंड और तुर्की सहित 43 देशों के फिल्मकार शामिल हैं। भारतीय श्रेणी में महाराष्ट्र, हरियाणा, असम, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, ओडिशा, गुजरात, दिल्ली, मणिपुर, केरल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु, गोवा, आंध्र प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के फिल्मकार भाग ले रहे हैं। महोत्सव निदेशक पुष्प राज ठाकुर ने कहा कि इस वर्ष ÷इलेक्ट्रान÷ उद्घाटन फ़िल्म के रूप में प्रदर्शित की जाएगी।

कुल्लू जिला में प्रभावित कुल 506 में से 432 पेयजल योजनाएं बहाल: उप-मुख्यमंत्री

शिमला । उप–मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने आज जिला कुल्लू में जल शक्ति विभाग के अधिकारियों के साथ आपदा प्रभावित पेयजल परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि हाल में आई आपदा से कुल्लू जिला बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसके चलते जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। इस दौरान जल शक्ति विभाग की 708 योजनाओं में से 506 योजनाएं प्रभावित हुई हैं। उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारी और कर्मचारी दिन–रात इन योजनाओं की बहाली कार्यों में लगे हैं, ताकि स्थानीय लोगों एवं पर्यटकों को जल्द से जल्द राहत प्रदान की जा सके।

नशे की समस्या से निपटने के लिए परिवार, समाज और प्रशासन मिलकर करें कार्य: विनय कुमार

धर्मशाला । जिला कांगड़ा में नशे की रोकथाम संबंधी एक बैठक का आयोजन आज अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार की अध्यक्षता में किया गया। अतिरिक्त उपायुक्त ने बैठक में कहा कि नशे की समस्या से निपटने के लिए परिवार, समाज और प्रशासन को मिलकर कार्य करना होगा। एनआईसी सभागार में आयोजित राष्ट्रीय नार्को समन्वय पोर्टल (एनकॉर्ड) की इस बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वीर बहादुर और एडीएम शिल्पी बेक्टा भी उपस्थित रहीं। अतिरिक्त उपायुक्त ने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि बच्चों और युवाओं को सही समय पर नशे से रोकना अत्यंत आवश्यक है। समय रहते उन्हें जागरूक करने से वे इस बुरी लत का शिकार होने से बच सकते हैं। अतिरिक्त उपायुक्त ने सभी विभागों को नशा मुक्ति अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए संयुक्त प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज ही स्वस्थ, सक्षम और समृद्ध समाज की नींव रख सकता है।

अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि नशे की रोकथाम के लिए एक पूरी तरह समर्पित जागरूकता अभियान जिले में चलाया जाये। उन्होंने कहा कि सभी विभाग और गैर सरकारी संस्थाएं मिलकर जागरूकता सामग्री तैयार करें। उन्होंने इस क्षेत्र में काम कर रही गैर सरकारी संस्थाओं को इस बारे विस्तृत परियोजना बनाने के निर्देश दिए। अतिरिक्त उपायुक्त ने बैठक में अधिकारियों से जिले में चल रहे निजी क्षेत्र के नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों के निरीक्षण को लेकर की गई कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने जिले में सरकारी नशा मुक्ति और पुनर्वास केंद्रों की क्षमता को बढ़ाने के निर्देश दिये।

अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार ने कहा कि जिले के स्कूलों में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता अभियान में गंभीर प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूलों में निर्मित प्रहरी क्लब को एक्टिव किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रहरी क्लब के इंचार्ज की जिम्मेदारी ऐसे शिक्षक को दी जाए जो इस विषय को लेकर गंभीर है और जिसकी बच्चों में भी स्वीकार्यता है। इस अवसर पर एडीएम शिल्पी बेक्टा ने संवाद (एस.ए.एम.वी.ए.ए.डी. - सिस्टेमैटिक अडोलसेंट मैनेजमेंट एंड वैल्यू एडीशन डायलॉग) कार्यक्रम के बेहतर कार्यान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की स्कूली बच्चों से जुड़ी शिक्षा व जागरुकता गतिविधियों को कन्वर्जेंस के साथ निर्धारित शेड्यूल के मुताबिक चलायी जाती हैं। उन्होंने इसे लेकर संबंधित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को निरंतर बच्चों के बीच जाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वीर बहादुर ने कहा कि जिले में नशे के कारोबार को नियंत्रित करने और युवा को इससे बाहर निकालने के लिए सबकी सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नशे की जाल में फंस चुके युवा तथा उनके परिवार इसकी जानकारी पुलिस प्रशासन को बिना किसी झिझक के दें। उन्होंने कहा कि पुलिस उनको इससे बचाने और नशे के कारोबार को नियंत्रित करने में पूर्ण सहयोग करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि कोई भी नागरिक नशे से संबंधित शिकायत या जानकारी देने के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1933, 1908 और 14446 पर संपर्क कर सकता है शिकायत या जानकारी देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जो बच्चे और युवा नशे की लत में आ चुके हैं, उनके लिए डि-एडिक्शन (नशा मुक्ति) केंद्रों में उपचार एवं पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही स्कूलों, कॉलेजों और पंचायत स्तर पर नियमित जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे, ताकि समाज में नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी व्यापक रूप से पहुंच सके। बैठक में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश सूद, उप निदेशक कृषि डॉ. कुलदीप धीमान, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, विभिन्न एनजीओ के प्रतिनिधि और जिले के सभी डीएसपी और बीएमओ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित रहे।

महाविद्यालयों व विद्यालयों में अगले सत्र से बागवानी को व्यावसायिक विषय के रूप में किया जाएगा आरम्भ: शिक्षा मंत्री

प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप बागवानी पाठ्यक्रम तैयार करने के निर्देश

शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने आज यहां कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) और हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान प्रदेश के विद्यालयों और महाविद्यालयों में अगले शैक्षणिक सत्र से बागवानी को व्यावसायिक विषय के रूप में शुरू करने का निर्णय लिया गया।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि बागवानी क्षेत्र हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है जो सेब, आम, नींबू प्रजाति के फलों और अन्य फलोत्पादन के माध्यम से प्रदेश की आर्थिकी को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। कक्षा 9वीं से 12वीं और आगे स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर बागवानी विषय को शामिल करने से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक ज्ञान, व्यावहारिक कौशल और उद्यमशीलता की भावना विकसित होगी। इससे विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के साथ-साथ फल उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और संबद्ध उद्योगों में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

रोहित ठाकुर ने शिक्षा विभाग को मंत्रालय द्वारा मांगी गई सभी औपचारिकताएं शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए ताकि यह पाठ्यक्रम अगले शैक्षणिक सत्र से लागू हो सके। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर पर ही बागवानी की पढ़ाई शुरू करने से बच्चों में खेती, पर्यावरण संतुलन और राज्य की समृद्ध कृषि परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित होगी। हिमाचल की लगभग 90 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, ऐसे में बच्चों को बागवानी को सिर्फ आजीविका नहीं बल्कि एक आधुनिक, लाभकारी और सम्मानजनक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश हमेशा आग्रणी रहा है, जिसका प्रमाण असर, परख और एनएएस सर्वेक्षणों के सकारात्मक परिणामों में दिखे हैं। अब प्रदेश को कौशल आधारित शिक्षा की दिशा में भी मजबूती से आगे बढ़ने के लिए भी समान प्रतिबद्धता दिखानी होगी। बागवानी का समावेश कक्षा की पढ़ाई और व्यवहारिक कार्यानुभव के बीच की दूरी कम कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करके अन्य राज्यों के लिए उदाहरण बनेगा।

उन्होंने कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय से आग्रह किया कि पाठ्यक्रम हिमाचल की विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार तैयार किया जाए। उन्होंने शिक्षकों को कृत्रिम मेधा (एआई) का प्रशिक्षण देने पर भी बल दिया, ताकि वे आधुनिक तकनीकों को शिक्षा में प्रभावी ढंग से शामिल कर सकें।

राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) की कार्यकारी सदस्य नीना पाहुजा ने प्रदेश को मंत्रालय की ओर से हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि एनसीवीईटी हिमाचल के लिए उपयुक्त मॉडयूल तैयार करने में मदद करेगा। इस अवसर पर एनसीवीईटी ने एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग, समग्र शिक्षा अभियान और स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपने सुझाव साझा किए। समग्र शिक्षा के परियोजना निदेशक राजेश शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा और पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए कार्य योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. अमरजीत शर्मा, स्कूल शिक्षा निदेशक आशीष कोहली और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे।

जिला प्रशासन द्वारा आपदा प्रभावितों के खातों में पहुंचाई गई 19129000 की राशि

दन्तेवाड़ा (निप्र)। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार अतिवर्षा पीड़ितों को तात्कालिक राहत पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन मिशन मोड में जुटा हुआ है फिर चाहे वह फसल, पशु, मकान क्षति के मुआवजा प्रकरण हो या फिर पेयजल, चिकित्सा या विद्युत व्यवस्था बहाल करना हो। इस संबंध में कलेक्टर कुणाल दुदावत द्वारा संबंधित विभागों को निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

इसके तहत बाढ़ प्रभावित समस्त गांव में मकान क्षति, फसल क्षति, पशु हानि एवं जनहानि का सर्वेक्षण कर लिया गया है तथा आंशिक एवं पूर्ण मकान क्षति का ग्राम बड़े तुमनार, बांगापाल, बालपेट एवं बालूद का 1.91.29.000.00 रूपये (शब्दों में-एक करोड़ इक्यानवे लाख उनतीस हजार रूपये) का मुआवजा प्रकरण तैयार किया जा चुका है। उक्त प्रकरण में से ग्राम बालपेट में 19 लोगों के खाते में कुल 22,80,000.00 रूपये (शब्दों में बाईस लाख अस्सी हजार रूपये) तथा गीदम तहसील अंतर्गत ग्राम बड़े तुमनार में 46 प्रभावितों को एवं ग्राम बांगापाल में 68

प्रभावितों को कुल 114 प्रभावितों को 93,93,000.00 रूपये (तिरानबे लाख तिरानबे हजार रूपये) डीबीटी के माध्यम से प्रभावितों के बैंक खातों में वितरण किया गया है। शेष सभी प्रभावित ग्रामों में प्रभावितों को फसल क्षति, मकान क्षति, पशु हानि एवं जनहानि की मुआवजा की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है और शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जायेगा। इस क्रम में आज ग्राम बालपेट में डेमो चेक वितरण के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, महिला आयोग सदस्य ओजस्वी मंडावी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुजाम, जनपद पचायत अध्यक्ष सुनीता भास्कर सहित अन्य जनप्रतिनिधि गण मौजूद रहे।

ज्ञात हो कि 26 अगस्त 2025 को जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा में अतिवृष्टि के कारण निर्मित बाढ़ आपदा से कुल 27 गांव प्रभावित हुए। जिसमें तहसील दंतेवाडा अन्तर्गत ग्राम बालपेट, बालूद, चितालंका, दंतेवाड़ा एवं नेटापुर तहसील गीदम अन्तर्गत ग्राम हारम, बांगापाल, फुण्डरी, बोदली, बिंजाम, झोड़ियाबाड़म, सियानार, समलूर, बड़े सुरोखी, बडे तुमनार एवं कारली। तहसील बारसूर अन्तर्गत ग्राम हितामेटा, नेउरनार, नेलगोड़ा, मुचनार, छिन्दनार, मुस्तलनार, गुमलनार, पुरनतरई, एवं इड़पाल। तहसील बडेबचेली अन्तर्गत ग्राम गंजेनार, एवं कड़मपाल मुख्य रूप से प्रभावित हुए। इसके अलावा अन्य कुल ग्राम भी आंशिक रूप से प्रभावित हुए हैं। इस बाढ़ से कुल 23 नग पुल-पुलिया आंशिक एवं पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गए या बह गए। जिले में बाढ़ में फसे कुल 113 व्यक्तियों को रेस्क्यू किया गया। बाढ़ पश्चात् दूसरे दिन मकान क्षत गिर जाने से 01 जनहानि हुआ है। कुल 941 मकान आंशिक एवं पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गए एवं 220 पशु हानि हुए।

इस संबंध में जिला प्रशासन द्वारा तत्काल राहत एवं बचाव का कार्य प्रारंभ किया गया। 27 अगस्त 2025 को 26 राहत शिविरों में कुल 1116 लोगों को ठहराया गया था। आज 30 अगस्त 2025 की स्थिति में ग्राम समलूर, कुण्डेनार, नमनार, कारली, फुण्डरी, बारसूर, हितामेटा, इंडोर स्टेडियम दन्तेवाड़ा एवं आश्रय स्थल दन्तेवाड़ा के राहत शिविरों में कुल 277 लोगों को ठहराया गया है एवं गर्म भोजन की व्यवस्था की जा रही है। प्रभावित परिवारों को राहत किट का वितरण किया गया है जिसमें सूखा राशन चावल, दाल, तेल, मसाले, बड़ी एवं कंबल, गाउन, टी-शर्ट, निक्कर शामिल है। अभी तक कुल 1826 राहत किट का वितरण किया जा चुका है।

इसके साथ हीप्रभावित, क्षतिग्रस्त पुल-पुलिया एवं सड़क का आंकलन कर लिया गया है। दन्तेवाड़ा शहर के अधिकांश वार्डों में पेयजल की व्यवस्था बहाल कर लिया गया है तथा कुछ वाडों में मरम्मत के पश्चात् बहाल कर लिया जायेगा, ऐसे स्थानों में पानी टेंकर के माध्यम से पेय जल आपूर्ति की जा रही है। कुल 56 गांव में बाढ़ के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित हुई थी जिसमें से 53 गांव में विद्युत आपूर्ति बहाल कर ली गई है तथा 03 गांव में शीघ्र बहाल कर लिया जायेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को कंवर समाज प्रतिनिधिमंडल ने दी बधाई एवं करमा तिहार के लिए आमंत्रण

रायपुर (निप्र)। जापान और दक्षिण कोरिया प्रवास से लौटने के उपरांत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से कंवर समाज के प्रदेश अध्यक्ष हरवंश मिरी एवं महासचिव नकुल चंद्रवंशी के नेतृत्व में समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री निवास में भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री साय एवं उनकी धर्मपत्नी कौशिल्या साय को बधाई दी। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री साय को आगामी भादो एकादशी पर्व पर आयोजित होने वाले करमा तिहार के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। यह आयोजन दिनांक 03 सितम्बर 2025 को नवा रायपुर, अटल नगर स्थित नवीन मुख्यमंत्री निवास परिसर में संपन्न होगा।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कंवर समाज के उपाध्यक्ष थानसिंह दीवान, कोषाध्यक्ष बसंत दीवान, कार्यकारिणी सदस्य शिवकुमार कंवर, महानगर इकाई के कार्यवाहक अध्यक्ष मनोहर पैंकरा, सचिव मनहरण चंद्रवंशी, सदस्य हेमलाल कंवर सहित युवा कंवर प्रभाग के युवा संरक्षक तीरमेंद्र सिंह कंवर एवं दुकेश कंवर भी उपस्थित थे।

आदि कर्मयोगी अभियान का शुभारंभ 1 सितंबर से

राजनांदगांव (निप्र)। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा जनजातीय अंचलों में सरकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए %%आदि कर्मयोगी अभियान-रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रोग्राम के तहत राजनांदगांव जिले में 1 सितंबर 2025 से श्री रजवाड़ा होटल एण्ड रेस्टोरेंट में डिस्ट्रिक्ट प्रोग्रेसिव लैब की शुरूआत की जा रही है। यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जनजातीय समुदायों के विकास के लिए एक प्रभावी रोडमैप तैयार करना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, पीएचई, पंचायत, वन, राजस्व एवं आदिवासी विभाग के कर्मचारियों के साथ गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के कुल 40 प्रतिभागी शामिल होंगे। सेवा पर्व एवं आदि कर्मयोगी अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए, राजनांदगांव जिले के 105 गांवों का चयन किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनरों को जनजातीय विकास के विभिन्न पहलुओं और सरकारी योजनाओं के कुशल क्रियान्वयन के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

शिवनाथ शुक्ल की नई कहानी निर्गुण की सगुन का प्रसारण 1 सितम्बर कोसुपरिचित कथाकार एवं पत्रकार

दुर्ग (निप्र)। सोमवार, 1 सितम्बर 2025 को प्रातः 8:30 बजे साहित्यिक कार्यक्रम कथायन के अंतर्गत किया जाएगा। इस कहानी में लेखक ने आज के समय के डगमगाते और असंतुलित होते दाम्पत्य जीवन का गहन चित्र खींचा है। विभिन्न संस्कारों और परिवेश में पले-बढ़े पति-पत्नी के बीच जीवन-दृष्टिकोण का टकराव कैसे धीरे-धीरे रिश्ते को टूटन की ओर ले जाता है, यह कहानी उसी की मार्मिक अभिव्यक्ति है। पति, पत्नी को केवल घरेलू कार्यों तक सीमित रखना चाहता है, वहीं पत्नी चाहती है कि वह भी आगे बढ़े, उच्च शिक्षा प्राप्त करे और अफसर बने। विचारों की यही भिन्नता तकरार में बदल जाती है और उनका दाम्पत्य जीवन टूटन के कगार पर पहुँच जाता है।। परंतु प्रश्न यह है कि क्या सचमुच उनका वैवाहिक बंधन टूट जाता है? क्या दोनों की आत्माएँ एक-दूसरे से विलग हो पाती हैं? इन प्रश्नों का उत्तर श्रोता तभी जान पाएंगे जब वे सुनेंगे यह मार्मिक और जीवन के यथार्थ से जुड़ी कहानी—%निर्गुण की सगुन।%

एग्रीस्टेक पोर्टल में 1 लाख 17 हजार 512 किसानों ने कराया कृषक पंजीयन

राजनांदगांव (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के लिए एग्रीस्टेक के तहत कृषक पंजीयन हेतु राजस्व, कृषि एवं सहकारी विभाग को निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में आज कृषक पंजीयन के अंतिम दिवस जिले के लगभग 94 प्रतिशत किसानों ने कृषक पंजीयन करा लिया है। कुल 1 लाख 17 हजार 512 किसानों ने एग्रीस्टेक के अंतर्गत कृषक पंजीयन कराया है। जिले में कृषि विभाग द्वारा मिशन मोड में कृषक पंजीयन के लिए कृषक जोड़ो अभियान चलाया गया था। जिले में एग्रीस्टेक पोर्टल फॉर्मर रजिस्ट्री के तहत कृषक पंजीयन के लिए कृषक जोड़ो अभियान के

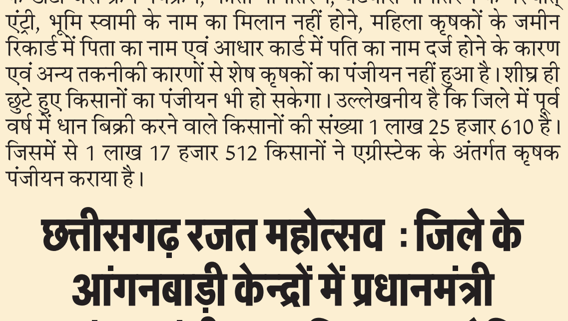

तहत लगातार कृषकों का पंजीयन कराने के लिए जागरूक किया गया। छूटे हुए किसानों का पंजीयन कराने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए पाम्पलेट, पोस्टर के माध्यम से भी जानकारी दी गई।

शेष किसानों का पंजीयन तकनीकी दिक्कतों का कारण नहीं हो सका है। जिसमें फार्मर रजिस्ट्री बेबपोर्टल में अपलोड डाटा वर्तमान में राजस्व रिकार्ड के डाटा जैसे क्रय-विक्रय, फौती नामांतरण, बंटवारा नामांतरण के पश्चात् एंट्री, भूमि स्वामी के नाम का मिलान नहीं होने, महिला कृषकों के जमीन रिकार्ड में पिता का नाम एवं आधार कार्ड में पति का नाम दर्ज होने के कारण एवं अन्य तकनीकी कारणों से शेष कृषकों का पंजीयन नहीं हुआ है। शीघ्र ही छूटे हुए किसानों का पंजीयन भी हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि जिले में पूर्व वर्ष में धान विक्री करने वाले किसानों की संख्या 1 लाख 25 हजार 610 है। जिसमें से 1 लाख 17 हजार 512 किसानों ने एग्रीस्टेक के अंतर्गत कृषक पंजीयन कराया है।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव : जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों में प्रधानमंत्री मातृवंदना पंजीयन अभियान आयोजित

बालोद (निप्र)। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर आज महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एकीकृत बाल विकास परियोजना देवरी सेक्टर देवरी के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रधानमंत्री मातृवंदना पंजीयन अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी गर्भवती, शिशुवती माताएं एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित हुए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के बारे में जानकारी दी गई। प्रथम गर्भावस्था में 5000 रुपए की राशि दो किश्तों में देय होती है एवं द्वितीय संतान बालिका हेतु राशि 6000 एक मुस्त दी जाती है। पात्र हितग्राहियों का पंजीयन भी किया गया तथा इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं पोषण पर भी चर्चा की गई।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव : गुण्डरदेही में मेगा हेल्थ कैंप का हुआ आयोजन

बालोद (निप्र)। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर आज एकीकृत बाल विकास परियोजना गुण्डरदेही के अंतर्गत महतारी मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया।

महतारी मेगा हेल्थ कैंप में आज विभिन्न ग्रामों से आए हुए 221 महिलाओं का स्वास्थ्य जांच किया गया। जिसमें महिलाओं का बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन, नेत्र एवं दंत जांच एवं स्वास्थ्य जांच कर दवाइयों का वितरण किया गया। विशेष आवश्यकता वाले महिलाओं का एक्सरे, सोनोग्राफी भी करवाया गया। बुजुर्ग महिलाओं को उनके आवश्यकता अनुसार विटामिन का सिरप, आयरन, कैल्शियम का दवाई भी दिया गया। उक्त कार्यक्रम में विधायक कुंवर सिंह निषाद, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रमोद जैन, जनपद पंचायत अध्यक्ष पुरुषोत्तम चंद्राकर आदि उपस्थित थे।

ई-कोर्ट फाइलिंग पर दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

दुर्ग (निप्र)। न्यायिक प्रक्रिया को डिजिटल और अधिक सुगम बनाने की दिशा में दुर्ग जिला न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की स्टेट ज्यूडिशल अकेडमी के तत्वाधान एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय दुर्ग में अधिवक्ताओं हेतु ई-कोर्ट प्रोग्राम व कंप्यूटर स्किल एन्हांसमेंट प्रोग्राम (लेवल 1 एवं 2) विषय पर 29 एवं 30 सितंबर को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जिला न्यायालय दुर्ग के नवीन सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें जिला मुख्यालय दुर्ग, तहसील न्यायालय धमधा, भिलाई -3 एवं पाटन के नामित अधिवक्ताओं ने भाग लिया।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिवक्ताओं को न्यायालयीन कार्यप्रणाली में तकनीकी साधनों का बेहतर उपयोग सिखाना, ई-कोर्ट मैनेजमेंट, डिजिटल फाइलिंग एवं ऑनलाइन न्यायिक सेवाओं से जोड़ना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ न्यायालय प्रबंधक ने अधिवक्ताओं को ई-फाइलिंग की प्रक्रिया और उसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने समझाया कि किस प्रकार अधिवक्ता तकनीक का उपयोग कर अपने कार्य को और तेज, पारदर्शी एवं प्रभावी बना सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले समय में ई-फाइलिंग और डिजिटल कार्यप्रणाली न्याय व्यवस्था की रीढ़ साबित होगी। इसके जरिए समय और श्रम की बचत के साथ-साथ मामलों का शीघ्र निपटारा भी संभव होगा। इसके अतिरिक्त प्रकरणों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किस प्रकार उपस्थिति दर्ज की जा सकती है, इसके लाभ एवं प्रक्रिया के बारे में भी अवगत कराया गया।

प्रतिभागी अधिवक्ताओं ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से उन्हें उनके रोजमर्रा के कामों को तकनीक के सहयोग से त्वरित गति से कैसे किया जा सकता है के संबंध में जानकारी हुई और इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन आगे भी किए जाने की आवश्यकता बताई गई।

कुलपति, छ.ग. स्वामी तकनीकी विश्वविद्यालय के मुख्य आतिथ्य में परिचयात्मक कार्यक्रम का शुभारंभ

दुर्ग (निप्र)। उदय प्रसाद उदय शासकीय पॉलीटेक्निक, दुर्ग में नव प्रवेशित छात्र/छात्राओं के लिए 03 सप्ताह का परिचयात्मक कार्यक्रम औपचारिक रूप से माननीय कुलपति, छ.ग. स्वामी तकनीकी विश्वविद्यालय डॉ. अरूण अरोरा की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने छात्र/छात्राओं को प्रेरणादायक आशीर्वचन प्रदान किये।

कुलपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रथम सेमेस्टर में एनईपी सिलेबस में ऐसे विषयों को सम्मिलित किया गया है जिससे विद्यार्थी भारत की संस्कृति को जान सके। साथ ही मुख्य अतिथि ने छात्र/छात्राओं को अंतरविषयी उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ने की सलाह दी, साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भविष्य में एआई का समय रहेगा, जिसके फलस्वरूप हमें अपने आप को सक्षम करना है। इसमें एक पहल यह रहेगी की उद्योग जगत से लोगों को बुलाकर सेमीनार करवाया जाये तथा इसमें तीन समस्याएं छात्रों के लिए छोड़ने के लिए कहा जाये, तत्पश्चात् छात्र उन समस्याओं का समाधान खोजें। साथ ही फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया जाये ताकि शिक्षकों को भी नवीनतम तकनीकों और उद्योग की जरूरतों के बारे में जानकारी मिल सकं।इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य प्रकाश कुमार पाण्डेय द्वारा अपने स्वागत उद्बोधन में छात्र/छात्राओं से आज से ही अपने लक्ष्य को निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने भविष्य के लिए तीन रास्ते सुझाए-उच्च शिक्षा, रोजगार और खुद का व्यवसाय। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तीसरा मार्ग कठिन जरूर है पर इससे आप और भी लोगों को रोजगार प्रदान कर पायेंगे। इस अवसर पर प्रथम सेमेस्टर के प्रभारी डॉ. रचना सिंह द्वारा संस्था की विस्तृत जानकारी एक पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रदान की गयी।इस कार्यक्रम का सफल आयोजन प्रथम सेमेस्टर के इंडक्शन प्रोग्राम के आयोजन समिति के सदस्य डॉ. राखी जंघेल, व्याख्याता-अंग्रेजी, वर्षा वर्मा, व्याख्याता- रसायन डॉ. अर्चना साहू व्याख्याता- रसायन एवं कु. टिकेश्वरी साहू व्याख्याता- मेकेनिकल द्वारा किया गया। साथ ही एनएसएस प्रभारी प्रदीप राजपूत, व्याख्याता-इलेक्ट्रानिक्स, एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट मनोज चंद्राकर एवं एनएसएस और एनसीसी कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। अंत में धन्यवाद ज्ञापन सीमा दिल्लीवार, व्याख्याता-अंग्रेजी द्वारा किया गया।

हत्या के अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग, पीड़ित परिवार ने लगाई गुहार

सारंगढ़ (निप्र)। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के सलिहा थाना क्षेत्र के कुशभाठा गांव में 16 जुलाई को जमीन विवाद को लेकर हुई हत्या मामले में पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिवार का कहना है कि घटना में करीब 17 लोग शामिल थे, लेकिन पुलिस ने केवल 7 आरोपियों पर ही कार्रवाई की है। परिवार ने बताया कि मारपीट में महिलाएं भी शामिल थीं, मगर अब तक एक भी महिला आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई है।एसपी कार्यालय में न्याय की गुहार

पीड़ित परिवार पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और शेष आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। परिवार ने आरोप लगाया कि गांव का माहौल अब भी अशांत है और बचे हुए आरोपी लगातार धमकियां दे रहे हैं, जिससे वे दहशत में जी रहे हैं।

जल्द कार्रवाई की मांग

पीड़ित पक्ष ने प्रशासन से अपील की है कि शेष आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि उन्हें न्याय मिल सके और गांव में शांति बहाल हो सके।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव : बालोद जिले में विभिन्न गतिविधियों का हो रहा निरंतर आयोजन

बालोद (निप्र)। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 2025 के अवसर पर जिला प्रशासन बालोद द्वारा विभिन्न गतिविधियों का निरंतर आयोजन किया जा रहा है। आज जिले के विभिन्न स्कूलों में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डिप्टी कलेक्टर श्रीमी प्राची ठाकुर ने बताया कि फिट इंडिया मिशन के तहत आज स्वामी आत्मानंद विद्यालय झलमला में विभिन्न खेल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसमें खो-खो, शतरंज, रस्सी कुद, गोला फेंक, मार्शल आर्ट आदि शामिल है। नगर पंचायत पलारी के मुख्य नगर पालिका अधिकारी गिरीश कुमार साहू ने बताया कि रजत महोत्सव अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पलारी में विभिन्न खेल कार्यक्रम सहित स्कूली छात्र छात्राओं द्वारा गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ शासन के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर नगर पंचायत गुंडरदेही के सौजन्य से आत्मानंद स्कूल में आज छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया।

क्षति का आंकलन कर प्रभावितों को तत्काल आर्थिक सहायता राशि करें जारी : कमलप्रीत सिंह

जगदलपुर (निप्र)। सचिव डॉ कमलप्रीत सिंह ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित परिवारों का सर्वेक्षण एवं क्षति का आंकलन शीघ्र पूरा किया जाए और प्रभावितों को तत्काल आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाए। प्रशासन की प्राथमिकता है कि कोई भी प्रभावित परिवार राहत और सहायता से वंचित न रहे। बस्तर जिले के प्रभारी सचिव डॉ कमलप्रीत सिंह ने शनिवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं पुनर्वास कार्यों की जानकारी ली और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. सिंह ने कहा कि पूर्णतरू मकान क्षति के प्रकरणों में आर बी सी 6-4 के तहत त्वरित कार्यवाही करते हुए आगामी दो दिनों में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। प्रभावितों को बॉस बल्ली का वितरण करें ताकि मकान बनाने के लिए सहयोग हो। इसके अलावा फसल हानि का सर्वे करने के निर्देश दिए । राहत शिविरों में भोजन की

व्यवस्था लगातार करें और उचित मूल्य की दुकानों में राशन की अतिरिक्त आबंटन कर उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए। साथ ही स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था और मेडिकल कैंप स्थापित कर लोगों को आवश्यक उपचार एवं दवाइयाँ उपलब्ध करवाई जाए। इसके अलावा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में उल्टी दस्त और स्वच्छता संबंधी बीमारियों की संभावना बनी रहती है इस हेतु कार्य योजना बनाकर एक माह तक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाए।

उन्होंने क्षतिग्रस्त सड़कों और पुल पुलिया का समीक्षा करते हुए कहा कि सभी जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के सड़क से बारह मासी आवागमन सुचारू रहे, विशेषकर सुकमा,दंतेवाड़ा-बीजापुर जिलों से होकर गुजरने वाले सड़क हमेशा कनेक्ट रहना चाहिए। बाढ़ से प्रभावित सड़को के कटे हुए हिस्से को तत्काल दुरुस्त करवाएं, साथ ही बहाव क्षेत्र के सड़कों का स्थाई समाधान किया जाए। साथ ही निर्माण कार्य के साथ प्रोटेक्शन वर्क को भी जोड़कर प्रस्ताव तैयार करें। बाधित विद्युत व्यवस्था वाले गाँव में भी रिस्टालेशन की प्रक्रिया को जल्द पूरा करें, पीएचई विभाग को पेयजल आपूर्ति बनाए रखने तथा जल शुद्धिकरण करने के निर्देश दिए।

सचिव डॉ सिंह ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का चिन्हांकन कर रखें ताकि भविष्य की तैयारी कर रखें।अर्ली मॉनिटरिंग की व्यवस्था को सक्रिय किया जाए ताकि बारिश से पहले प्रभावित इलाकों के सरपंच- ग्राम सचिव के माध्यम से ग्रामीणों को सचेत किया जाए और सुरक्षित इलाकों में पहुंचाया जा सके।

इस अवसर पर कमिश्नर डोमन सिंह ने कहा कि हमे बाढ़ प्रभावितों के लिए संवेदनशील होकर राहत और आरबीसी 6-4 के प्रकरण तैयार कर कार्य करने की जरूरत है। सभी प्रभावित अनुभागों द्वारा इस कार्य को प्राथमिकता से किया जाए और भी अधिकारी फील्ड में लगातार निगरानी रखकर समस्याओं का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा,जिला पंचायत सीईओ एवं प्रभारी कलेक्टर प्रतीक जैन,वन मंडलाधिकारी उत्तम गुप्ता, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता जीआर रावटे, अपर कलेक्टर सीपी बघेल, ऋषिकेश तिवारी, आयुक्त नगर निगम प्रवीण वर्मा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

फिटनेस टेस्ट से गुजरे रोहित शर्मा

एशिया कप से पहले शुभमन गिल समेत ये खिलाड़ी भी पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट कप्तान और टी20 उपकप्तान शुभमन गिल एशिया कप 2025 की तैयारियों और फिटनेस टेस्ट के लिए बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंच गए हैं. गिल के साथ-साथ वनडे के कप्तान रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट के लिए सीओई में पहुंचे हैं. भारतीय टीम के सदस्य 4 सितंबर को दुबई में इकट्ठा होंगे, ताकि 9 सितंबर को मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच की तैयारी कर सकें.

38 साल के रोहित शर्मा, जो टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, वो भी सीओई में फिटनेस टेस्ट के लिए पहुंचे हैं. यह प्रक्रिया रविवार तक पूरी हो सकती है, और यह देखना रोचक होगा कि रोहित, जो अब केवल वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, नए सीजन की शुरुआत कैसे करते हैं. रोहित अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकते हैं. इस फिटनेस टेस्ट के दौरान खिलाड़ियों को ब्रोंको टेस्ट और यो-यो टेस्ट से गुजरना है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, खिलाड़ियों के पहले दिन के टेस्ट हो गए हैं.

वहीं, रविवार को दूसरे दिन के टेस्ट होंगे और फिर नतीजे सामने आ जाएंगे. गिल को हाल ही में वायरल बुखार के कारण चल रहे दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में ईस्ट जोन के खिलाफ नॉर्थ जोन की कप्तानी करने से चूकना पड़ा था. वह चंडीगढ़ में अपने घर पर बीमारी से उबर रहे थे और अब पूरी तरह ठीक होने के बाद बेंगलुरु पहुंचे हैंय इस बार खिलाड़ी अलग-अलग जगहों से दुबई पहुंचेंगे, जो कि पहले की परंपरा से अलग है, जब पूरी टीम मुंबई से एक साथ यात्रा करती थी.

संभावना है कि गिल बेंगलुरु से सीधे दुबई के लिए उड़ान भर सकते हैं. दूसरी ओर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी टेस्ट के लिए पहुंचे हैं, जो एशिया कप खेलने वाले हैं.

ये खिलाड़ी भी पहुंचे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

गिल के अलावा, विकेटकीपर–बल्लेबाज जीतेश शर्मा भी प्री–टूर्नामेंट तैयारियों के लिए सीओई पहुंच गए हैं. शार्दूल ठाकुर भी प्री–सीजन टेस्ट के लिए जल्द ही सीओई गए हैं. शार्दूल ठाकुर दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में वेस्ट जोन की कप्तानी करेंगे, जबकि जायसवाल और सुंदर, जो एशिया कप के लिए स्टैंडबाय लिस्ट में हैं, घरेलू सीजन के आखिरी चार मैचों में भी हिस्सा लेंगे.

अश्विन का विदेशी लीग्स में खेलने की अफवाहें के बीच खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बाद हाल ही में आधिकारिक तौर पर आईपीएल से भी संन्यास ले लिया है। जहां आईपीएल से संन्यास के बाद अश्विन के विदेशी लीग्स में खेलने की अफवाहें उड़ रही थी वहीं अब अश्विन ने खुलासा किया है कि कोचिंग उनका भविष्य हो सकता है। 38 वर्षीय अश्विन ने अपना आईपीएल करियर चेन्नई सुपर किंग्स के साथ समाप्त किया। अपने यूट्यूब चैनल ऐश की बात पर अश्विन ने खुलासा किया कि कोचिंग ही उनका भविष्य है।

अश्विन ने कहा, मैं बहुत आवेगशील व्यक्ति हूं। जब मैं किसी चीज में दृढ़ विश्वास रखता हूं, तो उसके पीछे भागता हूं। अब मैं खेल में आनंद के पीछे भाग रहा हूं। मेरा अगला अध्याय शायद कोचिंग हो सकता है। इसके लिए मैं इसे एक बहुत ही महत्वपूर्ण साधन मानता हूं। मुझे विश्वास है कि खेल मुझे इसके लिए तैयार कर रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि अश्विन ने खुलासा किया कि राजस्थान रॉयल्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान उनके खिलाड़ी और कोच की दोहरी भूमिका निभाने पर भी चर्चा हुई थी। उन्होंने आगे कहा, दरअसल, जब मैं राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहा था, तब हमने इस विषय (कोच-कम-खिलाड़ी) पर चर्चा की थी। मैं नाम नहीं लूंगा क्योंकि यह मेरे लिए सही नहीं होगा। लेकिन हमने इस बारे में चर्चा की थी कि क्या कोई क्रिकेटर के रूप में खेलते हुए एक ही समय में कोचिंग की भूमिका भी निभा सकता है। यह बात आगे नहीं बढ़ी।

थप्पड़कांड वीडियो विवाद पर ललित मोदी का श्रीसंत की पत्नी को जवाब, बोले- मैंने सच साझा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी ने हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क को आड़े हाथों लिया था, क्योंकि उन्होंने 2008 आईपीएल स्लैप-गेट विवाद का अनदेखा वीडियो सार्वजनिक किया। यह घटना श्रीसंत और हरभजन सिंह के बीच हुई थी। अब ललित मोदी ने भुवनेश्वरी की आलोचना का जवाब दिया है।

यह विवाद तब शुरू हुआ, जब एक पॉडकास्ट के दौरान मोदी और क्लार्क आईपीएल के पुराने किस्सों पर चर्चा कर रहे थे। इसी दौरान ललित मोदी ने वह अनदेखा क्लिप जारी किया, जिसमें मैच खत्म होने के बाद हैंडशेक के दौरान हरभजन सिंह, श्रीसंत को थप्पड़ मारते नजर आए। इस घटना के चलते हरभजन पर 11 मैचों का प्रतिबंध लगा था। ललित मोदी ने आईएएनएस को बताया, मुझे नहीं पता कि वह (श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी) क्यों नाराज हैं। मुझसे एक सवाल पूछा गया था, और मैंने सच बता दिया। मैं इसमें कुछ नहीं कर सकता। मैं सच बोलने के लिए जाना जाता हूं। श्रीसंत विक्टिम थे और मैंने वही कहा। इससे पहले किसी ने मुझसे यह सवाल नहीं किया था, इसलिए जब क्लार्क ने पूछा तो मैंने जवाब दिया।

मोदी ने माइकल क्लार्क को यह भी समझाया कि यह क्लिप उनकी सिक्योरिटी कैमरा फुटेज से मिली थी, क्योंकि उस समय ब्रॉडकास्टर ने अपने कैमरे बंद कर दिए थे। वीडियो में दिखता है कि पोस्ट-मैच हैंडशेक के दौरान हरभजन ने श्रीसंत को बुलाया और फिर थप्पड़ मार दिया। हालांकि, हरभजन ने इस घटना के लिए कई बार सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी। हालांकि, बाद में दोनों खिलाड़ियों ने विवाद को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद दोनों कमेंट्री पैनल और विज्ञापनों में भी नजर आए। इससे पहले, भुवनेश्वरी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में इस घटना की आलोचना करते हुए इसे घृणित, हृदयहीन और अमानवीय बताया था। भुवनेश्वरी ने लिखा, ललित मोदी और माइकल क्लार्क, आपको शर्म आनी चाहिए। श्रीसंत और हरभजन दोनों ही जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं और अब स्कूल जाने वाले बच्चों के पिता हैं, फिर भी आप पुराने जख्मों को कुरेदने की कोशिश कर रहे हैं। बेहद घिनौना, बेरहम और अमानवीय। श्रीसंत ने भी इंस्टाग्राम पर उनके पोस्ट को रीशेयर किया था।

कीरोन पोलार्ड का जश्न 24 घंटे भी नहीं चला

एक ही दिन में आगे निकल गए इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स

तरौबा, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग के दौरान कीरोन पोलार्ड ने टी20 क्रिकेट में अपने 14000 रन पूरे किए। अब एक दिन बाद ही इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स के भी टी20 में 14 हजार रन हो गए हैं। हेल्स भी इसी लीग में खेल रहे हैं और पोलार्ड की टीम त्रिबानगो नाइट राइडर्स का ही हिस्सा हैं। हेल्स ने गुयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 74 रनों की पारी खेली। इसी पारी के दौरान उनके 14 हजार रन पूरे हो गए।

हेल्स 14 हजार रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज

एलेक्स हेल्स टी20 क्रिकेट में 14 हजार रन बनाने वाले दुनिया के तीसरे और इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। हेल्स और पोलार्ड से पहले वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम इस फॉर्मेट में 14000 रन थे। 36 साल के हेल्स ने 2009 में टी20 डेब्यू किया था। अभी तक 505 पारियों में उन्होंने 30 की औसत से 14024 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 7 शतक और 89 अर्धशतक निकले। टी20 में उनका स्ट्राइक रेट 145.44 का है। हेल्स सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले एक्टिव बल्लेबाज भी बन गए हैं।

रनों में पोलार्ड से आगे निकले हेल्स

एलेक्स हेल्स टी20 में रन बनाने के मामले में कीरोन पोलार्ड से आगे निकल गए हैं। पोलार्ड पोलार्ड ने गुनाया के खिलाफ मैच में 12 रन बनाए। इस तरह उनके इस फॉर्मेट में 14012 रन हैं। वहीं हेल्स के 14024 रन हो गए हैं। क्रिस गेल के सबसे ज्यादा 14562 रन हैं। गेल ने 2022 के बाद टी20 नहीं खेला है। ऐसे में पोलार्ड और हेल्स दोनों के पास ही टॉप पर जाने का मौका है।

मैग्नस कार्लसन 8 महीने पहले जिस कारण मुकाबले से हुए बाहर, FIDE ने उस नियम में किया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। शतरंज की नियम बनाने वाली 101 साल पुरानी संस्था इंटरनेशनल चेस फेडरेशन, फिडे ने अपने ड्रेस कोड में ढील दी है। उसने खिलाड़ियों को आगामी ग्रैंड स्विस और महिला ग्रैंड स्विस टूर्नामेंटों में उपयुक्त जींस पहनने की अनुमति दी है। फिडे का यह कदम मैग्नस कार्लसन के 'जींस पहनने' विवाद के आठ महीने बाद आया है। मौजूदा पीढ़ी के शतरंज के सबसे महान खिलाड़ी कार्लसन ने जींस पहनने के लिए जुर्माना लगने के बाद फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप को बीच में ही छोड़ दिया था। कार्लसन ने कहा था कि उन्होंने सिद्धांत के आधार पर इस टूर्नामेंट को छोड़ दिया था। उन्होंने बाद में उस विशेष जींस को ईबे पर एक ऑनलाइन नीलामी में 31 लाख रुपये (36,100) में बेच दिया।

ड्रेस कोड में बदलावः ड्रेस कोड में बदलाव के बाद भी कार्लसन के उज्बेकिस्तान के समरकंद में 3 से 16 सितंबर तक होने वाले ग्रैंड स्विस इवेंट में खेलने की संभावना नहीं है, लेकिन शुक्रवार (29 अगस्त) को प्रकाशित संशोधित फिडे नियमों का मतलब है कि अन्य खिलाड़ियों को तीन रंगों नीले, काले और भूरे रंग की नॉन-डिस्ट्रेस्ड जींस पहनकर खेलने की अनुमति होगी।

जींस पहनने की अनुमतिः फिडे के एक बयान में कहा गया है, आधिकारिक ड्रेस कोड के तहत अब उपयुक्त जींस पहनने की अनुमति है। यह बदलाव खिलाड़ियों को ज्यादा आराम और अपनी पसंद चुनने की आजादी देता है।

विश्वनाथन आनंद ने बताया नियमों में बदलाव की वजहः फिडे के उपाध्यक्ष और पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने शनिवार को बताया कि शतरंज संस्था ने कई खिलाड़ियों से सलाह-मशविरा करने के बाद यह फैसला लिया।

अक्षर पटेल से छिनेगी दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी !

इन प्लेयर्स में किसी को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में बदलावों का दौर चल रहा है। ट्रेड विंडो के तहत कई तरह की बातचीत और कुछ बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं अब दिल्ली कैपिटल्स में अक्षर पटेल को कप्तानी से हटाने की खबरे सामने आई हैं। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 से पहले एक नए कप्तान पर विचार कर रही है। इससे टीम में केएल राहुल या फाफ डु प्लेसिस जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए भूमिका खुल जाती है। फिलहाल फ्रैंचाइजी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

डीसी कप्तानी के लिए 3 सर्वश्रेष्ठ दावेदार

फाफ डु प्लेसिसः फाफ डु प्लेसिस का नाम इस भूमिका के लिए दूसरे सबसे अच्छे उम्मीदवार के रूप में सामने आता है। दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने अपनी राष्ट्रीय टीम के अलावा दुनिया भर की विभिन्न लीगों में कई फ्रैंचाइजी का नेतृत्व किया है। अनुभव की बात करें तो डु प्लेसिस के पास इसकी कोई कमी नहीं है और वह टीम को इतिहास के अब तक के सर्वश्रेष्ठ सीजन तक ले जा सकते हैं।

केएल राहुलः भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल टीम के सबसे वरिष्ठ सदस्यों में से एक हैं। आईपीएल 2025 में वह उनकी बल्लेबाजी का अहम हिस्सा थे। टीम में राहुल के महत्व और फ्रैंचाइजी तथा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव होने के कारण, यह भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उनके लिए सबसे अच्छा विकल्प लग रहा है।

ट्रिस्टन स्टब्सः दक्षिण अफ्रीकी युवा खिलाड़ी आईपीएल 2025 के दौरान दिल्ली कैपिटल्स टीम के सबसे महत्वपूर्ण बल्लेबाजों में से एक थे। ट्रिस्टन स्टब्स कैपिटल्स के लिए एक दीर्घकालिक निवेश प्रतीत होते हैं। आगे चलकर कैपिटल्स उन्हें एक लीडर के रूप में प्रोजेक्ट कर सकते हैं और उनके इर्द-गिर्द टीम बना सकते हैं।

CPL 2025: एक ही मैच में 2 हैट्रिक से चूककर भी छाए इमरान ताहिर, 46 की उम्र में वो किया, जो कोई सोच भी नहीं सकता

नई दिल्ली, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 में इमरान ताहिर एक ही मैच में 2 बार हैट्रिक लेने से चूक गए. हालांकि, उससे चूकते हुए 46 साल के गेंदबाज ने वो किया, जिसके बारे में कोई इतनी उम्र में करने की सोच भी नहीं सकता. उन्होंने सीपीएल 2025 में अपने नाम का डंका बजाया.

मुकाबला गयाना अमेजन वॉरियर्स और ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के बीच था. इसी मैच में गयाना की ओर से खेल रहे इमरान ताहिर नाइट राइडर्स के खिलाफ एक नहीं दो बार हैट्रिक लेने से चूकते दिखे. ऐसा कैसे हुआ, आइए जानते हैं. हुआ ये कि मुकाबले में गयाना अमेजन वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 163 रन बनाए. जवाब में 164 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नाइट राइडर्स ने बड़ी जोरदार शुरुआत की. हेल्स और मुनरो की ओपनिंग जोड़ी के बीच पहले 10 ओवर में शतकीय साझेदारी हुई. मगर उसके बाद 11वां ओवर डालने इमरान ताहिर आए.

ऐसे चूकी पहली हैट्रिक

46 साल के इस लेग स्पिनर ने मैच में डाले अपने तीसरे और नाइट राइडर्स की इनिंग के 11वें ओवर की तीसरी और चौथी गेंद पर कॉलिन मुनरो और निकोलस पूरन को आउट कर दिया. उसके बाद सबकी निगाहें ओवर की 5वीं गेंद पर जम गई. मगर ताहिर को उस पर सफलता नहीं मिली और वो इस मैच में पहली दफा हैट्रिक से चूक गए.

ऐसे दूसरी हैट्रिक से भी चूके

इमरान ताहिर के पास हैट्रिक लेने का एक और मौका आया. उन्होंने अपने तीसरे और नाइट राइडर्स की इनिंग के 11वें ओवर को विकेट के साथ खत्म किया. आखिरी गेंद पर उन्होंने कार्टी को आउट किया. इसके बाद जब वो अपना अगला यानी कि चौथा और नाइटराइडर्स की इनिंग का 15वां ओवर डालने आए तो उन्होंने पहली ही गेंद पर एलेक्स हेल्स को चलता कर दिया. मतलब, अब एक बार फिर से इमरान ताहिर हैट्रिक पर थे. उन्होंने इस बार भी कोशिश भरपूर की. अपने कोटे के आखिरी और नाइट राइडर्स की इनिंग के 15वें ओवर की दूसरी गेंद पर उन्होंने पोलार्ड को बीट भी किया. मगर वो बच गए. और, इस तरह मैच में दूसरी बार इमरान ताहिर अपने हैट्रिक से चूकते दिखे.

इमरान ताहिर रहे विकेट लेने वाले टीम के इकलौते गेंदबाज

दो बार हैट्रिक से चूके इमरान ताहिर नाइट राइडर्स के खिलाफ गयाना के सबसे सफल गेंदबाज रहे. वो इकलौते गेंदबाज रहे जिन्होंने गयान की ओर से इस मैच में विकेट लिए. 46 साल के लेग स्पिनर इमरान ताहिर ने नाइट राइडर्स के खिलाफ 4 ओवर में 27 रन देकर 4 विकेट झटके. हालांकि, ताहिर के अलावा बाकी गेंदबाजों की नाकामी गयाना को भारी पड़ी और उसने 6 विकेट से मैच गंवा दिया.

उम्र 46 की, फिर भी 2025 में सबसे ज्यादा विकेट

इमरान ताहिर पीएसएल और द हंड्रेड में हैट्रिक ले चुके हैं. सीपीएल 2025 में दो बार उनके लिए मौका बना मगर वो चूक गए. हालांकि, इस चूक के बाद भी इमरान ताहिर सीपीएल 2025 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए. उनके नाम अब तक 12 विकेट हैं. युवाओं का खेल कहे जाने वाले टी-20 क्रिकेट में 46 साल के गेंदबाज के लिए ये एक बड़ी बात है.

घर में उग आया पीपल कब नहीं माना जाता अशुभ, पेड़-पौधों से जुड़े इन 5 नियमों को जान लेंगे तो कभी नहीं होगी पैसों की कमी

वास्तु शास्त्र में पेड़–पौधे से जुड़े ऐसे नियम बताए गए हैं, जिनका सीधा सम्बध आपके आर्थिक मामलों, सेहत और रिश्तों पर पड़ता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ पौधे ऐसे होते हैं, जिन्हें घर में लगाना शुभ माना जाता है, वहीं कुछ पौधे अशुभ माने जाते हैं। जैसे, घर में अपने आप उग आए पीपल को हमेशा अशुभ नहीं समझा जाता। इससे भी कुछ नियम जुड़े हुए हैं। आइए, जानते हैं वास्तु शास्त्र के अनुसार पेड़–पौधों से जुड़े नियम।

वास्तु उपाय

घर में पेड़-पौधों को लगाना सेहत के लिए बहुत ही अच्छा माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार भी घर में पेड़-पौधे लगाने से जीवन में सकारात्मकता का वास होता है। कुछ पौधे ऐसे होते हैं, जिन्हें घर में लगाने से आपको बीमारियों से छुटकारा मिलता है बल्कि आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। वहीं, वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ पौधे घर में लगाना शुभ नहीं माना जाता। कुछ पौधे ऐसे होते हैं, जिन्हें घर में लगाने से नकारात्मकता का वास हो जाता है। आइए, जानते है वास्तु शास्त्र के अनुसार कौन-से पौधे घर में लगाने चाहिए और कौन-से नहीं और घर में पौधे लगाने से जुड़ीं खास बातें।

घर में पेड़-पौधों को लगाना सेहत के लिए बहुत ही अच्छा माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार भी घर में पेड़-पौधे लगाने से जीवन में सकारात्मकता का वास होता है। कुछ पौधे ऐसे होते हैं, जिन्हें घर में लगाने से आपको बीमारियों से छुटकारा मिलता है बल्कि आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। वहीं, वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ पौधे घर में लगाना शुभ नहीं माना जाता। कुछ पौधे ऐसे होते हैं, जिन्हें घर में लगाने से नकारात्मकता का वास हो जाता है। आइए, जानते है वास्तु शास्त्र के अनुसार कौन-से पौधे घर में लगाने चाहिए और कौन-से नहीं और घर में पौधे लगाने से जुड़ीं खास बातें।

घर के अंदर पेड़ लगाने का अर्थ

घर के अन्दर का अर्थ हुआ घर के मध्य का आँगन अथवा घर का बरामदा। अगर प्लॉट का साइज बड़ा है, तो बाहर की ओर बड़े वृक्ष लगाए जा सकते हैं। जो वृक्ष शुभ माने जाते जाते हैं, अगर वे घर के बाहर सही दिशा में हों, तो वह शुभ होते हैं। यदि शुभ वृक्ष किसी आस-पड़ोस के घर में सही दिशा में होते हैं, तो भी उनसे शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

घर में उगा हर पीपल नहीं होता अशुभ

पीपल का वृक्ष यदि 1000 पत्तों से कम है, तो वह पौधे की श्रेणी में आता है। ऐसे में यदि वह उचित स्थान पर नहीं है, तो उसे निकाल सकते हैं और फिर उसे दूसरी जगह पर स्थापित कर सकते हैं, परन्तु यदि कोई पीपल का वृक्ष 1000 पत्तों से अधिक हैं, तो उसे नहीं निकालना चाहिए

पूर्व दिशा में कभी न लगाएं पीपल

पूर्व दिशा में लगा हुआ पीपल का पेड़ वहाँ के निवासियों के मन में भूत-प्रेत एवं आत्मा का डर पैदा करता है तथा जैसे-जैसे पेड़ बड़ा होता है, वैसे-वैसे घर में आर्थिक तंगी उत्पन्न करता है।यदि कांटे और दूध वाले पेड़ों को काटा नहीं जा सके, तो इनके पास शुभ वृक्ष लगा देना चाहिए।यदि घर के आस-पास कांटेदार वृक्ष हैं, तो आस-पड़ोस में निवास करने वालों से मनमुटाव होने का भय बना रहता है। कुछ लोग तो बिना वजह ही बोलना-चालना तक बन्द कर देते हैं।

तुलसी का पौधा किस दिशा में लगाना चाहिए

ब्रह्मवैवर्तपुराण, के अनुसार घर के भीतर लगाई हुई तुलसी मनुष्यों के लिए कल्याणकरी, धन एवं पुत्र प्रदान करने वाली, पुण्यदायिनी तथा हरिभक्ति देने वाली होती है। सुबह उठकर तुलसी का दर्शन करने से सुवर्ण दान का फल प्राप्त होता है। वहीं, भविष्यपुराण में वर्णन है कि अपने घर से दक्षिण की ओर तुलसी वृक्ष का रोपण नहीं करना चाहिए, वरना आपकी शारीरिक पीड़ा जैसे घुटनों का दर्द, कमर का दर्द, रीढ़ की हड्डी में दर्द जैसी परेशानियां बढ़ सकती हैं।

घर में किन पौधों नहीं लगाना चाहिए

दूध वाले वृक्ष धन सम्बन्धी समस्याओं को बढ़ावा देने वाले होते हैं और फल वाले वृक्ष सन्तान पक्ष में कोई न कोई दिक्कत पैदा करते हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार इनकी लकड़ी भी घर में नहीं लगानी चाहिए।घर के आस-पास काँटेदार, दूध वाले तथा फल वाले वृक्ष स्त्री और सन्तान दोनों को समस्या देते हैं।

दवा हो रही है बेअसर, तो वास्तु के इन उपायों से आपकी सेहत हो सकती है बेहतर

वास्तु शास्त्र के अनुसार सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा की बहुत बड़ी भूमिका होती है। माना जाता है कि अगर आप पर दवाओं का असर नहीं हो रहा है, तो आपको वास्तु के कुछ उपायों का इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए, जानते हैं सेहत के लिए कौन-से वास्तु उपाय कारगर होते हैं।

किसी रोग का शिकार होने पर डॉक्टरों की जरूरत तो होती ही है लेकिन ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अगर कोई व्यक्ति ग्रहों, नक्षत्रों के अनुसार अपनी जन्मपत्री से संबंधित उपाय कर लें, तो उपचार में आश्चर्यजनक लाभ मिलता है। इतना ही नहीं समय से उपाय कर लिए जाए, तो रोग को पास आने से पहले ही दूर भगाया जा सकता है। खान-पान पर न ध्यान देना एवं जीवनशैली में विकृति के साथ विभिन्न ग्रहों के कारण हमें रोग होते हैं, यदि हम पौष्टिक आहार लें, जीवनशैली में सुधार करें। आदतों में परिवर्तन के साथ कष्टदायक ग्रहों और वास्तु दोषों का भी निदान कर लें, तो इलाज में उल्लेखनीय सुधार होता है। घर और काम करने की स्थितियां हमारे रोग का कारण बनती है पर जानकारी के अभाव में हम उस गुप्त शत्रु के बारे में जान ही नहीं पाते हैं। दवा के साथ दुआ हमेशा महत्वपूर्ण मानी गई है, ज्योतिष, वास्तु का उपाय एवं उपयोग करना लाभकारी होता है।

यदि हमारे घर के दरवाजे एवं खिड़कियां खोलते समय चरमरा कर आवाज करती है तो निश्चित रूप से यह मानसिक तनाव का कारण बनती है, कब्ज़े में तेल डालकर उनकी आवाज बंद करने का प्रयास करें।

यदि आप पीलिया के शिकार हो तो दवा जरूर करें, साथ ही छोटे से मिट्टी के बर्तन में शहद भरकर ढके और मुँह को आटे से बंद करने के बाद शरीर पर से सात बार उतारकर वीरान स्थान पर ले जाकर दबा दें, निश्चित रूप से स्वास्थ्य लाभ होगा।

पैरों में जोड़ों का दर्द हो रहा हो तो समझिए घर या बेडरूम शनि प्रधान है या तो कुंडली में शनि की दशा ठीक नहीं है, ऐसे में आठ किलो काली खड़ी उड़द रोगी के बदन से उतारकर जल में प्रवाहित करें अथवा किसी जरूरतमंद को दे दें, यदि रोगी स्वयं नहीं जा सकता तो रक्त संबंधी भी यह उपाय कर सकते हैं।

कमर या पीठ में दर्द का कारण केतु होता है, ऐसे में तकरीबन आठ सौ ग्राम काले-सफेद तिल को इष्टदेव का नाम लेकर नदी अथवा तालाब में प्रवाहित करें, रीढ़ की हड्डी के दर्द में निश्चित लाभ होगा।

कोई रोग लंबा हो तो काले उड़द को चार सौ ग्राम दही में मिलाकर घर के दक्षिण दिशा में रखने से शीघ्र लाभ मिलेगा।

चिकित्सक यदि बीमार व्यक्ति को उत्तर दिशा में बैठकर दवाई दे, तो औषधि ज्यादा लाभकारी होगी इतना ही नहीं दवा को भी वायव्य कोण में ही रखना चाहिए। यदि माँ बच्चे को नैऋत्य कोण में बैठकर दूध पिलाती है, तो वह बच्चा रोगों से ग्रस्त रहेगा पर यदि माँ पूर्व की ओर मुँह करके बच्चे को दूध पिलाएं तो बच्चा सेहतमंद रहेगा।

रोगी को नैऋत्य कोण में रखने पर बिमारी लंबे समय तक बनी रहती है, पर उसे वायव्य अथवा ईशान कोण में रखने से अपेक्षाकृत जल्दी लाभ होगा।

कमरे की छत में यदि बीम लगा हो तो उसके नीचे बिल्कुल भी नहीं सोना चाहिए क्योंकि बीम जिस भी अंग के नीचे पड़ेगा, वह भाग रोगग्रस्त हो जाएगा।

यदि इमरजेंसी न हो तो दवा लेने की शुरुआत स्वाति, पुनर्वसु, श्रवण या धनिष्ठा नक्षत्रों में करनी चाहिए, ऐसी स्थितियां न बनें तो रविवार, बुधवार या शुक्रवार को दवा लेना आरंभ करेंगे तो शीघ्र स्वास्थ लाभ होगा, दवा लेते समय जन्म वाला नक्षत्र नहीं होना चाहिए।

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन आपके लिए व्यर्थ के वाद विवाद से दूर रहने के लिए रहेगा। सामाजिक विषयों में आपकी काफी सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपको योग्यता अनुसार काम मिलेगा जो आपकी खुशी का कारण बनेगा। आप आज मेहनत से बिल्कुल पीछे नहीं हटेंगे, लेकिन माता जी आपसे इसी बात को लेकर नाराज हो सकती हैं। आपकी लापरवाही आपके लिए समस्या बन सकती है। कोई नया काम करने की इच्छा जागृत हो सकती है।

वृषभ आज का दिन आपके लिए मान–सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। किसी संपत्ति को लेकर कोई मामला यदि आपके लिए समस्या बना हुआ था, तो वह भी दूर होगा। आप अपने घर के रिनोवेशन के बारे में भी सोच सकते हैं। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है और आप अपनी वाणी से सबका दिल जीतने में कामयाब रहेंगे। किसी दूर रह रहे परिजन से आपको मिलने का मौका मिलेगा।

मिथुन आज का दिन आपके लिए भाग्य की दृष्टि से अच्छा रहने वाला है। आप अपने काम को लेकर बजट बनाकर चलें। आपकी सहनशीलता बढ़ेगी जो आपको खुशी देगी। पारिवारिक दृश्य में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको किसी काम को लेकर थोड़ा धैर्य बनाए रखना होगा। आप अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर काफी खुश होंगे। आपको यदि काम को लेकर कोई मित्र सलाह दे, तो आप उस पर अमल अवश्य करें।

कर्क आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला आप है। जल्दबाजी में कोई काम ना करें और अपने आवश्यक कामों को गति देकर आगे बढ़ाते रहें। पारिवारिक रिश्तों में एकता बनी रहेगी। आप कुछ नया करने की सोचेंगे जिसमें आपके परिवार की सदस्यों का पूरा सपोर्ट मिलेगा। राजनीति में आप थोड़ा सोच समझकर ही कदम बढ़ाए। वाहन की खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है।

सिंह आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा और आपके कौशल में सुधार लेकर आएगा। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आपकी कलात्मक क्षमता बढ़ेगी। मित्रों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपका कोई सहयोगी आपके कामों को टालने की कोशिश कर सकता है। आप अपने कामों को पूरे विस्तार से करेंगे। परिवार में यदि कोई कलह लंबे समय से चल रही है तो वह भी दूर होगी।

कन्या आज का दिन आपके लिए करियर में अच्छी सफलता लेकर आएगा। आपकी लोगों से सामंजस्यता बढ़ेगी और आप छुटपुट लाभ की योजनाओं पर भी पूरा ध्यान देंगे। आपके प्रभाव व प्रताप में वृद्धि होगी। आप सभी के प्रति आत्म समर्पित नजर आएंगे। जीवनसाथी को आप कहीं घुमाने लेकर जा सकते हैं। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। लेनदेन से संबंधित मामलों में आप लापरवाही बिल्कुल ना करें

तुला आज का दिन आपके लिए व्यवसाय में कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। आपको अपने आत्मविश्वास को मजबूत करने की आवश्यकता है। आपकी व्यावसायिक योजनाएं फलीभूत होंगी। आप भी जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आप कहीं घूमने फिरने जाएं, तो आप किसी से बेवजह न उलझे। आपकी कोई पुरानी गलती के लिए आपको अपने बॉस से डांट खानी पड़ सकती हैं।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको अपने आवश्यक कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप कामों में उसके नीति व नियमों का उल्लंघन न करें। सामाजिक आयोजनों में भी आप बढ़–चढ़कर हिस्सा लेंगे। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आपने यदि किसी से कुछ कर्जा लिया था, तो उसे भी आप उतारने की कोशिश करेंग

धनु आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा। किसी भूमि, वाहन आदि की खरीदारी आप कर सकते हैं। आपकी साख व सम्मान में वृद्धि होगी। साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। आपको पिताजी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। आप अपने भाई व बहनों से तालमेल बनाकर चले।

मकर आज का दिन आपके लिए मेहनत से अच्छा काम करने के लिए रहेगा। आप अपने मन में अहंकार बिल्कुल ना लाएं और अपने कामों को आगे लटकाने की कोशिश न करें। आपको अपने आलस्य को त्यागने की आवश्यकता है। आपकी दान धर्म के कामों में भी काफी रुचि रहेगी। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आपको अपनी सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा। आपकी लापरवाही के कारण आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

कुंभ आज का दिन आपके लिए अपने जरूरी कामों पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आप अपने खर्च पर भी थोड़ा ध्यान देकर करें। आपको अपने समय का सदुपयोग करने की आवश्यकता है। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। रचनात्मक कार्यो में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको बड़ों की बातों पर पूरा ध्यान देना होगा। संतान की आप कोई फरमाइश पूरी कर सकती है। आपके मन में किसी बात को लेकर संशय चल रहा है, तो आप उस काम में बिल्कुल आगे ना बढ़े।

मीन आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। कामकाज में भी आपको अच्छी सफलता मिलेगी। आपको अपने डेली रूटीन को बेहतर बनाए रखने की कोशिश करनी होगी। घरेलू मामलों को आप मिल बैठकर निपटाने की कोशिश करें और आप आवेश में आकर कोई निर्णय न लें। आपकी दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। राजनीति में कार्यरत लोगों को कोई पुरस्कार मिल सकता है। आप किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

4 शहरों के बीच भी चलेगी बुलेट ट्रेन, सर्वे का आदेश

बेंगलुरु, एजेंसी। देश में बुलेट ट्रेन नेटवर्क के विस्तार की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को घोषणा की कि दक्षिण भारत में बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए सर्वे का आदेश दिया गया है। नायडू ने कहा कि प्रस्तावित बुलेट ट्रेन नेटवर्क दक्षिण भारत के चार बड़े शहरों हैदराबाद, चेन्नई, अमरावती और बेंगलुरु को जोड़ेगा। उन्होंने कहा, बहुत जल्द दक्षिण भारत में बुलेट ट्रेन आने वाली है। इसके लिए सर्वे का आदेश दे दिया गया है। हैदराबाद, चेन्नई, अमरावती और बेंगलुरु–इन चार शहरों की आबादी पांच करोड़ से अधिक है और यह दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है। इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान की राजधानी टोक्यो से सेंदाई तक बुलेट ट्रेन में यात्रा की। उनके साथ जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा भी मौजूद थे। टोक्यो स्थित जापानी दैनिक द योमिउरी शिम्बुन को दिए इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने देशभर में 7,000 किलोमीटर लंबा हाई-स्पीड रेल नेटवर्क विकसित करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना प्रगति पर है। हमने इससे भी बड़ा सपना रखा है। देशभर में 7,000 किलोमीटर का हाई-स्पीड रेल नेटवर्क बनाना है। हम मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर पर अगले कुछ वर्षों में यात्री सेवाएं शुरू करने का लक्ष्य रखते हैं। राष्ट्रीय रेल योजना में पहले से ही कई संभावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का उल्लेख किया गया है। इनमें दिल्ली-वाराणसी, दिल्ली - अहमदाबाद, मुंबई - नागपुर, मुंबई - हैदराबाद, चेन्नई - मैसूर, दिल्ली - अमृतसर और वाराणसी - हावड़ा जैसे रूट शामिल हैं।

पति का गला दबाकर मौत के घाट उतारने वाली पत्नी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। संपत्ति के लालच में आकर पति की हत्या करने वाली पत्नी कविता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी दिनेशचंद बघेल ने बताया कि 29 जुलाई को भोपाल सिंह निवासी गांव टांडा माजरा थाना बुढ़ाना ने पुलिस को सूचना दी उसके बेटे संजय की हत्या उसकी पत्नी कविता ने की है। पुलिस ने कविता निवासी रार्धना थाना सरधना मेरठ को गिरफ्तार कर लिया। उसने बताया कि पति संजय की पहले भी शादी हो चुकी थी। वर्ष 2000 में उसकी संजय निवासी सैनिक विहार एटूजेड थाना नई मंडी से शादी हुई थी। उसे डर था कि वह सारी सम्पत्ति पहली पत्नी के बच्चों को दे देगा। 26 जुलाई की रात्रि सो रहे पति की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या को आत्महत्या दर्शाने पति रस्सी से बांधकर लटकाने का प्रयास किया। उसके पति का बेटा नीशू आ गया। उसने पति को नीचे उतारकर दिल का दौरा पडने का ड्रामा रच दिया। ससुराल पक्ष के लोग शव को पैतक गांव टांडा माजरा में चले गये, चोट के निशान देखकर पुलिस को मामले की सूचना दी।

युवती के फोटो वायरल करने वाले जेई को भेजा जेल: भावनपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी जूनियर इंजीनियर अशोक ने कुछ समय पूर्व एक युवती के साथ अश्लील हरकतें करते हुए उसके फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए थे। युवती के परिजनों ने जानकारी थाना पुलिस को देते हुए तहरीर दी थी। सीओ सदर देहात शिव प्रताप सिंह ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

स्वयंभू संत रामपाल को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत, उम्रकैद की सजा पर रोक

चंडीगढ़, एजेंसी।
सतलोक आश्रम बरवाला के स्वयंभू संत रामपाल को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। वर्ष 2014 में आश्रम के भीतर महिला अनुयायियों की मौत के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे रामपाल की सजा पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। 10 साल से जेल में बंद रामपाल के लिए रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। जस्टिस गुरविंद्र सिंह गिल और जस्टिस दीपिंद्र सिंह नलवा की खंडपीठ ने रामपाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ यह आरोप जरूर है कि उसने महिलाओं को आश्रम में बंद रखा था लेकिन मेडिकल साक्ष्यों को लेकर गंभीर बहस योग्य मुद्दे मौजूद हैं। रामपाल की उम्र 74 वर्ष है और वह पहले ही 10 साल 27 दिन की वास्तविक सजा काट चुका है। साथ ही मृतक के पति और सास ने भी अभियोजन पक्ष का समर्थन नहीं किया। ऐसे हालात में अदालत ने उसकी उम्रकैद की सजा को मुख्य अपील लंबित रहने तक निलंबित करने का आदेश दिया।

डॉक्टरों की रिपोर्ट में महिला की मौत की वजह न्यूमोनिया बताई: रामपाल ने अक्तूबर 2018 में

सैशन कोर्ट द्वारा सुनाई गई सजा को चुनौती देते हुए सजा निलंबन की मांग की थी। उसे आई.पी.सी. की धारा 343, 302 और 120-बी के तहत दोषी ठहराया गया था। रामपाल के वकील ने दलील दी कि उसे झूठा फंसाया गया है और यह मामला प्राकृतिक मौत का है। डॉक्टरों की रिपोर्ट के अनुसार, महिला की मौत न्यूमोनिया से हुई थी। यहां तक कि मृतका के पति और सास ने भी अदालत में स्वीकार किया कि मृतका एक माह से न्यूमोनिया से पीड़ित थी। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि 13 अन्य सह-आरोपी पहले ही जमानत पर रिहा हो चुके हैं, इसलिए रामपाल को भी समान आधार पर राहत मिलनी चाहिए। वहीं, राज्य सरकार ने इस याचिका का विरोध करते हुए कहा कि मृतका समेत कई महिलाओं को रामपाल के आश्रम में कैद कर रखा गया था, जहां उसे न तो पर्याप्त भोजन दिया जाता था और न ही रहने की सुविधा। सरकार का दावा था कि महिलाओं की मौत दम घुटने के कारण हुई। फिलहाल, हाईकोर्ट ने रामपाल की शेष सजा पर रोक लगा दी है और यह आदेश मुख्य अपील के निपटारे तक लागू रहेगा।

हरियाणा सरकार में सिंचाई विभाग में जेई की नौकरी छोड़कर बाबा बने रामपाल अपने अनुयायियों के लिए रोहतक और हिसार के बरवाला में सतलोक आश्रम की स्थापना की थी। रामपाल के जीवन में विवादों की शुरुआत साल 2006 में हुई, जब स्वामी दयानंद की लिखी एक किताब पर एक टिप्पणी की। इसके बाद आर्यसमाज बाबा रामपाल के खिलाफ खड़ा हो गया। आर्यसमाज और बाबा के अनुयायियों के बीच संघर्ष हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना के बाद, रामपाल पर हत्या का मामला दर्ज हुआ। पुलिस ने आश्रम को अपने कब्जे में लिया। रामपाल और उनके 24 समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया गया। 2008 में बाबा जेल से बाहर आ गया और 2009 में बाबा रामपाल को आश्रम वापस मिल गया। इसके ?खिलाफ आर्यसमाज के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दी। कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। इसके बाद 12 मई 2013 को नाराज आर्यसमाज के लोगों और रामपाल के समर्थकों में फिर झड़प हुई। इस झड़प में तीन लोगों की मौत हो गई और 100 लोग घायल हो गए। 2014 में रामपाल के खिलाफ अदालत में पेश न होने के कारण अवमानना के आरोप में गिरफ्तारी का आदेश दिया गया। पुलिस जब सतलोक आश्रम पर उसे गिरफ्तार करने गई तो रामपाल के समर्थकों ने पुलिस पर धावा बोल दिया। एक सप्ताह तक चले इस संघर्ष में छह लोगों की मौत हो गई। इसके बाद, रामपाल को गिरफ्तार कर चंडीगढ़ ले जाया गया। रामपाल पर कई आरोप लगे, जिनमें हत्या, अवैध हथियार रखना और दंगा करना शामिल थे। साल 2018 में हिसार की अदालत ने उसे दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

प्रवासी सामाजिक सांस्कृतिक संगठन का प्रयास स्वागत योग्य - सुब्रत हलदर

स्वास्थ्य जाँच शिविर का सफल आयोजन सम्पन्न हुआ

संवाददाता
पश्चिमी दिल्ली ।
प्रवासी सामाजिक सांस्कृतिक संगठन द्वारा आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों व समाज असहाय वर्गो के कल्याण हेतु रविवार प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक वाल्मीकि आश्रम,नई सीमापुरी,दिल्ली में एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।प्रवासी सामाजिक सांस्कृतिक संगठन का प्रयास स्वागत योग्य है । इस कार्यक्रम का आयोजन वे भी समाज के असहाय ,वंचित व जरूरत मंदो के लिए आज के जाँच शिविर का आयोजन सफल रहा है। सुब्रत हलदर जो संस्था के विशेष सलाहकार है उन्होंने कहा कि आज का इस कार्यक्रम का आयोजन एनबीसीएफडीसी(भारत सरकार का एक उपक्रम)द्वारा अपने सीएसआर फंड के अंतर्गत प्रायोजित किया गया था।इस विशेष स्वास्थ्य जाँच शिविर में निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई थी ।

नेत्र जाँच - श्रेया नेत्र केंद्र, द्वद्व) आंतरिक चिकित्साः डॉ. आमोद कुमार और डॉ. मितेश दयाल

शुगर और बीपी जाँच। आज विशेष चिकित्सा दल ने कुल 120 लोगों का उपचार व दवाइयाँ निःशुल्क प्रदान की गई।प्रवासी सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन के अध्यक्ष पल्लब बसाक ने निःशुल्क

स्वास्थ्य शिविर के आयोजन में सहयोग के लिए एनबीसीएफडीसी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी संस्था भविष्य में भी ऐसे ही सामाजिक कल्याणकारी कार्य करने के लिए संकल्प लिया है।महासचिव चिरब्रत सरकार ने भी प्रायोजक को धन्यवाद दिया और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए अन्य कल्याणकारी गतिविधियों को प्रायोजित करने का अनुरोध किया।संस्था के मुख्य सलाहकार सुब्रत हलदर ने स्थानीय विधायक वीर सिंह धिंगान,पार्षद श्रीमती मोहिनी जीनवाल,पूर्व पार्षद सुनील कुमार झा को शिविर के आयोजन में उनके पूर्ण सहयोग के लिए प्रवासी समाजिक सांस्कृतिक संगठन द्वारा उनके सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

कोर्ट बीच में नहीं आ सकते, नए ऑनलाइन गेमिंग ऐक्ट को लेकर केंद्र का कर्नाटक हाईकोर्ट को जवाब

बेंगलुरु, एजेंसी।
नए ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम को लेकर कर्नाटक हाई कोर्ट द्वारा पूछे गए सवाल का केंद्र सरकार ने जवाब दिया है। केंद्र सरकार की ओर से जवाब देने के लिए आए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय को बताया कि इस ऐक्ट को लागू करने में अब अदालतें आड़े नहीं आ सकती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक बार किसी कानून को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल जाने के बाद उसके ऊपर न्यायिक प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। यह एक संवैधानिक काम है। नए ऑनलाइन गेमिंग ऐक्ट का बचाव करते हुए सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि संसद में पारित होने के बाद और राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी मिलने के बाद इसे रोकने की कोई गुंजाइश नहीं बचती है। इसके बाद जब अदालत ने पूछा कि क्या इस ऐक्ट को लेकर अधिसूचना जल्द ही जारी हो जाएगी? इसका जवाब देते हुए तुषार मेहता ने कहा कि ऐसा जल्दी ही हो सकता है। सॉलिसिटर जनरल की कर्नाटक हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति बी एम श्यामा प्रसाद की पीठ के सामने दी गई इन दलीलों का मतलब है कि एक वर्ग के विरोध के बावजूद सरकार जल्दी

ही असली पैसे वाले इन ऑनलाइन गेम और उनके प्रचार पर बैन लगा देगी।

गौरतलब है कि मॉनसून सत्र में सरकार द्वारा लाए गए इस विधेयक और अब ऐक्ट के खिलाफ ए23 (ऑनलाइन रमी और पोकर प्लेटफार्म) की मूल कंपनी हेड डिजिटल वर्क्स ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। कंपनी की तरफ से पेश हुए वकील आर्यमा सुंदरम ने शनिवार को ही हाई कोर्ट ने अनुरोध किया कि ऐक्ट पर फिलहाल अंतरिम रोक लगाई जाए और इसे खारिज करने के अनुरोध पर विचार किया जाए।

भगवान से बदला ले रहा था, 10 साल से मंदिरों में चोरी कर रहा था शख्स

दुर्ग, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के दुर्ग में और उसके आसपास के मंदिरों से पिछले एक दशक से हो रही चोरियों का आरोपी को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 45 साल का ये शख्स मंदिरों के दानपात्रों के ताले तोड़कर पैसे चुराता था और बिना कोई सबूत छोड़े गायब हो जाता था। उसका कहना है कि वह भगवान से बदला लेने के लिए इन चोरियों को अंजाम देता था।

रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी एचआईवी पॉजिटिव है। 2012 में एक मारपीट के मामले में जेल की सजा काटते समय उसे ये बीमारी हो गई और तभी से भगवान पर से उसका विश्वास उठ गया। उसने कहा कि भगवान को उनकी जगह दिखान के लिए मैंने मंदिरों को निशाना बनाने का फैसला किया। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी ने दुर्ग और आसपास के इलाकों में मौजूद मंदिरों से 10 चोरियों की बात स्वीकार की है। हालांकि पुलिस को शक है इसमें और भी लोग शामिल हो सकते हैं।

पुलिस ने बताया कि उसका चोरी का तरीका एक ही तरह का था। वह केवल दानपेटियों से कैश चुराता था। गहनों को छूता भी नहीं था। सीसीटीवी फुटेज में पहचाने जाने से बचने के लिए वह हर चोरी से पहले और बाद में कपड़े

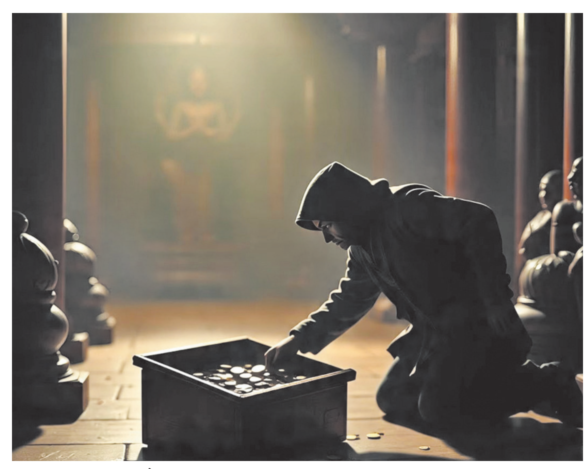

बदल लेता था, और अपना जुपिटर स्कूटर हमेशा घटनास्थल से दूर खड़ा करता था। चोरी का ताजा मामला 23-24 अगस्त का है जब आरोपी ने जैन मंदिर में चोरी की थी। इसके अगले दिन उसे पूछताछ के लिए उठाया गया और फिर गिरफ्तार कर लिया गया।

कैसे पकड़ा गया आरोपी: रिपोर्ट के मुताबिक जैन मंदिर में चोरी के बाद पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए और त्रिनयन ऐप के ज़रिए उसकी गतिविधियों पर नज़र रखी। मुखबिरों को भी तैनात किया गया। सीसीटीवी कैमरे से क्लू मिलने के बाद आरोपी के घर का पता लगा लिया गया। कई बार कपड़े बदलने और कैमरों से बचने के लिए संकरी गलियों का इस्तेमाल करने के बावजूद, पुलिसउसकी गतिविधियों का पता लगाने में कामयाब रहे। फिर उसे घेर लिया गया और पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने 2012 में जेल से रिहा होने के तुरंत बाद मंदिरों को निशाना बनाना शुरू कर दिया था। वह पहले मंदिर की रेकी करता, अगले दिन अपने स्कूटर पर वापस आता, कुछ दूरी पर पार्क करता, कपड़े बदलता और फिर अंदर घुस जाता। चोरी के बाद, वह गलियों से भाग जाता, फिर से कपड़े बदलता और घर चला जाता।

सैनिकों की वापसी से सीमा पर शांति आई

बीजिंग, एजेंसी। पिछले साल कजान में हमारी बहुत उपयोगी चर्चा हुई थी, जिससे हमारे संबंध बेहतर हुए। सीमा पर सैनिकों की वापसी के बाद शांति और स्थिरता का माहौल बना है। सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों ने समझौता किया है। कैलाश मानसरोवर यात्रा दोबारा शुरू हो गई है और दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें भी फिर से शुरू हो रही हैं। मीटिंग में जिनपिंग ने कहा कि मोदी से मिलकर खुशी हुई। ड्रैगन (चीन) और हाथी (भारत) को साथ आना चाहिए।

वहीं, मोदी ने ये भी कहा कि भारत और चीन के बीच सहयोग से 2.8 अरब लोगों को फायदा होगा और यह पूरी मानवता के कल्याण का रास्ता खोलेगा। उन्होंने आपसी विश्वास, सम्मान के आधार पर रिश्तों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता जताई। मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन की सफल अध्यक्षता के लिए चीन को बधाई दी और चीन आने के निमंत्रण व बैठक के लिए धन्यवाद भी दिया।

मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन की सफल अध्यक्षता के लिए चीन को बधाई दी और चीन आने के निमंत्रण व बैठक के लिए धन्यवाद भी दिया।

गलवान झड़प के बाद मोदी का पहला चीन दौरा: मोदी शनिवार शाम 2 दिन के जापान दौरे के बाद चीन पहुंचे थे। जून 2020 में हुई गलवान झड़प के बाद भारत-चीन के संबंध खराब हो गए थे। इस यात्रा का मकसद दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को कम करना भी है। मोदी तियानजिन शहर में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन की मीटिंग में हिस्सा लेंगे। इस बार चीन में इतिहास की सबसे बड़ी समिट का आयोजन हो रहा है। इसमें 20 से ज्यादा देश शामिल हो रहे हैं। मोदी और पुतिन के साथ-साथ सेंट्रल एशिया, मिडिल ईस्ट, साउथ एशिया और साउथ-ईस्ट एशिया के नेता भी इस समिट में शामिल होंगे। पीएम मोदी सोमवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मिलेंगे।

श्री उदय बोरवणकर, महानिदेशक, आरडीएसओ महाप्रबंधक का अतिरिक्त पदभार आज से ग्रहण करेंगे।

गोरखपुर, 31 अगस्त, 2025 । श्री उदय बोरवणकर, महानिदेशक, आरडीएसओ ने पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक का अतिरिक्त पदभार 01 सितम्बर,2025 को ग्रहण करेंगे। श्री बोरवणकर भारतीय रेल प्रबंधन सेवा के अधिकारी हैं। वाराणसी से प्रारंभिक शिक्षा के उपरांत आप 1985 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिष्ठित स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिस के लिए चयनित हुए। भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरिंग संस्थान, जमालपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद पश्चात आपने मुंबई से स्नातकोत्तर (एम.बी.ए.) की डिग्री प्राप्त की। आपने आईआईटी, खड़गपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद एवं बोक्कोनो स्कूल ऑफ बिजनेस (मिलान) से बिजनेस मैनेजमेंट तथा ग्राज विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रिया से सिविल इंजीनियरिंग में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। श्री बोरवणकर ने मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे, दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे, रेलवे बोर्ड तथा प्रतिनियुक्ति पर खान मंत्रालय एवं महा मेट्रो में पिछले 35 वर्षों में अनेक चुनौतीपूर्ण पदों पर उत्कृष्ट सेवाएँ दी हैं। अपर मंडल रेल प्रबंधक/नागपुर, रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक, नागपुर मेट्रो में परिचालन एवं प्रबंधन के प्रभारी, मंडल रेल प्रबंधक/भोपाल तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य किया है। अगस्त 2024 से आरडीएसओ के महानिदेशक के रूप में आप भारतीय रेल में आधुनिक तकनीक के समावेश के अग्रदूत रहे हैं और कवच, वंदे भारत ट्रेनें, हाइड्रोजन ट्रेन, 'एआई एवं ड्रोन आधारित तकनीक' डास (डी.ए.एस.)जैसे महत्वपूर्ण अभियानों का नेतृत्व कर रहे हैं। श्री उदय बोरवणकर एक अच्छे पाठक, प्रख्यात वक्ता हैं और उन्हें जैविक खेती, फोटोग्राफी तथा भारतीय संगीत में विशेष रुचि है। तकनीकी और प्रबंधकीय नेतृत्व के साथ ही आपने पर्यावरण संरक्षण, हरित ऊर्जा और गुणवत्ता प्रणाली प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

लाहौर से मुल्तान तक तबाही, पंजाब प्रांत में 70 साल बाद आई भयानाक बाढ़

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आई भयानक बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी है। बीते 24 घंटे में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई है जबकि लाखों लोग बेघर हो गए हैं। हालात इतने बिगड़ गए कि प्रशासन को कई जगह बांध तोड़ने के लिए विस्फोटक तक इस्तेमाल करना पड़ा ताकि बड़े शहरों को बाढ़ से बचाया जा सके। शनिवार सुबह से हो रही मूसलधार बारिश ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने दो सितंबर तक और तेज बारिश की चेतावनी दी है। पंजाब प्रांत के करीब 1,700 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। इनमें सिखों का पवित्र स्थल करतारपुर भी शामिल है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के मुताबिक, 26 जून से शुरू हुए मानसून में अब तक देशभर में 842 लोगों की जान जा चुकी है।

किराए के लिए ख़ाली है

1-3600 वर्ग फुट कमर्शियल हॉल सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी काम्प्लेक्स फ़रीदाबाद में।
2-1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड टी सी काम्प्लेक्स सेक्टर 10 फ़रीदाबाद में ।
3 - टू बेड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में ।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फ़रीदाबाद में ।
इच्छुक व्यक्ति फ़ोन नंबर 9999446252,,9811157562 पर संपर्क करें ।

- सूचना -

फ़रीदाबाद ज़िला में भेदीनज़र समाचारपत्र में अपने समाचार,विज्ञापन देने और अख़बार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें -
1-गोपाल न्यूज़ एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर-9811477 204
2-नरेंद्र बुक्स शाप
मूँगफली चौक ऐन.आई. टी. नम्बर -5 फ़रीदाबाद
मोबाइल नम्बर : 9810229192
3-दीक्षित न्यूज़ एजेन्सी ओल्ड फ़रीदाबाद
मोबाइल-98111 59238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं
कॉल करें
0120-4152063,
9811157 562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु. 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा
पहला इनाम

एक हीरो बाईक
दूसरा इनाम

एक सोनी एलसीडी 32 इंच
व अन्य आकर्षक ईनाम
तीसरा इनाम

बीस मोबाईल फोन
- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2025से 31 दिसम्बर 2025तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2025 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम
- हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते है।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
DEL/HIN/2004/13528
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
1001/1002 दसवां तल नौरंग हाऊस, 21 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली -1 से प्रकाशित
एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा